मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

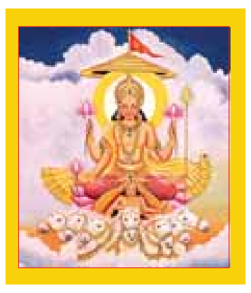

जागरूक जनता

/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

jagrukjanta.net

ज्येष्ठ, पक्ष - कृष्ण, तिथि - चतुर्दशी, संवत 2078 | पृष्ठ : 8+6(डिजिटल) | जयपुर, बुधवार | वर्ष-7, अंक- 15, 9 जून - 15 जून, 2021 | मूल्य ₹ 5/- | वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

छुपा हुआ चीता तो साबित नहीं हो जाएगा कोरोना!

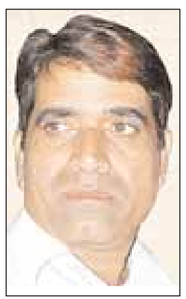

शिव दयाल मिश्रा

सटीक

पिछले डेढ़ सालों से दुनिया कोरोना महामारी से त्रस्त है। कई देश कोरोना से निजात पाने की घोषणा कर चुके हैं मगर कुछ समय पश्चात ही सुनने में आता है कि वहां नए रूप में कोरोना ने फिर से दस्तक दे दी है। वहां की सरकारें फिर से लॉकडाउन लगाने पर मजबूर हो जाती है। हमारे देश में भी सरकार और जनता कोरोना से लड़ रही हैं, मगर कोरोना है कि जाने का नाम ही नहीं ले रहा है। अभी तो पूरी तरह दूसरी लहर भी समाप्त नहीं हुई है कि तीसरी लहर के चर्चे होने लग गए हैं। तीसरी लहर की चर्चाओं के बीच छोटे बच्चों के प्रति मां-बाप के दिमाग में डर बैठने लगा है। तो क्या वाकई ऐसा होगा। तीसरी लहर आएगी। तीसरी लहर क्यों आएगी। तीसरी लहर तब आएगी जब हम लापरवाह होकर घर से निकलने लगेंगे। कोरोना को हमें ऐसे ही समझना चाहिए जैसे एक चीता जंगल में अपने शिकार की तलाश में झुरमुटों में अथवा किसी ओट में छुप कर बैठा रहता है और जैसे ही शिकार उसके निशाने पर आता है उसकी गर्दन दबोच लेता है। शिकार छटपटाता रहता है मगर चीता उसे नहीं छोड़ता। ठीक यही स्थिति आमजनता की है। जैसे-जैसे सरकार थोड़ी ढील दे रही है और चेतावनी भी दे रही है कि कोरोना की गाइड लाइन के अनुसार ही चलो। लेकिन जनता तो लॉकडाउन में मिली छूट को ऐसे समझ रही है जैसे किसी जेल से छूटने की कैदी को सूचना मिली हो। आम आदमी गाइड लाइन को भूलकर न मास्क लगा रहा है और न ही दो गज की दूरी। दो गज की दूरी छोड़िए घर से निकलने के बाद बाजारों में धक्का-मुक्की दिखाई दे रही है। ऊपर से सैनेट्राइज के तो कहीं दर्शन ही नहीं है। जबकि हर आदमी के पास सैनेट्राइज की एक छोटी शीशी होनी ही चाहिए। उपरोक्त तीनों गाइड लाइनों का पालन होता दिखाई नहीं दे रहा है। एक सप्ताह से मिली आंशिक छूट के बाद लोगों का बेपरवाह होकर सड़क और बाजारों में लापरवाही देखने को मिल रही है उससे तो लगता है कि पिछले महीनों में आक्सीजन की कमी, दवाओं की किल्लत, जलती चिताओं की तस्वीर, जवान लोगों की मौत और छोटे-छोटे बच्चों के मां-बाप कोरोना की भेंट चढ़ चुके हैं। इतना कुछ खो देने के बाद भी आमजनता कोरोना के प्रति घोर लापरवाह है। ऐसे में सरकार क्या करेगी। इसलिए लापरवाह होकर कोरोना को दावत मत दो। वह तो अपने शिकार की तलाश में घात लगाए बैठा है।

shivdayalmishra@gmail.com

21 से 18+ को मुफ्त वैक्सीन

वैक्सीनेशन
नई पॉलिसी का ऐलान

राज्यों को अब केंद्र से 50% की बजाय 75% वैक्सीन मिलेंगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ऐलान किया कि 21 जून से 18 साल से ज्यादा उम्र वालों को भी फ्री वैक्सीन का फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री की इस घोषणा के एक दिन बाद यानी मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने वैक्सीनेशन प्रोग्राम की नई गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। ये 21 जून से लागू हो जाएंगी। नई गाइडलाइंस के मुताबिक केंद्र सरकार वैक्सीन निर्माता कंपनियों से 75 प्रतिशत वैक्सीन खरीद कर राज्यों को मुफ्त में देगी। साथ ही कहा है कि प्राइवेट अस्पतालों के लिए वैक्सीन की कीमत मैन्युफैक्चरर कंपनियां ही घोषित करेंगी। केंद्र की तरफ से राज्यों को वैक्सीन के जितने डोज मिलेंगे। उनमें राज्यों को प्राथमिकता तय करनी होगी। इस प्रायरिटी में हेल्थकेयर वर्कर्स सबसे ऊपर रहेंगे। इसके बाद 45 साल से ज्यादा उम्र के लोगों और फिर उन लोगों को प्राथमिकता देनी होगी जिनका दूसरा डोज बाकी है। इसके बाद 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का नंबर आएगा। इनके वैक्सीनेशन के लिए राज्य सरकार अपने हिसाब से प्रायरिटी तय कर सकेगी।

नई गाइडलाइंस में ये बातें भी शामिल

- केंद्र सरकार राज्यों को उनकी आबादी, संक्रमितों की संख्या और वैक्सीनेशन का प्रोग्रेस जैसे पैमानों के आधार पर डोज भेजेगी। राज्यों को वेस्टेज का ध्यान रखना होगा, नहीं तो उन्हें मिलने वाली वैक्सीन की सप्लाई पर असर पड़ेगा।
- केंद्र सरकार राज्यों को पहले ही बता देगी कि उन्हें कितने डोज मिलने वाले हैं। इसी हिसाब से राज्य सरकारें भी उनके जिलों और वैक्सीनेशन सेंटर्स को एडवांस में ही डोज अलॉट कर देगी। जिलों और वैक्सीनेशनस सेंटर्स की तरफ से यह जानकारी सार्वजनिक की जाएगी ताकि लोगों को दिक्कत न हो।
- सरकार छोटे कस्बों और दूरदराज के इलाकों में स्थित प्राइवेट अस्पतालों वैक्सीन सप्लाई बढ़ाने में मदद करेगी, ताकि भौगोलिक आधार पर असमानता को खत्म किया जा सके।
- राज्य सरकारें ऐसे छोटे अस्पतालों की वैक्सीन डिमांड का खाका तैयार करेंगी और केंद्र सरकार ऐसे अस्पतालों को वैक्सीन सप्लाई करने में मदद करेगी। इसके लिए दोनों के स्तर पर साथ-साथ काम होगा।
- सभी लोगों को वैक्सीन वैक्सी मिलेगी, इसमें किसी का आर्थिक स्तर नहीं देखा जाएगा। लेकिन सरकार ने अपील कर कहा है कि जो लोग सक्षम हैं वे निजी अस्पतालों में वैक्सीन लगवाए।
- गरीबों को प्राइवेट अस्पतालों में फ्री वैक्सीन लगवाने के लिए ई-वाउचर जारी किए जाएंगे। ये नॉन ट्रांसफेरेबल होंगे। वाउचर का उपयोग वही व्यक्ति कर सकेगा जिसके नाम पर यह इश्यू होगा।

तीन हजार करोड़ बचने की संभावना

जयपुर @ जागरूक जनता। केंद्र ने देश में 18+ वालों के लिए कोरोना का मुफ्त टीका देने का ऐलान कर दिया है। फैसले से राजस्थान के ही करीब तीन हजार करोड़ रु. बच जाएंगे। राष्ट्र के नाम संबोधन में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ही वैक्सीन खरीदकर मांग और जरूरत के मुताबिक राज्यों को मुफ्त देगी। इसमें 18 से 44 वर्ष के लोग भी शामिल होंगे। यह व्यवस्था 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से शुरू होगी। केंद्र खुले बाजार से 75 प्रतिशत वैक्सीन खरीदेगा। जबकि 25 प्रतिशत वैक्सीन निजी अस्पताल खरीद सकेंगे। हालांकि, निजी अस्पताल टीका लगवाने वालों से वैक्सीन की कीमत के ऊपर सिर्फ 150 रु. का सर्विस चार्ज ही ले पाएंगे। साथ ही प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने के लिए पिछले वर्ष लॉकडाउन के दौरान शुरू की गई गरीब कल्याण अन्न योजना को नवंबर, 2021 यानी दीपावली तक जारी रखा जाएगा।

सीएम गहलोत का पीएम पर वार

पीएम को बताना चाहिए किन राज्यों ने 18+ को टीका खरीदकर लगाने की मांग की। मेरी जानकारी में किसी राज्य ने ऐसी मांग नहीं की थी। लगता है पीएम के सलाहकारों ने उन्हें गलत जानकारी दी थी।

जागरूक खबरें

गांधी की पड़पोती को 7 वर्ष की सजा

नई दिल्ली। द. अफ्रीका में रह रही महात्मा गांधी की पड़पोती को डरबन की अदालत ने 7 वर्ष की सजा सुनाई है। 60 लाख रैंड की धोखाधड़ी व जालसाजी के ओराप में 56 वर्षीय आशीष लता रामगोबिन को कोर्ट ने अपने फैसले में दोषी करार दिया। बता दें कि आशीष लता मशहूर एक्टिविस्ट इला गांधी और दिवंगत मेवा रामगोविंद की बेटी हैं।

आरटीओ में डीएल आज से बनाए जा सकेंगे

जयपुर @ जागरूक जनता। आरटीओ कार्यालय में मंगलवार से वाहन संबंधित काम शुरू हो गए और बुधवार से लाइसेंस बनाए जा सकेंगे। परिवहन आयुक्त महेंद्र सोनी के निर्देश के तहत आरटीओ कार्यालय में 25% की क्षमता से काम शुरू होगा। आरटीओ राकेश शर्मा ने बताया लाइसेंस के लिए मंगलवार को मैसेज भेजे जाएंगे। जून माह में उन्हीं लोगों के लाइसेंस बनाए जाएंगे, जिन्होंने पहले से तारीख ले रखी है, इसके बाद नए स्लॉट खोले जाएंगे।

आसाराम की याचिका पर एससी में सुनवाई टली

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने इलाज कराने के लिए अस्थायी तौर पर सजा निलंबित करने को लेकर स्वयंभू तांत्रिक आसाराम की अपील की सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी है।

नई गाइडलाइन: सप्ताह में 5 दिन 4 बजे तक खुलेंगे बाजार, दो दिन रहेगा वीकेंड कर्फ्यू

निजी वाहन से प्रदेश भर में आवागमन शुरू

कल से निजी और रोडवेज की बसें शुरू होंगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार से अनलॉक का दूसरा फेज शुरू हो गया। गृह विभाग ने अनलॉक-2 की नई गाइडलाइन जारी की है। नई गाइडलाइन में बाजार खोलने का समय बढ़ाकर 4 बजे तक किया गया है। लॉकडाउन में 12 घंटे की छूट दी गई है। अब डेली कर्फ्यू का समय बढ़ाकर दिन में 12 बजे की जगह शाम 5 बजे किया है। निजी वाहनों से सुबह 5 से शाम 5 बजे तक प्रदेश भर में आने जाने की छूट दी गई है।

वीकेंड कर्फ्यू अब दो दिन का ही होगा, सोमवार को बाजार खुलेंगें। अब सप्ताह में चार दिन की जगह पांच दिन बाजार खुलेंगे। प्रदेश में 10 मई से बंद पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी शुरू होगा। नई गाइडलाइन में पब्लिक और प्राइवेट ट्रासंसपोर्ट को चलाने और एक जिले से दूसरे जिले में आवागमन की छूट के अलावा बाकी पुरानी पांबदियां जारी रखी गई हैं।

दिन का कर्फ्यू 12 बजे की जगह शाम 5 बजे से

नई गाइडलाइन में दिन का कर्फ्यू खत्म करके केवल नाइट कर्फ्यू लागू किया है। अब दोपहर 12 बजे की जगह शाम 5 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू रहेगा।

कल से प्रदेश भर में आवागमन शुरू, शाम 5 बजे तक एक जिले से दूसरे जिले में आ सकेंगे

मंगलवार से प्रदेश भर में बाजार खुलने के साथ एक जिले से दूसरे जिले में निजी वाहनों से आने जाने पर रोक हट गई है। सोमवार से शुरु वार सुबह 5 बजे से श्याम 5 बजे तक निजी वाहन से कहीं भी आ जा सकेंगे।

निजी और रोडवेज बसें कल से शुरू, सिटी बसें बंद

प्रदेश में 10 जून से निजी और रोडवेज की बसें शुरू होंगी। करीब एक महीने बाद प्रदेश में पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन शुरू होगा। 10 मई से ही रोडवेज की बसें बंद हैं। निजी बसें मई के पहले सप्ताह में ही बंद हो गई थीं। शहरों में सिटी बसें अभी बंद रहेंगी। बसों में 50 फीसदी यात्री ही बैठ सकेंगे, खड़े होकर यात्रा नहीं कर सकेंगे।

शादी समारोह पर रोक जारी रहेगी

शादी समारोह पर 30 जून तक पांबदी जारी रहेगी। केवल 11 लोग घर पर ही शादी में शामिल हो सकेंगे। शादी में किसी तरह के समारोह, बारात, भोज की अनुमति नहीं होगी। शादी समारोह पर 30 जून तक पाबंदी का प्रावधान बरकरार रहेगा।

कोरोना के एक्टिव केस 10 हजार से नीचे आने तक दो दिन वीकेंड कर्फ्यू जारी रहेगा

प्रदेश में अनलॉक 2 में भी वीकेंड कर्फ्यू का समय तीन दिन से घटाकर दो दिन कर दिया है। सोमवार को बाजार खुलेंगे। कोरोना पॉजिटिव केस 10 हजार से नीचे आने तक वीकेंड कर्फ्यू जारी राहेगा। अभी प्रदेश में 15 हजार के आसपास पॉजिटिव केस हैं। कोरोना केस कम होने की यही रफ्तार रही तो सप्ताह भर बाद कोरोना पॉजिटिव का आंकड़ा 10 हजार के नीचे आ जाएगा और उसके बाद वीकेंड कर्फ्यू से छूट मिल जाएगी।

नॉन AC शॉपिंग कॉम्पलेक्स में दुकानें साथ नहीं खुलेंगी

ऐसे बाजार, जहां केवल बड़े-बड़े कॉम्पलेक्स हैं, और सेंट्रल AC वाले नहीं है, उन्हें खोलने की अनुमति होगी। नॉन AC शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दुकानें एक फ्लोर छोड़कर खुलेंगी, एक फ्लोर खाली रहेगा, फिर दूसरे फ्लोर पर दुकानें खुलेंगी, फिर उसके ऊपर का फ्लोर खाली रहेगा। यह व्यवस्था हर नॉन AC शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का व्यापार मंडल और मैनेजमेंट मिलकर तय करेगा।

निजी और सरकारी स्कूलों में 50 फीसदी कर्मचारी आ सकेंगे लेकिन स्टूडेंट नहीं

निजी और सरकारी स्कूलों को खोलने की अनुमति दी हे, 50 फीसदी कर्मचारी आ सकेंगे लेकिन स्कूलों में स्टूडेंट्सको आने की अनुमति नहीं है।

अनलॉक-2 में ये खुले रहेंगे

- मॉल्स और एसी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को छोड़ सभी बाजार
- सभी सरकारी दफ्तर 50 फीसदी कर्मचारियों के साथ 4 बजे तक खुलेंगे
- निजी वाहनों से एक जिले से दूसरे जिले में आने जाने की छूट।
- फल सब्जी की दुकानें, मंडियां खुलने का समय सुबह 6 से शाम 4 बजे
- डेयरी, दूध की दुकानें पहले की तरह सुबह 6 से 11 और शाम 5 से 7 बजे तक खुलेंगी
- बैंक, फाइनेंसिल इंस्टीट्यूट 4 बजे तक खुलेंगे
- ई-मित्र, आधार केंद्र 4 बजे तक खुलेंगे।
- रेस्टोरेंट्स रात 10 बजे तक होम डिलीवरी कर सकेंगे।
- रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकाने सुबह 6 से 11 बजे तक टेक अवे सुविधा का समय बढ़ना संभव।
- ठेलों पर सभी तरह के सामान बेचने की अनुमति, चाट पकौड़ी के ठेलों को अनुमति।

अनलॉक-2 में यहां पाबंदी जारी

- शादी समारोहों पर पाबंदी जारी रहेगी।
- हाट बाजार, मेलों पर पाबंदी।
- एसी मार्केट, मॉल्स, एसी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सिनेमा हॉल, थियेटर, मल्टीप्लेक्स, स्वीमिंग पूल, जिम, ऑडिटोरियम,स्टेडियम, पार्क, गार्डन बंद।
- कोचिंग, लाइब्रेरी बंद।
- सभी तरह के धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक समारोह बंद।
- श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक केंद्र बंद रहेंगे।

वैष्णो देवी: मंदिर की गुफा से 100 मीटर की दूरी पर कालिका भवन के पास लगी आग

जम्मू @ जागरूक जनता। वैष्णो देवी मंदिर में मंगलवार शाम को भीषण आग लग गई। इस आग की लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आग मंदिर की गुफा से 100 मीटर की दूरी पर कालिका भवन के पास काउंटर नंबर दो पर लगी है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। मंदिर में आग लगने के बारे में पता चलते ही फायर विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। उन्होंने वहां मौजूद लोगों की मदद से आग बुझाई। आग से किसी के झुलसने की खबर नहीं है।

एलएसी पर फिर हलचल

ईस्टर्न लद्दाख के करीब 22 चीनी फाइटर जेट्स ने उड़ान भरी

एयरबेस पर एयरक्राफ्ट की तादाद छिपाने के लिए स्ट्रक्चर बनाए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। चीन की वायुसेना ने हाल में ही ईस्टर्न लद्दाख के दूसरी तरफ बड़ी एक्सरसाइज को अंजाम दिया है। इस एक्सरसाइज पर भारतीय सेना ने भी पूरी तरह नजर बनाकर रखी थी। हालांकि, भारतीय सेना भी लद्दाख के इलाके में लगातार एरियल पेट्रोलिंग करती रहती है।

न्यूज एजेंसी एएनआई को सूत्रों ने बताया कि चीनी एयरफोर्स के करीब 21-22 फाइटर जेट्स ने उड़ान भरी थी। इसमें जे-11 और जे-16 फाइटर जेट्स शामिल थे। हालांकि, ये विमान चीनी सीमा के भीतर ही उड़ान भर रहे थे। यहां कंक्रीट के स्ट्रक्चर्स भी बनाए गए हैं ताकि यहां मौजूद एयरक्राफ्ट्स की संख्या को खुफिया रखा जा सके।

सूत्रों ने बताया कि लद्दाख में डिसइंगेजमेंट के बाद से भारतीय वायुसेना की एक्टिविटी भी इस इलाके में बढ़ गई है। चीनी जेट्स ने वहां के होटान, गार गुंसा और काशगर एयरबेस से उड़ान भरी थी। इन एयरबेस को हर तरह के फाइटर जेट्स की उड़ान के लिए हाल ही में अपडेट किया गया है।

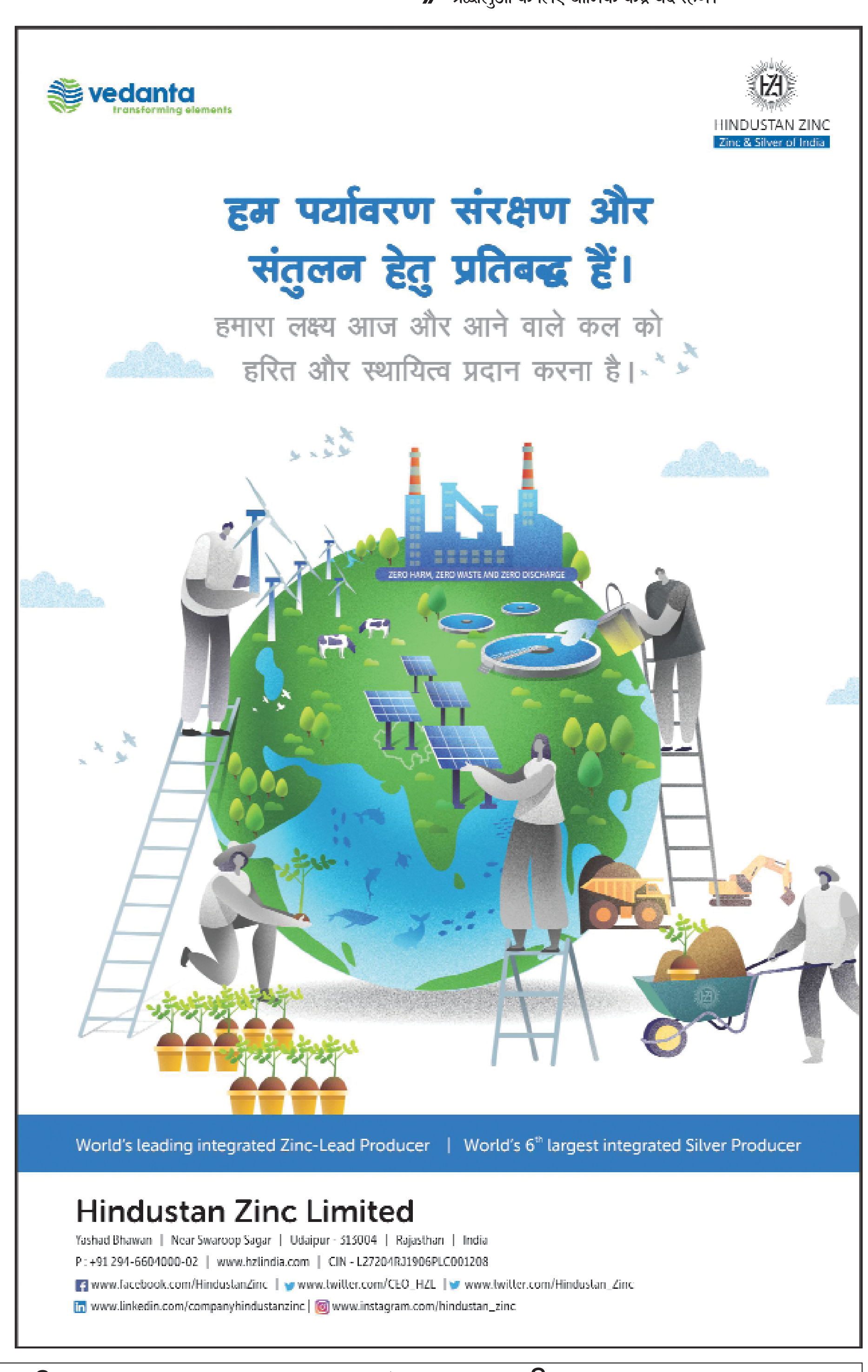

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@rediffmail.com

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	40°C	31°C
जोधपुर	40°C	28°C
अजमेर	38°C	28°C
उदयपुर	36°C	26°C

सूर्योदय ▸ प्रातः 05:33 बजे सूर्यास्त ▸ सांय : 06:52 बजे चन्द्रोदय ▸ 04:31 बजे चन्द्रास्त ▸ 06:06 बजे

जागरूक खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक घर एक पेड़ की शपथ दिलाई

जयपुर @ जागरूक जनता। विश्व पर्यावरण दिवस पर शिल्प सृजन संस्था ने पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए कच्ची बस्ती स्थित मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण किया और स्थानीय निवासी को प्राणवायु ऑक्सीजन के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उपस्थित प्रत्येक सदस्य को 'एक घर एक पेड़' की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर बस्ती में सफाई कार्य भी किया गया जिसमें सहयोग करने वाले बच्चों को खिलौने, कपड़े, बिस्कुट, चॉकलेट आदि बांटे गए।

पार्षद ने किया पौधारोपण, बांटे भोजन के पैकेट

जयपुर @ जागरूक जनता। केन्द्र में भाजपा के सात वर्ष पूर्ण होने पर सेवा ही संगठन कार्यक्रम के अंतर्गत वार्ड 21 की पार्षद प्रियंका अग्रवाल ने गरीब परिवारों के लोगों को भोजन के पैकेट वितरित किए। विश्व पर्यावरण दिवस पर विद्याधर नगर सेक्टर 3 स्थित ग्रीनपार्क में पौधारोपण किया। कार्यक्रम में दामोदर अजमेरा, विनोद अग्रवाल, सत्यनाराण खंडेलवाल, ग्यारसी लाल शर्मा, राजेश नाटाणी, संगीता नाटाणी शशिकांत अग्रवाल भुवनेश शर्मा, विजय शर्मा, सुनीता धमोड सहति अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कोरोना से मुक्ति के लिए सवा लाख महामृत्युंजय का हुआ जप

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना से मुक्ति के लिए विद्याधर नगर सेक्टर 5 में संकटमोचन मंदिर में सवा लाख महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया गया। महामृत्युंजय का जाप विधि विधान से पं. राजेश शर्मा ने कराया। कार्यक्रम में उनके साथ और पंडित भी थे। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति सोशल क्लब के सौजन्य से किया गया। क्लब अध्यक्ष अनिता गुप्ता ने बताया कि शिवजी के इस महामंत्र के जाप से कोरोना महामारी का अंत होगा।

सियासत : कार्यवाहक मेयर का चार्ज संभालते ही शील धाभाई के सियासी तेवर

सात दिन में देखना किस तरह कायाकल्प होता है-धाभाई

निगम के सभी अफसर-कर्मचारी हमारे साथ, संवैधानिक प्रावधानों से मुझे जिम्मेदारी, इसमें कांग्रेस-बीजेपी का रोल नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर ग्रेटर नगर निगम आयुक्त से मारपीट मामले सस्पेंड मेयर सौम्या गुर्जर की जगह सरकार ने वित्त समिति चैयरमैन शील धाभाई को देर रात कार्यवाहक महापौर की जिम्मेदारी दी है। शील धाभाई ने आज सुबह ही जयपुर ग्रेटर नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर कार्यवाहक मेयर का चार्ज संभाल लिया। शील धाभाई ने जिस तरह तत्काल चार्ज संभाला है उसकी सियासी हलकों में चर्चाएं हैं। चार्ज संभालते ही शील धाभााई ने पूर्णकालिक मेयर वाले तेवर दिखाए हैं। शील धाभाई ने मीडिया से बातचीत में कहा-आप एक सप्ताह में हम जो काम करेंगे, आप देखना जयपुर ग्रेटर नगर निगम का हम किस तरह कायाकल्प करते हैं। नगर निगम के सारे अफसर और कर्मचारी हमारे साथ हैं। जैसा नाम है ग्रेटर वैसा ही ग्रेट काम करके दिखाएंगे। मॉन्यूमेंट्स का संरक्षण से लेकर हर काम होगा। मेरा शुरु से सपना था कि जयुपर ग्रेटर नगर निगम क्षेत्र में उसके नाम के अनुरूप ही काम हो। सब कुछ बदल चुका है। कोई भी कर्मचारी ऐसा नहीं है काम नहीं करना चाहता, कर्मचारी भी समाज के पार्ट है।

मुझे नई जिम्मेदारी पर फोकस करना है

मेयर सौम्या गुर्जर के निलंबन के सवाल पर शील धाभाई ने कहा, इस पर फिलहाल मुझे कुछ नहीं कहना है। मुझे मेयर की जो जिम्मेदारी दी गई है, उस पर फोकस करना है। चार्ज संभालते वक्त नगर निगम आयुक्त नहीं होने के सवाल पर कहा-आयुक्त होने न होने से फर्क नहीं पड़ता। उनको काम करना है, हमें देखना है वो हमारे साथ है। नगर निगम के सारे अफसर कर्मचारी हमारे साथ है।

> **कांग्रेस** ने उधर मेयर को हटाकर अलोकतांत्रिक किया था, लेकिन अब जिस तरीके से सभी ओबीसी महिला पार्षदों का नाम मंगाकर चयन किया है वह लोकतांत्रिक है। पार्टी में सब ने बधाईयां दी है। मुझे पहले भी पार्टी पर भरोसा था, हमेशा रहेगा। जो जिम्मेदारी मिली उसका निर्वाहन करूंगी। **-शील धाभाई,** मेयर

संवैधानिक प्रक्रिया के कारण जिम्मेदारी, इसमें कांग्रेस बीजेपी का रोल नहीं

धाभाई ने कहा, एक प्रक्रिया है, इसमें संगठन तो बना नहीं बना सकता। गेंद सरकार के पाले में थी। जयपुर ग्रेटर मेयर की ओबीसी महिला की सीट थी तो प्रावधानों के हिसाब से उसी वर्ग को दी जा सकती थी। मुझे संवैधानिक प्रक्रिया के तहत जिम्मेदारी दी है, इसमें कांग्रेस बीजेपी का कोई रोल नहीं है।

शील धाभाई के तेवर फलटाइम मैयर जैसे

शील धाभाई ने कार्यवाहक मेयर का चार्ज संभालते ही फुलटाइम मेयर की तरह तेवर दिखाए हैं। धाभाई के बयान बहुत कुछ इशारा करते हैं। मेयर का चार्ज संभालते ही उन्होंने जिस तरह के बयान दिए हैं उससे साफ जाहिर है कि वे सौमया गुर्जर की कार्यशैली को पसंद नहीं करती साथ ही आयुक्त से टकराव को भी उन्होंने इशारों में गलत बता दिया है। शील धाभाई पहले भी अविभाजित नगर निगम की मेयर रह चुकी हैं।

न्यायिक जांच से पहले सौम्या गुर्जर और तीन पार्षदों को भेजा नोटिस

जयपुर @ जागरूक जनता। नगर निगम ग्रेटर महापौर पद से निलंबित सौम्या गुर्जर और तीन पार्षदों को एक बार फिर स्वायत्त शासन विभाग ने नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा है। तीनों को अपना स्पष्टीकरण देने के लिए तीन दिन का समय दिया है। इस नोटिस को भी जांच प्रक्रिया का हिस्सा बताया जा रहा है।

डीएलबी का तर्क

जांच प्रभावित नहीं हो, इसलिए मेयर को हटाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कांग्रेस सरकार में बनाए गए दूसरे निगम में बीजेपी का बोर्ड क्या बना, 7 महीने में काम से ज्यादा विवादों की फेहरिस्त लंबी हो गई। फरवरी-मार्च में कमेटियां भंग करने के बाद अब मेयर निलंबित हैं। दूसरी बार ऐसा हो रहा है कि सरकार के फैसले के खिलाफ कोर्ट से निगम का रास्ता तय होगा। वहीं अगर सरकार के फैसले पर फिर से स्टे मिलता है तो भी कमिश्नर बदलने का अधिकार सरकार के पास है, जिनके रहते अब यहां विवादों का पटाक्षेप संभव नहीं। उधर, सरकार ने एक्ट की बात कहकर जिस तरह से जांच प्रभावित नहीं होने के हवाले से मेयर को निलंबित किया है, उससे बड़ा सवाल है जिस मामले में दो पक्षकार हैं, वहां क्या बतौर दूसरे पक्ष कमिश्नर इस जांच को प्रभावित नहीं करेंगे? इस पर डीएलबी डायरेक्टर दीपक नंदी का कहना है कि कमिश्नर ने ही तो मारपीट की शिकायत की थी।

2009 में एक्ट में बदलाव, सरकार मजबूत

1999 से 2004 तक तत्कालीन मेयर निर्मला वर्मा की डेथ हो गई तो डिप्टी मेयर पवन शर्मा को मेयर बना दिया गया था। इसके बाद शील धाभाई को चार्ज दिया गया था। इस दौरान तीन मेयर रहे।

करने वाली सरकार है और कर्ता बने अफसर

जांच के आदेश जारी करने वाले डीएलबी डायरेक्टर दीपक नंदी कहते हैं कि 'आरोप तो कमिश्नर का ही था, जिस पर यह जांच प्राथमिक जांच बिठाई थी। कमिश्नर की शिकायत थी कि उनको पीटा गया है।' उधर, कमिश्नर यज्ञ मित्र ने कहा कि 'जांच मेरे खिलाफ नहीं है, घटना पर है। उनको तो बुलाकर हाथापाई की गई है।'

> **जिस** तरह का एक्ट किया था तो उसमें कार्रवाई ठंडे बस्ते में थोड़े ही डाल सकते थे। यह सब करना ही था। बाकी अब जुडीशियल इंक्वायरी होगी। **-शांति धारीवाल,** यूडीएच मिनिस्टर

महापौर-पार्षदों का निलंबन

भाजपा का धरना, राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

जयपुर @ जागरूक जनता। नगर निगम ग्रेटर में महापौर और पार्षदों को निलंबित करने के मामले को लेकर प्रदेश की सियासत गर्माई हुई है। भाजपा दो दिन से इस मसले को लेकर सड़कों पर सरकार के खिलाफ धरना–प्रदर्शन कर रही है। प्रदेश के सभी मंडलों में मंगलवार को भाजपा ने सरकार के इस हिटलरशाही आदेश के खिलाफ प्रदर्शन किया। भाजपा मुख्यालय पर प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। हाथों में काले झंडे और सरकार विरोधी तख्तियां लेकर नेताओं ने सरकार के निर्णय पर नाराजगी जाहिर की। धरने के बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। पूनियां ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बात-बात पर नैतिकता और लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, लेकिन 'हाथी के दांत खाने के और-दिखाने के और हैं', उनकी कथनी और करनी में इतना फर्क है कि जयपुर ग्रेटर नगर निगम की महापौर व तीन अन्य पार्षदों को निलम्बित किया जाना ये अपने आप में प्रतिशोध और विद्वेष को साबित करता है। नगरपालिका अधिनियम की धारा 39 का दुरूपयोग यह प्रदेश में पहली बार हुआ है। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि सरकार का तुगलकी आदेश है। अधिकारी के साथ जनप्रतिनिधि की कहासुनी कई बार हुई है, लेकिन पहली बार किसी को निलंबित किया गया है। यही नहीं आईएएस की जांच आरएएस अधिकारी ने की, यह भी नियमों के खिलाफ है। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि सामान्य वाद–विवाद पर इस तरह का निलंबन पहली बार हुआ है। अलवर में सभापति ने सरेआम थप्पड़ दर्ज कर दिया गया। उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रदर्शन में संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, सांसद रामचरण बोहरा, रामकुमार, मनोज राजोरिया, विधायक वासुदेव देवनानी, नरपत सिंह राजवी, राघव शर्मा, सौम्या गुर्जर, पुनीत कर्णावट, अल्पसंख्यक मोर्चा के एम.सादिक खान, कुलवंत सिंह सहित अनेक नेता मौजूद रहे।

दो विधायक गायब, आखिर में पहुंचे राजवी-बोहरा

धरना-प्रदर्शन में विधायक कालीचरण सराफ और अशोक लाहोटी शामिल नहीं हुए। हालांकि प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कई नेताओं ने अपने–अपने क्षेत्र में प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है। उधर सांसद रामचरण बोहरा और विधायक नरपत सिंह राजवी भी धरना खत्म होने के कुछ मिनट पहले ही पहुंचे।

---

15 दिन में ही दूसरा ग्रहण, यह संयोग अच्छा है या बुरा...?

सूर्य ग्रहण कल

साल का पहला ग्रहण 26 मई को हुआ जो कि चंद्र ग्रहण था और साल का दूसरा ग्रहण 10 जून को होने वाला है जो कि सूर्य ग्रहण है। इस साल कुल चार ग्रहण होने वाले हैं।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रहण... वह भी एक के बाद एक दो और वह भी सिर्फ दो सप्ताह के अंतराल में। उस पर भी तुर्रा यह कि देश दुनिया कोरोना की जंग लड़ रही है ऐसे में आने वाले ग्रहण आग में घी का काम कर सकते हैं। दोनो ग्रहण देश दुनिया को प्रभावित करने वाले हैं। ऐसे में अब ग्रहण के दिखाई देने के आधार पर उसके अनुरुप फल सामने आ सकते हैं। साल का पहला ग्रहण 26 मई को हुआ जो कि चंद्र ग्रहण था और साल का दूसरा ग्रहण 10 जून को होने वाला है जो कि सूर्य ग्रहण है। इस साल कुल चार ग्रहण होने वाले हैं।

10 जून को लग रहा साल 2021 का पहला सूर्य ग्रहण

साल 2021 में 10 जून को पहला सूर्य ग्रहण लग रहा है। खगोलशास्त्रियों के मुताबिक यह सूर्य ग्रहण आंशिक सूर्य ग्रहण होगा। भारत, कनाडा, रूस, ग्रीनलैंड, यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका में इस सूर्य ग्रहण को देखा जा सकेगा। वर्ष 2021 का आखिरी सूर्य ग्रहण 4 दिसंबर को लगेगा। दक्षिण अफ्रीका, अंटार्कटिका, दक्षिण अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में यह सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा। वर्ष 2021 का आखिरी चंद्रग्रहण 19 नवंबर को लग रहा है। यह आंशिक चंद्र ग्रहण भारत, उत्तरी यूरोप, अमेरिका, प्रशांत महासागर और ऑस्ट्रेलिया में देख पाएंगे।

सूर्य पिताण् प्रशासन और प्रबंधन का कारकए बचाव करना जरूरी

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार सूर्य को पिता, प्रबंधन और प्रशासन का कारक माना जाता है। ग्रहण के प्रभाव से आगामी एक से छह माह तक राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ सकती है। विभिन्न देशों के सत्ता केंद्रो में बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री का कहना है कि ग्रहण अपने प्रभाव जरूर छोड़ता है। अच्छी बात यह है कि भारत में बेहद ही आंशिक रहेगा, तो इस कारण भारत में ग्रहण का प्रभाव बेहद कम होगा। देश दुनिया में जहां ज्यादा प्रभाव होगा वहां सभी तरह की समस्याओं का सामना वहां के प्रबंधन यानि सरकार को करना पड सकता है। यह सूर्य ग्रहण गुरुवार को होगा। इसके प्रभाव से समाज के प्रतिष्ठित लोगों को यश मान की हानि हो सकती है। सूर्य ग्रहण के प्रभाव से आगजनी, उपद्रव और विभिन्न प्रकार के भौगोलिक एवं राजनीतिक घटनाक्रम बन सकते हैं।

मदद : पूज्य सिंधी पंचायत मुरलीपुरा मंदिर

जरूरतमंद महिलाओं को हर माह मिलता है राशन किट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पूज्य सिंधी पंचायत मुरलीपुरा मंदिर प्रत्येक माह की 5 तारीख को परित्यक्ता एवं विधवा महिलाओं को निःशुल्क राशन किट दिया जाता है जिसमें आटा, दाल, चीनी, आलू, साबुन और भी कई तरह का कई जरूरी सामान किट में दिया जाता है। इस सामान से महिला के लिए एक माह की पूर्ति हो जाती है। संस्था के अध्यक्ष लोकचंद हरिरामानी ने बताया कि राशन वितरण कार्यक्रम पूज्य सिंधी पंचायत, बाबा मेहरदास ट्रस्ट एवं भारत विकास परिषद शाखा अम्बाबाड़ी के संरक्षक प्रदीप शर्मा के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किया जाता है। संस्था के छबलदास नवलानी ने बताया कि कार्यक्रम तीन वर्ष पूर्व 50 जरूरतमंद महिलाओं से प्रारंभ किया गया था। आज लगभग 115 जरूरतमंद महिलाएं इसका लाभ उठा रही हैं। कार्यक्रम में समाजसेवी नगेन्द्र वशिष्ठ, नारायणदास, भूमिका कृपलानी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अब ऑन ही नहीं ऑफलाइन भी पानी का कनेक्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पीएचईडी ने चार खंडीय कार्यालयों में पेयजल कनेक्शन के लिए आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफ लाइन करने की भी छूट दे दी है। 25 मई को अधिशाषी अभियंता नगर खंड द्वितीय उत्तर, खंड तृतीय उत्तर, खंड प्रथम दक्षिण और खंड द्वितीय दक्षिण कार्यालय क्षेत्र में कनेक्शन के लिए उपभोक्ताओं से 1 जून से केवल ऑनलाइन ही आवेदन करने के आदेश दिए गए थे। पीएचईडी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता मनीष बेनीवाल ने बताया कि कोरोनाकाल में एक साथ ऑफलाइन प्रक्रिया को बंद करने से उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन लेने में असुविधा होती इसलिए अब 30 जून तक ऑफ और ऑनलाइन दोनों ही तरीके से कनेक्शन ले सकते हैं। उपभोक्ता राजनीर एप पर ऑनलाइन कनेक्शन के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें न्यू कनेक्शन के ऑप्शन पर जाकर उपभोक्ता को संबंधित डिटेल्स भरनी होती है। इसके बाद जेईएन निरीक्षण कर डिमांड नोटिस जारी करता है।

लॉकडाउन के बाद अब बिजली बिलों का करंट

अप्रैल-मई का एकसाथ आएगा बिल

मई में स्पॉट बिलिंग बंद होने से उपभोक्ताओं को मोबाइल पर भेजे थे एवरेज बिल

जयपुर @ जागरूक जनता। अप्रैल-मई में जिन लोगों को बिजली का बिल नहीं मिला है वो लोग अब 2 महिने का एक साथ बिल भरने के लिए तैयार हो जाए। जयपुर डिस्कॉम एमडी ने सर्किल के सभी इंजीनीयरों को अपने-अपने क्षेत्र में मीटरों की रीडिंग करवाने और वास्तविक बिल जारी करने के निर्देश दिए है।

एमडी के इस निर्देशों के बाद जयपुर डिस्कॉम के कर्मचारियों ने घर-घर रीडिंग शुरू कर दी है। कोरोना के कारण अप्रैल में लॉकडाउन के बाद बिजली कर्मचारियों ने स्पॉट बिलिंग का काम रोक दिया था। ऐसे में अधिकांश उपभोक्ताओं को मार्च के बिल 10 अप्रैल तक जारी कर दिए। अप्रैल माह के वास्तविक बिल जारी करने के बजाए औसत बिल बनाकर रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर पर मैसेज के जरिए भेज दिए। इधर बिजली कंपनियों ने बिल के मैसेज तो जारी कर दिए, लेकिन अधिकांश लोगों को बिल का मैसेज ही नहीं मिला। इस कारण भी कई लोग औसत बिल भी जमा करवाने से रह गए। सूत्रों के मुताबिक जयपुर शहर में ही 9 लाख से ज्यादा बिजली के उपभोक्ता है, जिनमें से 50 फीसदी ने भी बिल जमा नहीं करवाया है।

> **आएगा दो माह का भार**
> एक तरफ लॉकडाउन के कारण लोगों के रोजगार और नौकरियों वैसे ही प्रभावित हो गई, वहीं दूसरी तरफ अब दो माह का बिल का भार और बढ़ गया।

ANCHOR | हैरिटेज नगर निगम

बोर्ड बचाने, समितियों की बंदरबांट संभव!

हेरिटेज नगर निगम संचालन समितियों के गठन का मामला

30 संचालन समितियों का हो सकता है गठन

निर्दलीयों को प्राथमिकता, 'अपनों' की नाराजगी से बचने का ढूंढ रहे प्लान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नवगठित हेरिटेज नगर निगम में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी ने निर्दलीय पार्षदों के सहयोग से शहरी सरकार में कांग्रेस का बोर्ड तो बना लिया, लेकिन संचालन समितियों के गठन में इन निर्दलीयों ने सरकार के पसीने ला दिए है। हेरिटेज नगर निगम क्षेत्र के चार विधानसभा क्षेत्रों के कांग्रेस विधायक तीन दौर की बैठके कर चुके हैं, लेकिन नगर निगम समितियों के चेयरमैनों को लेकर एकराय नहीं बना पाए है। सूत्रों की मानें तो बोर्ड बचाने के लिए समितियों की बंदरबांट हो सकती है। हेरिटेज नगर निगम में 30 या उससे अधिक संचालन समितियों का गठन की तैयारी की जा रही है।

कांग्रेस बोर्ड बनाने में 9 निर्दलीयों ने साथ दिया है, सूत्रों की मानें तो अब ये निर्दलीय चेयरमैन बनाने की जल्दबाजी कर रहे है। अब 9 निर्दलीयों को चेयरमैन बनाते है तो पार्टी के पार्षदों के आक्रोश बढ़ता है।

ऐसे में अब इनका तोड़ ढूंढा जा रहा है। इसके लिए समितियों की संख्या बढ़ाने की तैयारी भी की जा रही है। समितियां बढाकर उन्हें सरकार से स्वीकृत कराना होगा, जो कांग्रेस बोर्ड के लिए आसान होगा। ऐसे में हेरिटेज नगर निगम में कई ऐसी नई समितियां भी सामने आ सकती है, जो अभी तक नगर निगम जयपुर के इतिहास में सामने नहीं आई है।

> **इन पर जिम्मेदारी**
> हेरिटेज नगर निगम संचालन समितियों में चेयरमैन तय करने की जिम्मेदारी परिवहन मंत्री व सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र से विधायक प्रतापसिंह खाचरियावास, हवामहल विधायक व मुख्य सचेतक महेश जोशी व किशनपोल विधायक अमीन कागजी और आदर्श नगर विधायक रफीक खान को सौंप रखी है। ये चारों तीन दौर की बैठकें कर चुके है, हालांकि तीनों दौर की बैठकें किसी नजीते पर नहीं पहुंची है। पहली बार हर विधानसभा क्षेत्र से 6–6 पार्षदों को चेयरमैन बनाने की चर्चा हुई, लेकिन ऐसे में विधायकों के कई चहेते पार्षद चेयरमैन की सूची से बाहर होते नजर आए। इस पर चारों विधायकों ने संचालन समितियों की संख्या बढ़ाने पर चर्चा की। हालांकि इनमें कुछ समितियों की अलग–अलग समितियां बनाने और कुछ नई समितियों के गठन की चर्चा भी हुई।

खुशखबर : राजस्थान में 20 विभागों में 10,422 भर्तियां अनलॉक होंगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भर्ती पद संख्या
पटवारी भर्ती 4421
कृषि पर्यवेक्षक भर्ती 882
वनपाल व वनरक्षक 1128
कनिष्ठ अनुदेशक 39
कुल 6470
बता दें कि बेरोजगार अभ्यर्थी भी लंबे समय से इन भर्तियों में आवेदन की प्रक्रिया फिर से शुरू कर परीक्षा तिथि घोषित करने की मांग कर रहे हैं।

जयपुर। राजस्थान के बेरोजगारों के लिए अच्छी खबर है। जल्द ही 20 विभागों में अलग-अलग पदों पर 10,422 भर्तियों के दरवाजे खुलने वाले हैं। इनमें 16 विभागों की 3952 पदों पर होने वाली नई भर्तियों के साथ-साथ 4 विभागों की अटकी हुई 6470 भर्तियां भी शामिल हैं। बोर्ड के पास 16 विभागों की अभ्यर्थना ईडब्ल्यूएस के नए प्रावधान लागू होने के आदेश से पहले ही आ गई थी। अब बोर्ड को इन सभी भर्तियों में ईडब्ल्यूएस के नए प्रावधान लागू करने हैं। इसलिए भर्तियों में कुछ देरी हो रही है। इसे देखते हुए चयन बोर्ड ने इन विभागों को पत्र लिखकर कहा है कि 31 मार्च 2021 तक अगर खाली पदों की संख्या में बढ़ोतरी हो गई तो इस भर्ती में पदों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इसके लिए संशोधित विज्ञप्ति भिजवाई जाए।

इन 3952 पदों पर खुल रहे भर्तियों के दरवाजे

- 20 पद; भाषा विभाग में लाइब्रेरियन ग्रेड तृतीय
- 18; सूचना-जनसंपर्क विभाग में सहायक जनसंपर्क अफसर
- 23; पर्यटन विभाग में सहा. पर्यटन और पर्यटन अफसर
- 22; नगर नियोजन विभाग में अन्वेषक भर्ती व प्रारूपाकार भर्ती
- 19; पीडब्ल्यूडी में सहायक निरीक्षक, निरीक्षक उद्यान वाहन चालक भर्ती के लिए।
- 166; वन विभाग में वाहन चालक, सर्वेयर, जेईएन, लैब सहायक, ट्रेक्टर गार्ड।
- 561; प्राविधिक शिक्षा निदेशालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी व कनिष्ठ अनुदेशक
- 1902; पशुपालन में जलधारी
- 15; एनसीसी निदेशालय में लश्कर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी।
- 181; परिवहन विभाग में मोटर वाहन उपनिरीक्षक की भर्ती।
- 74; महिला अधिकारिता विभाग में सुपरवाइजर।
- 124; राजस्व विभाग में तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती।
- 362; कॉलेज शिक्षा में प्रयोगशाला सहायक।
- 12; खान विभाग में कनिष्ठ प्रयोगशाला व रसायन सहायक।
- 437; जल संसाधन विभाग में पटवारी, ट्रेसर, कनिष्ठ ड्राफ्टमैन, वाहन चालक।
- 16; अल्पसंख्यक मामलात विभाग में छात्रावास अधीक्षक व वाहन चालक की भर्ती के लिए।
- इन 4 भर्तियों में ईडब्ल्यूएस के नए प्रावधान लागू होने हैं

पटवारी, वनपाल में भी पद बढ़ाने को पत्र लिखा

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने चार विभागों की प्रक्रियाधीन पटवारी, वनपाल, वनरक्षक, कनिष्ठ अनुदेशक और कृषि पर्यवेक्षक भर्ती में भी पदों को बढ़ाने के लिए संबंधित विभागों को पत्र लिखा है। अगर विभाग सहमति देते हैं तो इन चारों भर्तियों में भी पद बढ़ सकते हैं। ये चारों भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं और इन भर्तियों में ईडब्ल्यूएस के नए प्रावधान लागू होने के बाद आवेदन प्रक्रिया को री ओपन होनी है। इसलिए विभागों के पास पद बढ़ाने का मौका है। बेरोजगार अभ्यर्थी भी लंबे समय से इन भर्तियों में आवेदन की प्रक्रिया फिर से शुरू कर परीक्षा तिथि घोषित करने की मांग कर रहे हैं।

भर्तियों में ईडब्ल्यूएस के नए प्रावधान लागू होने हैं। इसलिए हमने विभागों को पत्र लिखकर कहा है कि 31 मार्च 2021 तक अगर खाली पदों की संख्या में बढ़ोतरी हो गई हो और इन खाली पदों को भर्ती में शामिल करना है तो उसकी संशोधित विज्ञप्ति भिजवाएं। ताकि उसी आधार पर भर्ती की प्रक्रिया को जल्द से जल्द शुरू किया जा सके।
- हरि प्रसाद शर्मा, अध्यक्ष, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड

आधा कार्यकाल बीता, वादों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं-पायलट

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट दस माह की चुप्पी के बाद एक बार फिर से मुखर हो गए है और उन्होंने खुलकर नाराजगी जाहिर की है

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट दस माह की चुप्पी के बाद एक बार फिर से मुखर हो गए है और उन्होंने खुलकर नाराजगी जाहिर की है। वजह पुरानी है कि अभी तक कार्यकर्ताओं को सत्ता व संगठन में उचित भागीदारी नहीं मिली है। पायलट ने कहा है कि दस माह बाद भी मेरे साथ किए वादों पर कोई सुनवाई नहीं हुई है। पायलट ने कहा कि, मुझे उस वक्त समझाया गया था कि सुलह समिति की ओर से जल्द कार्रवाई की जाएगी लेकिन अब सरकार का आधा कार्यकाल पूरा हो चुका है और किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं किया गया है। पायलट ने कहा कि, वे मुद्दे अब भी अनसुलझे ही हैं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने के लिए जी तोड मेहनत की और अपना सब कुछ दांव पर लगा डाला, उनकी सुनवाई अब तक नहीं की जा रही है।

पायलट का भरोसा उठा

इससे पहले सचिन पायलट लगातार ये बात कह रहे थे कि उन्हें कांग्रेस आलाकमान की बनाई कमेटी पर पूरा भरोसा है कि वे उनके साथ वादों पर कार्रवाई करेंगे। इस कमेटी के एक सदस्य अहमद पटेल का निधन हो चुका है। अभी कमेटी में दो सदस्य हैं। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल और अजय माकन भी रूचि नहीं ले रहे है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उस वक्त कांग्रेस में सचिन पायलट खेमे के साथ मानेसर चले गए विधायकों के साथ समझौते में मुख्य भूमिका निभाई थी। हालांकि गहलोत खेमा इससे खुश नहीं था। बाद में पायलट जयपुर आए और उनकी सीएम गहलोत से मुलाकात भी कराई गई थी। पायलट के साथ समझौते के वक्त बनी कमेटी को बने 10 माह बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उसकी रिपोर्ट का अता-पता नहीं है।

फिर से बगावत की आहट

इससे पहले कांग्रेस में पायलट समर्थक विधायक हेमाराम चौधरी ने इस्तीफा दिया हुआ है। वहीं दूसरे समर्थित विधायक वेद प्रकाश सोलंकी लगातार पायलट के साथ होने और कांग्रेस में दलितों की उपेक्षा का मामला उठा रहे है। अब पायलट के इस ताजा बयान के बाद कांग्रेस की सियासत में गरमी आ गई है। इससे पार्टी में बड़ा संकट फिर से खड़ा हो सकता है। इस बार स्वयं पायलट खुद आगे आए है और अपनी बात कह रहे है। पायलट के ताजा बयान के बाद उनकी नाराजगी एक बार फिर खुलकर दिख गई है।

मेरे बोलने का समय नहीं

माकन बोले, मेरे बोलने का अभी समय नहीं दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अजय माकन ने भी पायलट के बयान को लेकर कहा कि मेरे बोलने का अभी सही समय नहीं है, हालांकि सरकार में पदों को जल्दी ही भरा जाएगा।

नर्सेज ने चलाया ट्विटर अभियान, पदस्थापन व नियुक्ति तिथि एक करने की मांग

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान नर्सेज संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक मनोज दुब्बी के नेतृत्व में ट्विटर अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि नर्सेज भर्ती 2018 में चयनित 12000 नर्सेज को विभाग द्वारा ऑनलाइन चॉइस भरवाने के बाद भी मेरिट से पदस्थापन नहीं दिया गया। वहीं 28 अप्रेल 2020 को नियुक्ति आदेश होने के बाद संविदा नर्सेज को नियुक्ति नहीं दी गई, जबकि अगस्त 2020 में नियुक्ति देने से एक ही कैडर के नर्सेज में नियुक्ति तिथि अलग हो गई। इस तिथि को एक ही मानने और पदस्थापन देने की मांग को लेकर यह अभिया चलाया गया है। नर्सेज ने ट्वीटर पर अभियान चलाकर चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा से मांग की है कि जल्द पदस्थापन किया जाए और नियुक्ति की तिथि भी एक ही की जाए।

111 फीट ऊंची भगवान परशुराम की मूर्ति लगाने के लिए बनाई कमेटी

15 सदस्यी बनाई कमेटी, आचार्य राजेश्वर सहित अन्य शामिल

कमेटी मूर्ति लगाने के लिए जयपुर में तलाशेगी जमीन

जयपुर @ जागरूक जनता। सर्व ब्राह्मण महासभा ने भगवान परशुरामजी की 111 फीट ऊंची प्रतिमा जयपुर में लगाने की कवायद शुरू कर दी है। मूर्ति लगाने के लिए जमीन तलाशने के लिए एक कमेटी का गठन कर दिया है, जो लॉकडाउन के बाद जयपुर के विभिन्न स्थानों का दौरा कर जमीन तलाशना शुरू करेगी। इसके साथ ही कमेटी सरकार से आग्रह भी करेगी। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि भगवान परशुरामजी की मूर्ति के साथ-साथ जयपुर में भगवान परशुराम पीठ की स्थापना भी की जाएगी। परशुराम पीठ में सनातन ज्ञान, आध्यात्मिक चिन्तन, वेद-विज्ञान पर चर्चा व शोध-अनुसंधान का उत्तरी भारत का प्रमुख स्थल भी बनाएंगे। जमीन तलाश कर राज्य सरकार से अनुरोध किया जाएगा कि वह मूर्ति लगाने के लिए जयपुर में निःशुल्क जमीन उपलब्ध करावें।

कमेटी में ये शामिल

मिश्रा ने बताया कि 15 सदस्यी कमेटी में आचार्य राजेश्वर, महामंडलेश्वर महंत पुरषोत्तम भारती, एडवोकेट एच.सी. गणेशिया, गोविन्द पारीक, देवीशंकर शर्मा, डॉ. अखिल शुक्ला, पं. पुरुषोत्तम गौड़, पं. मुकेश भारद्वाज, दिनेश शर्मा, बी.एम. शर्मा, विष्णु शर्मा, पवन शास्त्री, संदीप भातरा, पंकज जोशी, सविता शर्मा रहेंगे, जो एक माह में उपयुक्त स्थान तलाश करेगें। उसके बाद राज्य सरकार से वार्ता कर भूमि आवंटन करवाएंगे।

रेलवे में तबादलों का मानसून

डीआरएम जयपुर मंजूषा का दिल्ली तबादला

पहली बार बिना डीआरएम के रहेगा जयपुर डिवीजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे बोर्ड ने आदेश जारी कर रेलवे अकाउंट्स सर्विस के 5 अफसरों को पदोन्नति दी गई। जयपुर मंडल की मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) मंजूषा जैन का तबादला दिल्ली करके नॉर्दन रेलवे दिल्ली में चीफ अकाउंट्स ऑफिसर (सीएओ/एआर) बनाया है। जयपुर में डीआरएम की अभी नियुक्ति में करीब एक माह का समय और लगे सकता है, जिसके कारण जयपुर मंडल पहली बार बिना डीआरएम के कार्य करेगा। उधर उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में कार्यरत भावना शर्मा को वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा आधिकारी (एफएएंडसीएओ/कंस्ट्रक्शन) बनाया है। उन्हें जयपुर में ही पदोन्नति देने के लिए आरसीएफ कपूरथला की प्रिंसिपल एफए के पद को जयपुर लाया गया है। जबकि पिछले दिनों 31 मई को रिटायर हुए एस.के. गुप्ता को हायर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड (एचएजी) देकर रिटायरमेंट से 4 दिन पहले चेन्नई में चीफ वर्कशॉप इंजीनियर बनाया था।

विनय टाक को बनाया इंजिनियरिंग प्रमुख

रेलवे के महाप्रबंधक आनंद प्रकाश की अनुशंसा पर डिप्टी सीपीओ विनोद कुमार ने 7 इंजीनियरिंग ऑफिसर्स का तबादला किया। इसके तहत रेलवे के प्रिंसिपल चीफ सेफ्टी ऑफिसर आईआरएसई एसपीएस गुप्ता को साउथ वेस्टर्न रेलवे हुबली का प्रिंसिपल चीफ इंजीनियर (पीसीई) बनाया है। वहीं इंडियन रेलवे इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सर्विस के शिरिष कुमार को रेलवे सेफ्टी का प्रिंसिपल एचओडी बनाया है। वहीं यूनियन और मजदूर संघ द्वारा विरोध किए जा रहे, जयपुर मंडल के सीनियर डीईएन को-ऑर्डिनेशन यशपाल डाबी का मुख्यालय तबादला कर दिया है। उनकी जगह डिप्टी चीफ इंजीनियर विनय टाक को जयपुर मंडल का नया इंजीनियरिंग प्रमुख यानि सीनियर डीईएन को-ऑर्डिनेशन बनाया है। शीला पंवार को डिप्टी सीई (सी-3), अर्चना मीना को डिप्टी सीई (सी-वर्क्स), वीएस मीना को डिप्टी सीई (सी-1) बनाया है। वहीं अंशुल सारस्वत को जोधपुर का सीनियर डीईएन सेंट्रल और राजेंद्र कुमार डिप्टी सीई (सी-प्लानिंग) के साथ डिप्टी सीई (सी-मुख्यालय) का काम भी संभालेंगे।

ज्योति को बनाया जयपुर का नया कमांडेंट

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के महानिदेशक अरुण कुमार की अनुशंसा पर आरपीएफ निदेशक ए.के. अग्निहोत्री ने जयपुर के कमांडेंट एम.एम. खान को जगाधरी वर्कशॉप में रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) का सीनियर कमांडेंट के पद पर तबादला किया है। उनकी जगह आईआरपीएफएस 2016 बैच के ज्योति मणि को जयपुर का नया कमांडेंट (सीनियर डीएससी) बनाया है। मणि को जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड में एडहॉक प्रमोशन दिया है। यानि वे जयपुर मंडल के डीएससी होंगे ओर सीनियर डीएससी के पद की सभी शक्तियों और कार्य को निर्वहन करेंगे।

जागरूक खबरें

पार्षद पतियों की नो-एंट्री

महिला पार्षदों के पति निगम की ऑफिशियल बैठकों से आउट, जयपुर नगर निगम आयुक्त ने जारी किया आदेश

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर नगर निगम में जीतकर आई महिला पार्षदों के पति अब नगर निगम की ऑफिशियल बैठकों में अपनी नेतागिरी नहीं चला सकेंगे। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त यज्ञमित्र सिंह ने पिछले दिनों एक आदेश जारी करते हुए ऐसे जनप्रतिनिधियों को नगर निगम की ऑफिशियल बैठकों से दूरी बनाए रखने के लिए कहा है। वार्ड कार्यालयों पर जनसुनवाई हो या एरिया के इंस्पेक्टर या किसी कर्मचारी को दिशा-निर्देश देने हो ऐसे तमाम कार्यो में इन पतियों का हस्तक्षेप बहुत रहता है। इसको लेकर नगर निगम के कई कर्मचारी-अधिकारी इसकी शिकायत भी उच्च स्तर पर कर चुके है। दरअसल जयपुर में नगर निगम में कई बैठकों में महिला पार्षदों की जगह उनके पति या उनके रिश्तेदार प्रतिनिधि के तौर पर आ जाते है और अधिकारियों को दिशा-निर्देश देने लगते है। इसके अलावा कोविड के दौरान कुछ बैठकें ऑनलाइन भी हुई, जिसमें भी महिला पार्षदों के बजाए उनके पति उपस्थित हुए। इसे देखते हुए नगर निगम आयुक्त ने एक आदेश जारी करते हुए निगम की ऑफिशियल बैठकों या सेमिनार में पार्षद को ही उपस्थित रहने के लिए कहा है। उनकी जगह पति या कोई दूसरा प्रतिनिधि आता है तो वह नियम के विरूद्ध होगी। आयुक्त ने जो आदेश जारी किया है। उसमें 20 साल पुराने एक आदेश का हवाला दिया है।

33 फीसदी महिलाओं का है आरक्षण

राजस्थान में नगर पालिका के चुनाव में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण है। जयपुर नगर निगम ग्रेटर के 150 वार्डो में से 33 फीसदी से ज्यादा वार्डो में महिला उम्मीदवार जीतकर आई है। इन 150 में से 54 वार्डो में महिला उम्मीदवार जीतकर पार्षद बनी है। इन्ही महिला पार्षदों में से कई के पति या परिवार के अन्य प्रतिनिधि नगर निगम की बैठकों में कई बार शामिल होते है।

राजस्थान कांग्रेस में संगठन विस्तार की कवायद तेज

आधा दर्जन प्रवक्ताओं की भी होगी तैनाती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस में जल्द ही संगठन विस्तार होने जा रहा है। संगठन विस्तार को लेकर कांग्रेस में कवायद तेज हो गई है। संगठन विस्तार में तकरीबन दो दर्जन से ज्यादा नेताओं की नियुक्ति होनी है, जिनमें प्रवक्ताओं, उपाध्यक्ष, महामंत्री और सचिव भी बनेंगे। कहा जा रहा है कि जुलाई के पहले सप्ताह में संगठन विस्तार किया जा सकता है। पार्टी के विश्वस्त सूत्रों ने भी संकेत दिए हैं। वहीं दूसरी ओर संगठन विस्तार में उपाध्यक्ष, महामंत्री, सचिव और प्रवक्ताओं के नामों को लेकर मंथन तेज है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा लगातार संगठन विस्तार के नामों को मंथन कर रहे हैं। जानकारों की माने तो संगठन विस्तार में शामिल किए जाने वाले नामों को लेकर पीसीसी चीफ डोटासरा की मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश प्रभारी अजय माकन से भी चर्चा हो चुकी है। हालांकि नामों की सूची को अभी फाइनल रूप देना बाकी है।

आधा दर्जन प्रवक्ताओं की होगी नियुक्तियां

विश्वस्त सूत्रों की माने तो संगठन विस्तार में तकरीबन आधा दर्जन प्रवक्ताओं की भी नियुक्ति होनी है। प्रवक्ताओं में पुराने चेहरों के साथ-साथ नए चेहरों को भी मौका देने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि प्रवक्ताओं के साथ ही एक मीडिया चेयर पर्सन के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। एक दर्जन से ज्यादा उपाध्यक्ष और महामंत्री भी बनेंगे। वहीं दूसरी और संगठन विस्तार में एक दर्जन से ज्यादा उपाध्यक्ष महामंत्री और सचिव भी बनाए जाएंगे। दरअसल प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में आने से वंचित रहे नेता दोबारा कार्यकारिणी में शामिल होने के लिए जयपुर से लेकर दिल्ली तक दौड़ लगा रहे हैं। इनमें कई नेता तो ऐसे भी हैं जिन्हें पहले राजनीतिक नियुक्तियों की आस थी लेकिन अब वह नेता प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में ही एडजेस्ट होने के लिए पुरजोर कोशिश में लगे हैं। गौरतलब है कि प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में केवल 39 ही सदस्य शामिल किए गए थे जिसके बाद से ही प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी विस्तार की मांग उठने लगी थी, प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी विस्तार में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ-साथ जिला अध्यक्षों के नामों की भी घोषणा होने की बात कही जा रही है।

ANCHOR | **मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना शुरू**

प्रतिभाओं को नहीं सताएगा पैसे का अभाव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मेधावी विद्यार्थी अब आर्थिक परेशानी के कारण सुनहरे भविष्य से वंचित नहीं होंगे। राज्य सरकार ने ऐसे विद्यार्थियों की विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना लागू की है। इस योजना से हर वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को आगे बढने के समान अवसर मिल सकेंगे। किसी भी छात्र-छात्रा को इस योजना का लाभ केवल 1 वर्ष की अवधि के लिए मिलेगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की स्वीकृति के बाद वित्त विभाग ने योजना के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। वर्तमान में जनजाति विकास विभाग की ओर से चिकित्सा एवं तकनीकी प्रवेश परीक्षाओं के लिए कोचिंग योजना तथा सामाजिक न्याय-अधिकारिता विभाग और अल्पसंख्यक मामलात विभाग की ओर से अनुप्रति योजना संचालित है। इनके स्थान पर %मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना ही संचालित की जाएगी। केवल उन छात्र-छात्राओं की कोचिंग पुरानी योजनाओं के तहत हो सकेगी, जिनकी कोचिंग या तो प्रारम्भ हो चुकी है या कार्यादेश दिए जा चुके हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग नोडल होगा।

आठ लाख से कम आय वाले इन वर्गो को लाभ

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, सामाजिक न्याय-अधिकारिता तथा अल्पसंख्यक मामलात विभाग के जरिए इस योजना में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के वे विद्यार्थी पात्र होंगे, जिनके परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपए प्रतिवर्ष से कम है। ऐसे विद्यार्थी जिनके माता-पिता राज्य सरकार के कार्मिक के रूप में पे-मेट्रिक्स लेवल-11 तक का वेतन प्राप्त कर रहे हैं, वे भी योजना के लिए पात्र होंगे।

इन परीक्षाओं की कर सकेंगे तैयारी

संघ लोक सेवा आयोग
- सिविल सेवा परीक्षा राजस्थान लोक सेवा आयोग
- आरएएस एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा, सब-इंस्पेक्टर एवं 3600 ग्रेड पे या पे-मैट्रिक्स लेवल-10 से ऊपर की अन्य परीक्षा, रीट

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग
- ग्रेड पे-2400 या पे-मेट्रिक्स लेवल-5 से ऊपर की परीक्षा, कान्स्टेबल परीक्षा

प्रवेश परीक्षा
- इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षा तथा क्लैट परीक्षा

ऐसे होगा चयन

- परीक्षार्थियों की मेरिट का निर्धारण 12वीं अथवा 10वीं के प्राप्तांकों के आधार पर होगा। चयन के समय प्रयास रहेगा कि लाभार्थियों में कम से कम 50 प्रतिशत छात्राएं हों।
- विभाग जिलेवार लक्ष्य निर्धारित कर विद्यार्थी की मेरिट के अनुरूप चयनित संस्थानों के माध्यम से कोचिंग की व्यवस्था करेंगे।
- एसटी वर्ग के लिए योजना का संचालन जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, एससी, ओबीसी, एमबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, अल्पसंख्यक वर्ग के लिए अल्पसंख्यक मामलात विभाग

दूसरे शहर में जाने पर 40 हजार अतिरिक्त

अन्य शहर के संस्थान से कोचिंग लेने वाले विद्यार्थियों को भोजन एवं आवास के लिए 40 हजार रुपए प्रतिवर्ष अतिरिक्त राशि मिलेगी।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET
SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

बुधवार, जून 09/06/2021

सूर्योदय : 05:33 **सूर्यास्त :** 18:52
चन्द्रोदय : 04:31 **चन्द्रास्त :** 18:06
शक सम्वत : 1943 पलवा **अमान्ता**
महीना : वैशाख **पूर्णिमांत :** ज्येष्ठ
सूर्य राशि : वृषभ **चन्द्र राशि :** वृषभ
पक्ष : कृष्ण **तिथि :** चतुर्दशी, 13:57
तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1943
प्लव **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द
गुजराती सम्वत : 2077 परिधावी
द्रिक ऋतु : ग्रीष्म **द्रिक अयन :**
उत्तरायण **वैदिक अयन :** उत्तरायण

ज्योतिर्विद् **अक्षय शास्त्री**
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

नक्षत्र, योग तथा करण

नक्षत्र : कृत्तिका, 08:42 तक
योग : सुकर्माण, 06:43 तक
प्रथम करण : सकुना, 13:57 तक
द्वितिय करण : चतुष्पदा, 27:11 तक

अशुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	: 04:11 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	: 04:31 ए एम से
विजय मुहूर्त	: 02:44 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	: 07:06 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	: 07:20 पी एम से
अमृत काल	: 06:01 ए एम से
निशिता मुहूर्त	: 12:06 ए एम, जून 10 से
सर्वार्थ सिद्धि योग	: पूरे दिन

दिन का चौघड़िया

लाभ : 05:58 - 07:28
अमृत : 07:28 - 08:58
काल काल वेला : 08:58 - 10:28
शुभ : 10:28 - 11:58
रोग वार वेला : 11:58 - 13:28
उद्वेग : 13:28 - 14:58
चार : 14:58 - 16:28
लाभ : 16:28 - 17:58

रात का चौघड़िया

उद्वेग : 17:58 - 19:28
शुभ : 19:28 - 20:58
अमृत : 20:58 - 22:28
चार : 22:28 - 23:58
रोग : 23:58 - 25:28
काल : 25:28 - 26:58
लाभ : 26:58 - 28:28
उद्वेग : 28:28 - 29:58

निवास और शूल

दिशा शूल	: उत्तर में
राहु वास	: दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति	: केतु
चन्द्र वास	: दक्षिण में

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्दशी तिथि को करें कौन सा कार्य

चतुर्दशी भी रिक्ता तिथि है इसलिए इस दिन भी कोई भी नया, मांगलिक कार्य वर्जित है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

सम्पादकीय

सच सामने रखने का हक

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि हर पत्रकार राजद्रोह के कानून के तहत सुरक्षा का हकदार है। सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने पत्रकार विनोद दुआ के खिलाफ पिछले साल शिमला में दर्ज राजद्रोह का मामला खारिज करते हुए यह बात कही। विनोद दुआ के खिलाफ यह मामला हिमाचल प्रदेश में एक भाजपा नेता की शिकायत पर दर्ज हुआ था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में पहले ही उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी थी और पिछले अक्तूबर में सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सन 1962 का केदारनाथ सिंह केस इस तरह के मामलों में नजीर माना जाता है और सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले में भी इसी को आधार बनाया है। केदारनाथ सिंह केस में सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून को वैध ठहराया था, लेकिन यह कहा था कि अगर कोई पत्रकार सिर्फ सरकार की आलोचना करे, तो इस आधार पर उसके ऊपर राजद्रोह नहीं कायम किया जा सकता। अगर वह हिंसा के लिए उकसाता है, तभी राजद्रोह का मामला बन सकता है। ऐसे स्पष्ट दिशा-निर्देशों के होते हुए भी पत्रकारों के खिलाफ राजद्रोह के मामले दर्ज होते रहते हैं। राज्य सरकारों की ओर से या उनके प्रोत्साहन से ऐसे मामले बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे ज्यादातर मामले अदालत में टिक नहीं पाते, लेकिन इनका उद्देश्य, जो कि पत्रकारों को डराना या प्रताड़ित करना है, पूरा हो जाता है। इस फैसले केदो दिन पहले सुप्रीम कोर्ट की एक और पीठ ने एक अन्य मामले में राजद्रोह कानून के दुरुपयोग पर सवाल उठाते हुए कहा था कि इस कानून के दायरे पर फिर से सोचे जाने की जरूरत है। वह मामला आंध्र प्रदेश का था, जहां एक राजनेता और एक चैनल के दो पत्रकारों पर राजनेता का भाषण दिखाने के लिए राजद्रोह का केस दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने फिलहाल एफआईआर पर कार्रवाई रोकते हुए काफी तल्ख टिप्पणियां की हैं। सुप्रीम कोर्ट केन्यायाधीश ने व्यंग्य में पूछा कि क्या गंगा नदी में उतराती लाशों की खबर करने वाले चैनलों पर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है? जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश शायद इस बात से वाकिफ हैं कि राजद्रोह के कानून का दुरुपयोग पत्रकारों को अपना नियमित काम करने से रोकने और प्रताड़ित करने के लिए किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के सामने दो पत्रकारों किशोरचंद्र वांगखेम और कन्हैयालाल शुक्ल की याचिका मौजूद है, जिसमें उन्होंने ब्रिटिश राज के दौर के इस कानून को चुनौती दी है। अगर किसी को किसी पत्रकार से या किसी खबर से कोई शिकायत है, तो लोकतंत्र की परंपराओं केमुताबिक उस स्थिति में कार्रवाई करने के तरीके हैं, लेकिन इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बन गया है कि सरकारें या सत्ताधारी पार्टी के लोग सीधे राजद्रोह का मामला कायम कर देते हैं। इस कानून का इतिहास यही बताता है कि इसका दुरुपयोग ही ज्यादा होता आया है। अक्सर पत्रकारों या सामाजिक कार्यकर्ताओं या फिर शांतिपूर्ण आंदोलनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करके उन्हें परेशान किया जाता है। ताजा मामले यह बता रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट इस मसले की गंभीरता को समझ रहा है। अगर आला अदालत इस कानून की समीक्षा करकेइसके दुरुपयोग को रोकने की पहल करती है, तो यह हमारे लोकतंत्र केलिए बहुत बेहतर होगा।

भारतीय शहरों में 'साइकिल्स 4 चेंज' चुनौती में तेजी आ रही है। यह चुनौती पिछले साल कोविड-19 महामारी की प्रतिक्रिया के रूप में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने स्मार्ट शहर अभियान के तहत शुरू की थी, जो अब देशभर में रफ्तार पकड़ रही है।

तेज हुई साइकिलिंग की रफ्तार

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

> साल 2020 ने भारत की साइकिलिंग क्रांति को जाग्रत किया है। शहरों और नागरिकों ने, अपने शहरों को साइकिल चलाने का अड्डा बनाने के लिए परीक्षण, सीखने और विचारों को बढ़ाने के लिए पहली बार हाथ मिलाया है। परिणाम शानदार रहे हैं, अब अधिक लोग साइकिल चला रहे हैं, शहर के अधिकारी और जनता प्रतिनिधि उदाहरण के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

अगर हम कहें कि पिछले एक साल में भारत में साइकिलिंग के क्षेत्र में क्रांति आई है, तो शायद आपको यकीन नहीं होगा। लेकिन सच्चाई यही है और अगली पंक्तियां पढ़कर आपको भी विश्वास हो जाएगा कि वाकई साइकिल के मामले में देश एक नई करवट ले रहा है। आज साइकिल को सुरक्षित और स्वस्थ व्यक्तिगत परिवहन माध्यम के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में देखा जा रहा है जो पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ होने के साथ-साथ सुरक्षित दूरी भी सुनिश्चित करता है। हम सभी जानते हैं कि कोविड-19 महामारी देश भर में फैल रही थी, साइकिल चलाने वालो की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई। लॉकडाउन प्रतिबंधों ने सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले यात्रियों को काफी प्रभावित किया था, जिन्होंने साइकिल को छोटी और मध्यम दूरी के आवागमन के लिए एक व्यक्तिगत और कोविड-19 महामारी के दौरान सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा था। इसके अलावा, साइकिल को अपने घरों तक सीमित रहने वाले लोगों द्वारा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के साधन के रूप में भी देखा गया। इसी पृष्ठभूमि में पिछले साल 25 जून को केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने 'इंडिया साइकिल 4 चेंज' चुनौती की शुरुआत की। इस चुनौती के साथ 107 शहरों ने साइकिलिंग क्रांति का हिस्सा बनने के लिए पंजीकरण कराया और 41 शहरों ने सर्वेक्षण, चर्चा, साइकिल लेन को बढाना, सुरक्षित पड़ोस, चौड़ी सड़कों का निर्माण, साइकिल रैलियां, या ऑनलाइन अभियान की पहल शुरू की, जिसका उद्देश्य साइकिल के अनुकूल शहर बनाना था। विभिन्न शहरों ने लगभग 400 किलोमीटर मुख्य सड़कें और 3500 किलोमीटर से अधिक आस-पड़ोस की सड़कों को इस अभियान के हिस्से के रूप में शामिल करने का काम शुरू कर दिया है।

'इंडिया साइकिल 4 चेंज' चुनौती के तहत वाले लोगों की तकलीफों को समझने का प्रयास भी किया जा रहा है। इसके तहत जो कदम उठाए जा रहे हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

1. लोगों की बात सुनकर साइकिल चलाने में आने वाली बाधाओं की पहचान करना- साइकिल के संबंध में नागरिकों की जरूरतों को समझने के लिए शहरों ने लोगों के विचार जानने के लिए सर्वेक्षण किया। कई शहर के नेताओं ने स्वयं साइकिल चलाकर और साइकिल उपयोगकर्ताओं और अन्य नागरिकों के साथ जुड़कर उनके विचारों के बारे में बेहतर जानकारी प्राप्त करने का बीड़ा उठाया। साइकिल चलाने की जरूरतों को समझने के लिए, शहरों ने सर्वेक्षण और साक्षात्कार किए और पूरे देश में 60,000 से अधिक लोगों को इस काम में शामिल किया।

2. सड़कों और मोहल्लों को साइकिल चलाने के लिए सुरक्षित और मनोरंजक बनाना- साइकिल चालकों को सुरक्षित सवारी करने में मदद करने के लिए शहरों ने समर्पित साइकिल लेन बनाई। वडोदरा और गुरुग्राम जैसे कई शहरों ने रंगीन चौराहों को पेंट करके साइकिल चालकों और पैदल चलने वालों के लिए चौराहे को सुरक्षित बना दिया है। चंडीगढ़ में चौराहों पर साइकिल चालकों को प्राथमिकता देने के लिए साइकिल सिग्नल भी लगाए गए हैं। नई दिल्ली के लोधी गार्डन कॉलोनी में वाहनों के यातायात का रास्ता बदलकर बच्चों के लिए एक साइकिल प्लाजा बनाया।

3. एक साइकिलिंग समुदाय बनाना- साइकिलिंग समुदाय को एक साथ लाने के लिए स्थानीय नागरिक समाज संगठनों को बड़े पैमाने पर और आस-पड़ोस के स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के लिए शामिल किया गया था। पिंपरी चिंचवाड़, कोहिमा, ग्रेट वारंगल, नागपुर, पणजी और कई अन्य शहरों ने रैलियों और साइक्लोथॉन का आयोजन किया, जिससे हजारों साइकिल चालक सड़कों पर उतर आए।

4. महिलाओं को साइकिल चलाने के लिए सशक्त बनाना- नासिक, न्यू टाउन कोलकाता और बेंगलुरू सहित कई शहरों में वृद्ध महिलाओं के लिए साइकिल प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया, जिससे उनका साइकिल के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा है। साइकिल चालन को अपनाने की दिशा में सुधार के लिए, कोहिमा, राजकोट और चंडीगढ़ ने सहकारी साइकिल किराया योजना और आस-पड़ोस में सार्वजनिक साइकिल साझा करने की प्रणाली शुरू की। इस पहल ने विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त किया है, जिससे उन्हें अपने शहरों में स्वतंत्र रूप से घूमने का एक किफायती साधन मिल गया है।

जाहिर है कि परिवहन के एक स्थायी और न्यायसंगत साधन के रूप में साइकिल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा, भविष्य में शहरों को पैदल, साइकिल और सार्वजनिक परिवहन द्वारा 15 मिनट के भीतर सभी निवासियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सुगठित बनना चाहिए। इससे कार्बन उत्सर्जन कम होगा, सुरक्षा बढ़ेगी और रहन-सहन की क्षमता बढ़ेगी। साइकिलिंग बुनियादी ढांचे में निवेश करने से शुरुआती निवेश का 5.5 गुना तक का आर्थिक लाभ होता है। कम दूरी के लिए साइकिल चलाने से भारतीय अर्थव्यवस्था को 1.8 ट्रिलियन रुपये का वार्षिक लाभ मिल सकता है। भारतीय शहरों को भविष्य की महामारियों का सामना करने के लिए लचीला बनाने के साथ-साथ, जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए साइकिल चलाना, पैदल चलना और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देनी चाहिए। *(ये लेखक के अपने विचार है)*

साप्ताहिक राशिफल

आचार्य राजेश शास्त्री
ज्येष्ठ, कृष्ण, चतुर्दशी, 2078
बुधवार, 9 जून - 15 जून, 2021

मेष आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

वृषभ वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। शारीरिक हानि की आशंका बनती है।

मिथुन जीवनसाथी को भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। किसी अनहोनी की आशंका रह सकती है।

कर्क तत्काल लाभ नहीं होगा। किसी सामाजिक कार्यक्र म में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

सिंह व्यावसायिक प्रवास सफल रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।

कन्या रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

तुला कार्य के प्रति उत्साह रहेगा। जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त की योजना सफल रहेगी।

वृश्चिक व्यवस्था में मुश्किल होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। गुस्से पर काबू रखें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु समय पर कर्ज चुका पाएंगे। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देंगे।

मकर दूर से दु:खद समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। समय पर काम नहीं होने से तनाव रहेगा।

कुंभ घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता बढ़ेगी।

मीन यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें। बेवजह विवाद हो सकता है।

आत्मलोकन

हार कर बिखर जाए या सीख कर सवर जाए

नमिता मिश्रा
लेखक, पत्रकार
@jagrukjanta.net

हम सभी के जीवन में चुनौतीयों का दौर आता है। चुनौती शब्द से ही लगता है ना कि जैसे कहीं से लड़ने के लिए ललकारा जा रहा है और हमारे पास दो विकल्प होते हैं या तो सामना करें या हार मान जाए। यह तो परिस्थिति पर निर्भर करता है।मगर जब भी जीवन हमें चुनौती देता है उसका सामना करने वाले व्यक्ति में एक बदलाव आ जाता है जो किसी को दिखाई नहीं देता मैं यहाँ शारीरिक या व्यवहारिक बदलाव की बात नहीं कर रही हूं अपितु मनुष्य के गुणों में वृद्धि की बात कर रही हू, चलिए इसे हम एक कहानी के माध्यम से समझते हैं।

हम सब जानते हैं जब श्री राम सीता जी की खोज में वन वन भटक रहे थे तो उनकी सहायता वानर राज सुग्रीव ने की थी।जब सुग्रीव वानरों को अलग-अलग दिशाओं का ज्ञान देकर उनका नेतृत्व कर रहे थे, उस समय श्रीराम उनका भौगोलिक ज्ञान देखकर आश्चर्यचकित रह गए उन्होंने सुग्रीव से पूछा कि आपको यह भौगोलिक ज्ञान कहां से प्राप्त हुआ ,तब सुग्रीव ने उनसे कहा कि जिस समय वो बाली के डर से मारा मारा फिर रहा था , तब पूरी पृथ्वी पर उन्हें कहीं शरण नहीं

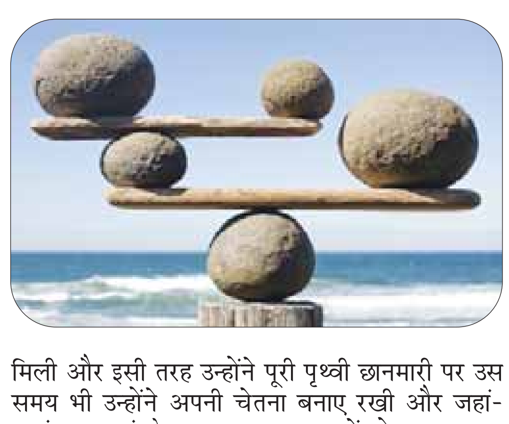

मिली और इसी तरह उन्होंने पूरी पृथ्वी छानमारी पर उस समय भी उन्होंने अपनी चेतना बनाए रखी और जहां-जहां गए वहां के स्थान का ज्ञान उन्हें होता रहा। उस भूगोलीय समझ को उन्होंने मां जानकी की खोज करने में लगाया और श्री राम की रावण पर विजय का आधार बना उनका यह भौगोलिक ज्ञान ।

इसलिए कहा गया है विषम परिस्थितियों में पाया गया ज्ञान हमारे लिए स्वर्णिम अवसर होता है।

दूसरी प्रेरक कहानी महात्मा गांधी की है उनके मन में आजादी का बीज उस समय पड़ गया जब दक्षिण अफ्रीका में उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया । एक ट्रेन के डिब्बे से उन्हें धक्का मार कर निकाल दिया गया और बस यहीं से शुरूआत हुई उनके महात्मा बनने की। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने भी जातिवाद के कारण बहुत अपमान सहा और फिर उन्होंने ने ही भारत के संविधान का निर्माण किया। अहिल्याबाई, रानी लक्ष्मीबाई ने स्त्री होते हुए जो पुरुषार्थ दिखाया है वह हमसे छुपा नहीं है ।ऐसे ही अनगिनत प्रेरणा दायक उदाहरणों से इतिहास के पन्ने भरे हुए है।

कहते हैं सोने को जितना जलाओ वह उतना ही निखरता है और कुंदन बन जाता है लेकिन कोई साधारण वस्तु जलकर राख बन जाती है। सोने सा साहस हम सब में होता है बस जरूरत है उसको पहचान कर उसे निखारने की विपरीत परिस्थितियां आने पर भी सोने सा साहस दिखाया जाए ना कि उसमें जलकर राख हो जाए। इन परिस्थितियों को आज के परिपेक्ष से तुलना की जाए तो आज हम मैं से जो लोग अपने काम काज से परेशान है, भावनात्मक रिश्तो में उलझे हुए हैं, आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, शारीरिक कष्ट से दुखी हैं बस यह याद रखें कि यह आग आप को जलाने नहीं अपितु सोने से कुंदन बनाने के लिए है, अपने आप में और अपने प्रभु में विश्वास रखें और फिर जुड़ जाएं एक नवनिर्माण में एक नई शुरुआत में और यह हम पर निर्भर करता है विषम परिस्थितियों में टूट कर, हार कर बिखर जाए या, फिर लड़कर, सीख कर सवर जाए।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

लगता है आंख देखती है इसलिए द्रष्टा है। किंतु आंख द्रष्टा नहीं है। आत्मा की चेतन शक्ति द्रष्टा है। स्थूल चक्षु और उसका देखने का गुण दोनों ही जड़ हैं। शरीर के निर्जीव हो जाने पर आंख नहीं देख सकती। जीवात्मा की चेतनता से ही चक्षु में देखने की शक्ति है। इसी प्रकार अन्य इन्द्रियों के कार्य को समझना चाहिए। यह अस्तिमा नाम क्लेश है।

3. राग- सुख की प्रतीति के पीछे रहने वाला क्लेश राग है। जीव को जब किसी अनुकूल पदार्थ में सुख की प्रतीति होती है तो उसमें और उसके निमित्तों में उसकी आशक्ति यानि प्राति हो जाती है। इसी को राग कहते हैं।

3. द्वेष- दु:ख की प्रतीति के पीछे रहने वाला क्लेश द्वेष है। मनुष्य की जब किसी प्रतिकूल पदार्थ में दुख की प्रतीति होती है उसमें और उसके निमित्तों में उसका द्वेष हो जाता है। यह द्वेष रूप क्लेश दु:ख की प्रतीति के साथ रहने वाला है।

5. अभिनिवेश- मरणरूप भय जो मूढ़ों की भांति विवेकशील पुरुषों में भी रहता है, वह अभिनिवेश है। यह मरण रूप भय सभी प्राणियों में अनादि काल से स्वाभाविक है। कोई भी जीव यह नहीं चाहता कि मैं न रहूं। एक छोटा सा कीट भी मरण से डरकर अपनी रक्षा का उपाय करता है। जीव द्वारा मरण-दुख पहले जन्मों में भी अनुभव किया हुआ होता है। यह मरण भय जीवों के अन्त:करण में इतना गहरा बैठा हुआ है कि इसे अत्यंत गहराई में प्रविष्ट यानि अभिनिवेश कहा गया है। **क्रमशः**

जागरूक Selfie विद सन

आयुष सन नन्दकिशोर वर्मा, जयपुर

हमारा स्वास्थ्य और वृक्ष

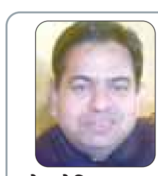

प्रो. गोविन्द सहाय
प्राचार्य
@jagrukjanta.net

हमारे देश मे हमारे पूर्वजों की वनस्पति विज्ञान विज्ञान के सूक्ष्म निरीक्षण, परीक्षण एवं विश्लेषण की गहन प्रवृर्ती रही है। वैदिक काल से ही उनके भेद ,उत्पत्ति एवं प्रयोग के व्यापक उदाहरण प्राप्त होते है। पराशर संहिता में हजारों वर्ष पूर्व एक पौधे को विकसित करने का महत्व दस पुत्रों के समान बताया है दस पुत्रो समः द्रुम अभी कोरोना काल मे प्राणवायु के महत्व को जीवन रक्षा में हम सभी ने बहुत करीबी से देखा है।

पौधे पर्यावरण की संशुद्धि के साथ हमारे जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। हम समझ सकते है कि हमारे जीवन के लिए के लिए महत्वपूर्ण तत्व प्राणवायु(ऑक्सीजन) के उत्पादन में भी वृक्षों की बड़ी भूमिका है। हमारी संस्कृति में ऐसे वृक्षो का उत्पादन और उनका संरक्षण के महत्व को समझ कर श्रद्धा और धर्म, मानव जीवन दर्शन का एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में जोड़कर देखा जाता है, यहाँ तक कि विशेष अवसरों पर सांकेतिक रुओ से आँवला, पीपल ,वट वृक्ष आदि की पूजा का प्रावधान भी है यह सब इसलिए कि वृक्ष हमारे जीवन के आधार है एवं स्वस्थ जीवन शैली में इनका महत्व है। वृक्षो की पत्तियों से एक घण्टे में एक मि ली तक ऑक्सीजन का उत्पादन होता है। विशेष रूप से पीपल, नीम, बरगद,तुलसी, घृतकुमारी, बाँस आदि पत्तेदार वृक्ष 20 से 22 घण्टे तक अक्सी जन उत्पादन के अच्छे श्रोत है। आज हम देखरहे है हमारे प्रदेश की सरकार की भी यह बहुत बड़ी पहल है कि गिलोय, कालमेघ,तुलसी आदि के पौधों को घर- घर तक पहुचाकर एक जनअभियान के रूप में आमजनता को भी पौधों के उत्पादन के लिए जागरूक किया जा रहा है जो निश्चित रूप से हमारे स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए महत्वपूर्ण कदम होगा। हमारा शरीर पंच भुतात्मक है इसका निर्माण भूमि तत्व, जल तत्व, वायु तत्व,अग्नि तत्व व आकाश तत्व से निर्मित है और आज के परिदृश्य में हम देख रहे है कि सभी तत्व दूषित हो रहे है तो ऐसी स्थिति में हम समझ सकते है कि जब निर्माण तत्व ही दूषित है तो निर्मित मानव कैसे श्रेष्ठ हो सकता है। वृक्ष ही है जो इन सभी को सुरक्षित रखने में अपनी महती भूमिका रखते है।

लेखक प्राचार्य, यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ आयुर्वेद, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर से है

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।
jagrukjantanews@gmail.com
सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

जागरूक खबरें

भगवा रक्षा दल अन्य राज्यों में भी लगाएगा रक्तदान शिविर

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल की एक आवश्यक मीटिंग दल के कार्यालय में आहूत की गई। जिसमें देश के अन्य राज्यों में भी रक्तदान शिविर लगाने का निर्णय किया गया। दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने बताया कि राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब एवं हरियाणा में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। मीटिंग में दल के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम दीक्षित एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश अग्रवाल भी मौजूद रहे। इसके अलावा भगवा रक्षा दल का आने वाले दिनों में हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर में भी प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी। महासचिव घनश्याम दीक्षित ने कहा कि दल का तीसरा राष्ट्रीय अधिवेशन चंडीगढ़ पंजाब में रखा जाएगा।

भगवा रक्षा दल द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 86 यूनिट हुआ रक्तदान

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा के दिशानिर्देश पर राष्ट्रीय प्रचारक एवं राजस्थान प्रभारी गोविंद ठाकुर एवं प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र रेपसवाल और जिलाध्यक्ष अनिल नायक के नेतृत्व में मीना पैराडाइज में रक्तदान शिविर लगाया गया। उसमें सवाई मानसिंह हॉस्पिटल एवं श्री अग्रसेन हॉस्पिटल एवं गुरुकुल ब्लड बैंक ने अपना सहयोग दिया। शिविर में 86 यूनिट रक्तदान के किया गया इसमें सवाई मानसिंह हॉस्पिटल को 29 यूनिट श्री अग्रसेन हॉस्पिटल को 24 यूनिट एवं गुरुकुल ब्लड बैंक को 33 यूनिट रक्त दिया गया। शिविर के मुख्य अतिथि विधाधर नगर विधानसभा विधायक प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल, महेश अग्रवाल वार्ड 6 पार्षद वार्ड रश्मि सैनी पार्षद वार्ड नंबर 12 दिनेश कावट पार्षद वार्ड नंबर 9 रणवीर राजावत वार्ड नंबर 13 पार्षद आ ई जी रेंज इंचार्ज नंद लाल नेहरा भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम दीक्षित एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष विजेन्दर रेपसवाल प्रदेस उपाध्यक्ष सुरेस कुमावत विधा धर नगर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह संगठन मंत्री हैपेंद्र सिंह आकाश सिंह मुकेश युवा मोर्चा उपाध्यक्ष घंश्याम मीना अध्यक्ष युवा मोर्चा मोहित सिंह एव अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय प्रचारक एव राजस्थान प्रभारी गोविन्द ठाकुर ने सभी रक्त दाताओं का धन्यवाद किया एवं सभी युवाओ को संदेश दिया कि नशे का परहेज करे एव नशा मुक्त राजस्थान अभियान मे साथ दे।

श्री अग्रवाल सेवा समिति द्वारा चलित रक्तदान शिविर में 23 यूनिट्स ब्लड़ एकत्र

जयपुर @ जागरूक जनता। चलित रक्तदान शिविर में प्रमुख उद्योगपति और जनसेवक सीताराम अग्रवाल, वार्ड 26 के पार्षद दिनेश कांवट, उद्योगपति ललित गोयल, प्रवीण गोयल, वार्ड 22 के पार्षद प्रदीप तिवाड़ी, कांग्रेसी नेता सुशील पारीक, वार्ड 08 की पार्षद सुमन राजवंशी, वार्ड 21 की पार्षद प्रियंका अग्रवाल, वार्ड 35 के पार्षद महेश संघी, SMS अस्पताल के अतिरिक्त अधीक्षक डॉ प्रदीप शर्मा, SMS अस्पताल के अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ जी.एल.धायल, शिवशक्ति पैराडाइस के कर्नल महला और पूरी कार्यकारिणी आदि ने विभिन्न स्थानों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। समिति के अध्यक्ष उमेश गोयल के नेतृत्व में वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंकुर अग्रवाल और महासचिव मनीष जालान ने आज के इस शिविर का आयोजन किया। यह चलित रक्तदान शिविर कोरोना प्रोटोकॉल का पूर्णतया पालन करते हुए लगाया गया था और रखतदाताओं के घर जाकर रक्त एकत्रित किया गया।

लायंस क्लब द्वारा राशन सामग्री वितरण

जयपुर @ जागरूक जनता। लायंस क्लब जयपुर विद्याधर नगर व अखिल भारतीय भृष्टाचार निर्मूलन संघर्ष समिति के द्वारा आज जयपुर के विभिन्न एरिया मे जरुरतमन्द लोगो को 101 राशन किट वितरित किये। अध्यक्ष पवन अग्रवाल नें बताया के हम लोगो द्वारा पुरे लॉकडाउन में लगतार विभिन्न सेवा कार्य किये गए उसी कड़ी मे आज कुछ एरिया से लगातार राशन की जरुरत आ रही थी आज वहां जाकर वितरण किया गया। आज इस वितरण मे क्लब के श्याम मोजीका, प्रमोद भारद्वाज, अनंत बढ़ारा जयप्रकाश, मनीष गुप्ता, निशांत वर्मा व अन्य लोग शामिल रहे।

भगवा रक्षा दल की कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा के निर्देशानुसार पर राष्ट्रीय प्रचारक एव राजस्थान प्रभारी गोविन्द ठाकुर ने जालोर जिला अध्यक्ष रमेश पटेल की अनुशंसा पर गोविन्द गिरी महाराज को जालोर जिला संत प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष एव अशोक सियाक को युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष एव कुंदन सिंह को सिरोही जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया एव इसी के साथ राजस्थान प्रभारी गोविन्द ठाकुर ने सभी से अपील की वो खुद नशे का त्याग करे एव अपने साथ वालों को भी नशा त्याग करने के लिए प्रेरित करे।

पर्यवारण दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

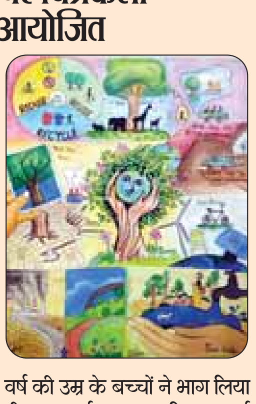

जयपुर @ जागरूक जनता। स्वेज फार्म - विश्व पर्यावरण दिवस- 2021 के उपलक्ष्य पर बीट्स डांस इंस्टीट्यूट जयपुर के द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बीट्स डांस इंस्टीट्यूट जयपुर के डायरेक्टर कपिल शर्मा ने बताया कि एक कदम हरित और स्वच्छ ऊर्जा की ओर विषय पर कई बच्चों ने पेंटिंग्स के माध्यम से पर्यवारण संरक्षण का संदेश दिया इसमें कई बच्चों ने भाग लिया इस प्रतियोगिता मैं दो कैटेगरी बनाई गई जिसमें पहली कैटेगरी 5 से 10 वर्ष और दूसरी कैटेगरी 11 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों ने भाग लिया और बच्चे ने प्रतियोगिता में बहुत ही अच्छी व आकर्षक कलाकृतिया बनाई तथा ऑनलाइन भेजी। प्रतियोगिता में प्रथम - सृष्टि कुमारी, द्वितीय तितिक्षा कुमावत व अन्य कैटेगिरी में प्रथम- दिया धर और द्वितीय -तनिष्का गोठवाल रहे। इस प्रतियोगिता मैं जाने माने चित्रकार व शिक्षक गोविंद जांगिड़ ने बच्चों की प्रतिभा का परिणाम घोषित किया।

कार्यक्रम : कॉलेज शिक्षा ने जारी किया रजिस्ट्रेशन लिंक

आज से शुरू होगा 'ज्ञानदूत'

कोर्सेज से निशुल्क जुड़ सकेंगे स्टूडेंट्स, पहले चरण में 22 सब्जेक्ट्स की क्लास शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्टूडेंट्स में कोविड के दौरान पैदा हो रही नेगेटिविटी और मेंटल टेंशन को दूर करने के लिए ज्ञानदूत कार्यक्रम की शुरुआत आगामी 9 जून से होने जा रही है। कार्यक्रम के पहले चरण में 22 सब्जेक्ट्स की क्लास शुरू होंगी जिसमें आर्ट्स की 13, साइंस की 7, कॉमर्स की 1 और लॉ की क्लास शुरू होंगी। राज्य के सभी सरकारी, निजी और विश्वविद्यालय में पढने वाले विद्यार्थी इन कोर्सेज से निशुल्क जुड़ सकेंगे।

लाइव स्ट्रीमिंग से जुड़ेंगे स्टूडेंट्स

कॉलेज शिक्षा आयुक्त संदेश नायक ने बताया कि इस कार्यक्रम में कक्षाओं का नि:शुल्क लाभ लेने के लिए आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने रजिस्ट्रेशन लिंक जारी कर दिया है, तथा सभी प्राचार्यों को इसका लिंक और सूचना को अधिकाधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए हैं। कक्षाओं के संचालन का दायित्व भी 12 सरकारी कॉलेजों को दिया गया है। साथ ही कॉलेजों को निर्देश दिए गए हैं कि वह स्टूडेंट्स को यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग से जोडने की व्यवस्था सुनिश्चित करं। साथ ही, रिसोर्स पर्सन्स द्वारा पढ़ाई जाने वाली कक्षाएं रिकार्ड करवाई जाएंगी, जिससे उन्हें ज्ञानदूत चैनल पर अपलोड करे एक केन्द्रीयकृत ई-रिपोजिटरी तैयार हो सकेगी। इस ई-रिपोजिटरी में उपलब्ध ई-कन्टेन्ट व्याख्यानों को विद्यार्थी बार बार कभी भी देख और पढ सकेंगे।

अब तक 11 हजार से अधिक स्टूडेंट्स रजिस्टर्ड

9 जून से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम के लिए अब तक 11 हजार से अधिक स्टूडेंट्स अपना रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। ज्ञानदूत कार्यक्रम में 22 सब्जेक्ट्स के समन्वय के लिए चयनित कॉलेजों से 22 संकाय सदस्यों को समन्वयक बनाया गया है। दूसरे चरण में अन्य विषयों को भी सम्मिलित किया जायेगा। विद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए इन कक्षाओं का समय सुबह 10.30 बजे से अपरान्ह 2.00 बजे तक रखा गया है। यूजी और पीजी स्टूडेंट्स के लिए यहां 31 जुलाई तक क्ला संचालित की जाएगी। कक्षाओं के लिए 6 जून को प्रोग्राम एवं चैनल्स के यूआरएल जारी किए जाएंग। सब्जेक्ट वाइज एक ही चैनल यूआरएल उस विषय की सभी कक्षाओं के लिए कार्य करेगा, लेकिन अलग अलग विषय के यूआरएल भी अलग अलग ही होंगे। इस पूरी परियोजना की मॉनिटरिंग आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर की नवाचार एंव कौशल विकास टीम कर रही है, तथा इसके लिए एक राज्य स्तरीय समिति का भी गठन किया गया है जिसमें कॉलेजों से भी संकाय सदस्यों को सम्मिलित किया गया है।

राजस्थान पुलिस में भर्तियां अनलॉक

दो साल में पुलिस कॉन्स्टेबल के 8,438 पद भरे जाएंगे

मुख्यमंत्री गहलोत ने दी मंजूरी, इस साल 4,438 पदों पर भर्ती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

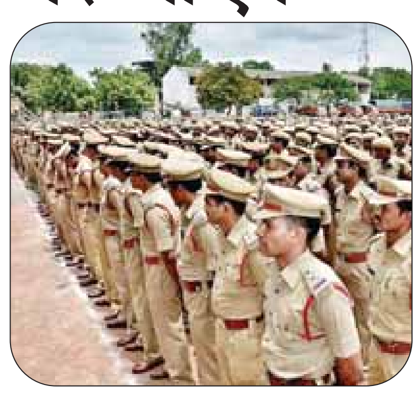

जयपुर। राजस्थान सरकार आने वाले दो साल में पुलिस कॉन्स्टेबल के 8,438 पदों पर भर्ती करेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती को मंजूरी दे दी है। इस साल पुलिस में कॉन्स्टेबल के 4,438 खाली पदों पर भर्ती होगी। 2022-23 के दौरान कॉन्स्टेबल के 4,000 पदों पर भर्ती निकाली जाएगी। गृह विभाग के प्रस्ताव पर साल 2021-22 और 2022-23 के दौरान इन पदों पर भर्ती के लिए प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस साल बजट के दौरान पुलिस में दो साल के दौरान कॉन्सटेबल के 8,438 पदों पर भर्ती करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा पर काम शुरू कर दिया है। दोनों साल ये भर्तियां पुलिस भर्ती और पदोन्नति बोर्ड के जरिए की जाएगी।

अभी पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल के 5,438 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा चालानी गार्ड के 438 अन्य पदों का गठन करके भर्ती की मंजूरी मिल चुकी है। पुलिस में कॉन्स्टेबल के खाली पदों को भरने को लेकर कई बार मांग उठती है। राजस्थान में बड़ी संख्या में बेरोजगार भर्तियों का इंतजार कर रहे हैं, कोरोना काल में भर्तियां निकलने पर संशय बना हुआ था। अब पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती को मंजूरी देने के बाद बाकी विभागों में भी खाली पदों पर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। राजस्थान में भर्तियों के कोर्ट में अटकने का भी लंबा इतिहास है, इस वजह से अभ्यर्थियों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। पिछली पुलिस भर्ती भी कोर्ट में अटकने से काफी देरी हुई थी।

सीबीएसई बोर्ड ने दिया समय

12वीं के इंटरनल असेसमेंट, मार्क्स अपलोड 28 जून तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केद्र सरकार की ओर से सीबीएसई बोर्ड की सीनियर सेकेंडरी परीक्षा रद्द किए जाने के बाद अब सीबीएसई 12वीं रिजल्ट 2021 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। सीबीएसई 12वीं रिजल्ट 2021 तैयार करने के लिए स्टूडेंट्स के इंटरनल असेसमेंट के मार्क्स बोर्ड के पास होने जरूरी हैं। सीबीएसई ने देश भर के संबद्ध स्कूलों को 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए इंटर्नल असेसमेंट का आयोजन करने और उनके मार्क्स बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए 28 जून तक समय दिया है।

गौरतलब कि कोविड.19 महामारी की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन के चलते बंद रहे स्कूलों में इंटरनल असेसमेंट आयोजत नहीं किए जा सके थे। बोर्ड द्वारा सीबीएसई कक्षा 12 रिजल्ट 2021 तैयार करने में ऑब्जेक्टिव क्राइटेरिया का इस्तेमाल किए जाने की गई है। जिसके लिए स्टूडेंट्स के इंटरनलअसेसमेंट के मार्क्स बोर्ड के पास होने जरूरी हैं।

बोर्ड ने किया नोटिस जारी

सीबीएसई बोर्ड ने स्कूलों को कक्षा 12 के विभिन्न स्ट्रीम के छात्र छात्राओं के लिए इंटरनल असेसमेंट 28 जून तक आयोजित किउजाने से संबन्धित नोटिस सोमवार को जारी कर दिया है। इससे पहले सीबीएसई बोर्ड ने स्कूलों को प्रैक्टिकल/ प्रोजेक्ट/ इंटरनल असेसमेंट के मार्क्स 11 जून 2021 तक अपलोड करने के निर्देश 11 फरवरी 2021 को जारी किए गए थे। हालांकि लॉकडाउन के चलते कई स्कल इन असेसमेंट्स को आयोजित नहीं कर पाए थे।

पीएम आवास योजना ग्रामीण में राजस्थान देश में प्रथम रहा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के क्रियान्वयन की ऑल ओवर रैंकिंग में राजस्थान को देश का प्रथम राज्य घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'वर्ष 2022 तक सभी को घर' उपलब्ध कराने की महत्वाकांक्षी योजना में हासिल राज्य की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रदेशवासियों, पंचायतीराज संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों तथा योजना से जुड़े कार्मिकों को बधाई दी है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों की भागीदारी से संचालित इस योजना में प्रथम फेज में वर्ष 2016-17 से 2017-18 में राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान पर रहा था। दो वर्षों में राज्य सरकार के प्रयासों तथा सतत मॉनिटरिंग के के बाद राजस्थान ने इसमें और सुधार किया तथा अब राज्य चार वित्तीय वर्ष की अवधि के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर पहले स्थान आ गया है।

गहलोत के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस योजना की स्थाई वरीयता सूची में शामिल होने से वंचित पात्र परिवारों के चिन्हीकरण हेतु फरवरी-मार्च, 2019 में विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान चिन्हित वंचित पात्र परिवारों की सूची भारत सरकार को प्रेषित की गई और योजना का लाभ देने के लिए समुचित प्रक्रियाओं को पूरा किया गया। इसके परिणामस्वरूप सामाजिक-आर्थिक जनगणना-2011 के अनुसार निर्धारित की गई राज्य की वरीयता सूची के सभी 13.36 लाख पात्र परिवारों को स्थाई पक्का आवास उपलब्ध कराने हेतु स्वीकृतियां जारी कर अब तक 11.41 लाख परिवारों के आवास पूर्ण करवाए जा चुके हैं।

समर्थन मूल्य पर चना और सरसों की 29 जून तक होगी खरीद

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर सरसों और चना की खरीद 29 जून तक जारी रहेगी। जिन किसानों ने उपज बेचान के लिए पंजीयन नहीं कराया है, वे अभी भी पंजीयन करवाकर अपनी उपज का बेचान कर सकते हैं। राज्य में सरसों एवं चना की खरीद 1 अप्रेल से आरंभ की गई थी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने सरसों का समर्थन मूल्य 4650 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया है। राज्य की विभिन्न मण्डियों में सरसों समर्थन मूल्य दर से ऊपर लगभग 7200 रुपए प्रति क्विंटल तक बिक रहा है। राज्य में सरसों के बाजार भाव समर्थन मूल्य दर से अधिक होने के कारण किसानों को सरसों का अधिक लाभकारी मूल्य प्राप्त हो रहा है।

भारत विकास परिषद के प्रकल्प प्रमुख की कार्यशाला संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत विकास परिषद राजस्थान उत्तर पूर्व प्रांत के प्रकल्प प्रमुखों की कार्यशाला आभासी पटेल वर्चुअल मोड पर आयोजित की गई। जिसमें कोविड काल मे अभी तक किए गए कार्यो की समीक्षा की गई तथा भावी योजनाओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन व वंदे मातरम के साथ किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री आर एस सक्सेना ने सभी का स्वागत किया तथा कोविड काल मे विभिन्न विकल्पों में किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए पीड़ित परिवारों की हर संभव सहायता करने का आग्रह किया। प्रकल्प प्रमुखों ने विभिन्न प्रकल्प में किए गए कार्यो का विवरण प्रस्तुत किया तथा भावी योजनाये प्रस्तुत की,जिन पर चर्चा की गई। प्रांतीय मीडिरूा प्रकल्प प्रमुख नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि रीजन सचिव संपर्क उमेश सिंघल, रीजन सचिव संपर्क हेमंत जोशी, रीजन सचिव सेवा डॉक्टर रूप सिंह ने प्रकल्प प्रमुखों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्रांतीय संरक्षक डॉ कुमकुम कपूर तथा राष्ट्रीय मंत्री अशोक मित्तल ने वर्तमान परिस्थितियों में, सामाजिक दायित्व निभाने पर सदस्यों का मार्गदर्शन किया। प्रांतीय महासचिव रणवीर सिंह त्यागी ने कार्यशाला का संचालन किया तथा आभार ज्ञापित किया। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जागरूक जनता
jagrukjanta.com
फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

तैयारी : रेलवे का निजीकरण की ओर दूसरा बड़ा कदम

जयपुर सहित देश के 15 शहरों के रेलवे स्टेडियम को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी

सुविधाओं के नाम पर रेवेन्यू बढ़ाने पर जोर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे बोर्ड ने पिछले दिनों राजस्थान सहित देशभर में 13 हजार 400 पदों को खत्म करने का आदेश दिया था। राजस्थान के 90 फीसदी हिस्से में फैले उत्तर पश्चिम रेलवे के भी 600 पद इसमें शामिल थे। राजस्थान में स्वीकृत कैडर 60 हजार में से 15 हजार पदों को पहले ही खत्म करने से यहां कर्मचारियों की संख्या कम है। अब रेलवे ने निजीकरण की ओर अपना दूसरा कदम बढ़ाते हुए बड़ा फैसला लिया है। इस बार यह कदम रेलकर्मियों की सुविधाओं और मनोरंजन से जुड़ा है। रेलवे बोर्ड ने जयपुर सहित देश के 15 शहरों में अपने कर्मचारियों के लिए बनाए गए स्टेडियम और मैदानों में वाणिज्यिक गतिविधि शुरू करने के लिए रेल लैंड डेवलपमेंट अथॉरिटी को जिम्मेदारी दी है। ताकि यहां सुविधाएं विकसित कर आय बढ़ाई जा सके।

सुविधाओं के नाम पर निजी हाथों में सौंपेंगे

RLDA और स्पोर्ट्स एसोसिएशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बोर्ड ने आरएलडीए से कहा है कि एक निजी कंसल्टेंसी से इन स्टेडियम में भविष्य में होने वाली गतिविधियों का आंकलन करवाएं। इनमें जरूरी सभी सुविधाएं विकसित कराई जाएं। साथ ही, इनमें निजी स्पोर्ट्स एकेडमी या क्लब खोले जा सकें और कुछ लैंड पर व्यावसायिक गतिविधियां भी शुरू की जा सकें।

सेकंड फेज में जयपुर भी शामिल

व्यावसायिक गतिविधियों को शुरू कर रेलवे टिकटिंग और गुड्स रेवेन्यू के साथ दूसरे तरीके से आय बढ़ाने पर विचार कर रहा है। अगर इन 15 शहरों में निजीकरण किए जाने की यह योजना सफल होती है, तो सेकंड फेज में जयपुर के केपी सिंह स्टेडियम सहित अन्य शहरों के स्टेडियम को भी इसी तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

ANCHOR | **नीति आयोग के एसडीजी भारत सूचकांक**

शीर्ष पर केरल, बिहार निचले पायदान पर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। नीति आयोग द्वारा जारी सतत् विकास लक्ष्य भारत सूचकांक 2020-21 में केरल ने शीर्ष स्थान पाया है। वहीं बिहार का प्रदर्शन सबसे निचले स्तर पर है। सतत विकास लक्ष्यों के इस सूचकांक (एसडीजी) में सामाजिक,आर्थिक और पर्यावरणीय मापदंडों को आधार बनाया गया है। इन बिंदुओं पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की प्रगति का मूल्यांकन हुआ है। अगर देश के स्तर पर एसडीजी का आंकड़ा देखा जाए तो इसमें 6 अंकों का सुधार देखा गया है। यह 60 से बढ़कर 66 अंक हो गया है।

सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन वाले राज्य

नीति आयोग द्वारा जारी बयान के अनुसार 75 अंक के साथ केरल सबसे शीर्ष पर है। इसने अपने स्थान को बरकरार रखा है। वहीं 74 अंक के साथ हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु दूसरे स्थान पर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एसडीजी इंडिया इंडेक्स में बिहार, झारखंड और असम खराब प्रदर्शन करने वाले राज्य में शामिल हैं।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने एसडीजी इंडिया इंडेक्स के तीसरे संस्करण को जारी किया। केंद्र शासित प्रदेशों में 79 अंक के साथ चंडीगढ़ पहले स्थान पर है। वहीं दूसरे नंबर पर 68 अंक के साथ दिल्ली है। 2020-21 में मिजोरम, हरियाणा और उत्तराखंड के स्थानों में 12, 10 और 8 अंकों का सुधार हुआ है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में शीर्ष पर दिल्ली और गुजरात

हेल्थ सेक्टर के लक्ष्यों के लिहाज से केंद्रशासित प्रदेशों की सूची में दिल्ली सबसे पहले स्थान पर है। वहीं राज्यों की सूची में गुजरात शीर्ष पर है। गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की बात करें तो केरल और चंडीगढ़ सबसे पहले स्थान पर हैं। दिसंबर 2018 में एसडीजी इंडिया इंडेक्स के जरिए राज्यों की गुणवत्ता का आंकलन शुरू हुआ था। पहले संस्करण 2018-19 में 13 उद्देश्य, 39 लक्ष्यों और 62 संकेतकों को शामिल किया गया था, जबकि इस तीसरे संस्करण में 17 ध्येय, 70 लक्ष्यों और 115 संकेतकों को शामिल किया गया।

शीर्ष पांच राज्य और उनकी रैंकिंग

केरल - 75 अंक
हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु - 74 अंक
आंध्र प्रदेश, गोवा, कर्नाटक, उत्तराखंड - 72 अंक
सिक्किम - 71 अंक
महाराष्ट्र - 70 अंक

सबसे बुरे प्रदर्शन वाले पांच राज्य और उनकी रैंकिंग

छत्तीसगढ़, नागालैंड, ओडिशा - 61 अंक
अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, राजस्थान, उत्तर प्रदेश - 60 अंक
असम - 57 अंक
झारखंड - 56 अंक
बिहार - 52 अंक

नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने भारत एसडीजी सूचकांक का तीसरा संस्करण जारी किया। इस संदर्भ में कुमार ने कहा कि, 'एसडीजी भारत सूचकांक के जरिए एसडीजी की निगरानी के हमारे प्रयास को दुनिया भर में व्यापक रूप से सराहा गया है। एसडीजी पर एक समग्र सूचकांक की गणना करके हमारे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को श्रेणीबद्ध करने के लिए यह एक दुर्लभ डाटा आधारित पहल है।'

दिसंबर 2018 में हुई थी सूचकांक की शुरुआत

इस सूचकांक की शुरुआत दिसंबर 2018 में हुई थी और यह देश में एसडीजी पर प्रगति की निगरानी के लिए प्रमुख साधन बन गया है। पहले संस्करण 2018-19 में 13 ध्येय, 39 लक्ष्यों और 62 संकेतकों को शामिल किया गया था, जबकि इस तीसरे संस्करण में 17 ध्येय, 70 लक्ष्यों और 115 संकेतकों को शामिल किया गया।

पुलिस सामुदायिक केंद्र में कोविड केयर सेंटर शुरू

झुंझुनूं @ जागरूक जनता। झुंझुनू पुलिस के नेतृत्व में जिला मुख्यालय स्थित पुलिस के सामुदायिक केंद्र में आईआईएमयूएन के तत्वाधान में झुंझुनू जिला पुलिस की ओर से कोविड केयर सेंटर का शुभारंभ किया गया।जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि कोविड केयर सेंटर को अनन्या बिरला फाउंडेशन एवं स्थानीय व्यापारियों द्वारा तैयार किया गया है। कोविड केयर सेंटर को टेक्निकल सपोर्ट के रूप में बीडीके अस्पताल के पीएमओ डॉ बीडी वाजिया द्वारा चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की तीसरी लहर शुरू हो उससे पहले ही सारी तैयारियां यहां कर दी गई हैं। त्रिपाठी ने कहा कि समय की उपयोगिता को देखते हुए इस बीमारी से लड़ने के लिए अपनी क्षमता के माध्यम से कार्य करेंगे। कोविड केयर सेंटर में करीब 20 बैड बनाए गए हैं और आवश्यकता अनुसार आगामी दिनों में बैडों की संख्या बढ़ाई एवं घटाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि सभी बैड पर प्रयाप्त मात्रा ऑक्सीजन सप्लाई के लिए सलैंडर एवं सभी प्रकार की चिकित्सा संबंधित व्यवस्थाएं पूरी कई की गई हैं। उन्होंने मदद करने वाले सभी व्यापारियों एवं अनन्य बिरला फाउंडेशन का आभार जताया।

अब ट्रेनें भी होंगी अनलॉक

जयपुर-इंदौर समेत 15 ट्रेनें 15 जून से होंगी शुरू

मौजूदा ट्रेनों में बढ़ रही वेटिंग; जुलाई तक स्पेशल बनकर चलाई जाएंगी ट्रेनें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। देश में कोरोना की दूसरी लहर के मामले लगातार कम हो रहे हैं। ऐसे में देश में अनलॉक की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। परिवहन के साधनों को भी शुरू किया जा रहा है। रेलवे भी ट्रेनों को धीरे-धीरे चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की तैयारी कर रहा है। अब 15 जून तक उत्तर पश्चिम रेलवे 20 फीसदी ट्रेनों का संचालन फिर से शुरू करने जा रहा है।, क्योंकि ट्रेनों में यात्रीभार आना शुरू हो गया है। जयपुर स्टेशन पर पहले जहां दोनों शिफ्ट में महज 100 रिजर्वेशन किए जाते थे, वे अब बढ़कर लगभग 500 पहुंच गए हैं। वहीं खाली दौड़ रही ट्रेनों में भी टिकट वेटिंग में आने शुरू हो गए हैं।

10 ट्रेनों में बढ़ाई जाएगी फ्रीक्वेंसी

उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय ने जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बीकानेर मंडलों से ट्रेनों को शुरू करने का प्रस्ताव मांगा है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार 15 जून तक जयपुर-इंदौर, जयपुर-भोपाल, जयपुर-बयाना, सीकर-लुहारू, बीकानेर-पुरी, बाड़मेर-गुवाहाटी, बीकानेर-सियालदाह, उदयपुर-दिल्ली, श्रीगंगानगर-दिल्ली, बीकानेर-दिल्ली सहित करीब 15 ट्रेनों को शुरू किया जाएगा। तो वहीं जयपुर-भोपाल सहित करीब 10 ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी बढ़ाई जा सकती है। यानी सप्ताह में दो दिन चलने वाली ट्रेनों को 4 से 5 दिन संचालित किया जाएगा।

कुछ स्पेशल ट्रेनों में बढ़ाया जाएगा किराया

रेलवे जुलाई तक स्पेशल नंबर से ही ट्रेनों को चलाएगा। इन ट्रेनों में ना तो जनरल टिकट दिए जाएंगे और ना ही सीनियर सिटीजन जैसी रियायत दी जाएगी, लेकिन किराया कुछ ही ट्रेनों में बढ़ाया जाएगा। अभी उत्तर पश्चिम रेलवे में 13 ट्रेनें तत्काल फेयर (1.3 गुना) और 35 ट्रेनें स्पेशल होने के बाद भी सामान्य किराए पर संचालित हो रही हैं। रेलवे बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जोनल रेलवे उन्हीं ट्रेनों में बढ़ा हुआ किराया लेगा,जिनमें यात्रीभार अधिक है। अन्य ट्रेनों में स्पेशल के बाद भी सामान्य किराया लिया जाएगा। फिलहाल बोर्ड किसी भी ट्रेन को रेगुलर नंबर से नहीं चलाएगा। रेगुलर नंबर से चलाने के बाद उन ट्रेनों को कोरोना के कारण बंद करना मुश्किल है। यानि सिस्टम में उन्हें बंद करने के लिए रेलवे बोर्ड को मशक्कत करनी पड़ती है।

स्टेशनों पर बेचे जाएंगे मास्क, ग्लव्स, सैनेटाइजर

ट्रेनों को शुरू करने के बाद स्टेशनों पर कुछ विशेष स्टॉल शुरू की जाएंगी। स्टेशनों पर कोविड प्रोटेक्शन से जुड़ी वस्तुएं बेचने के लिए नई स्टॉल्स खोली जाएंगी। इनमें मास्क, ग्लव्स, सैनेटाइजर, किट आदि कोरोना प्रोटेक्शन से जुड़ी वस्तुएं बेची जाएंगी। बिना मास्क के स्टेशनों और ट्रेनों में प्रवेश वर्जित होगा। इसलिए अगर किसी यात्री के पास मास्क नहीं होगा, तो उसे इन स्टॉल्स से पहले मास्क खरीदना होगा, उसके बाद ही वो ट्रेन में यात्रा कर सकेंगे।

जागरूक खबरें

किसानों को फ्री रेंटल स्कीम में मिलेंगे कृषि यंत्र और उपकरण

जयपुर @ जागरूक जनता। कृषि विभाग कोविड को देखते हुए छोटी जोत वाले जरूरतमंद किसानों को राहत देते हुए ट्रैक्टर और कृषि यंत्रों की फ्री रेंटल स्कीम के तहत सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बताया कि टैफे कम्पनी की फर्म जे फार्म सर्विसेज के माध्यम से आगामी 31 जुलाई तक 2.5 एकड़ से कम भूमि के स्वामित्व वाले किसानों को निशुल्क किराए पर ट्रेक्टर और कृषि यंत्रों की सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसान लिंक के माध्यम से खुद को एप पर रजिस्टर कर ऑर्डर बुक कर सकते हैं। साथ ही मेसी फर्गुसन और आयशर ट्रैक्टर मालिक भी इसी लिंक के माध्यम से अपने आप को जोड़कर ऑर्डर स्वीकार कर सकते हैं। इसके अलावा टोल फ्री नंबर 18004200100 पर फोन करके भी इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑर्डर केवल खेती के यंत्रों जैसे हल, रोटावेटर, प्लाउ, बिजाई मशीन आदि के लिए ही मान्य होगा। एक किसान का केवल एक ही ऑर्डर मान्य होगा। कृषि मंत्री ने योजना की सीमित अवधि और खरीफ बुवाई के समय को देखते हुए सभी खंडीय संयुक्त निदेशक, उप निदेशक और सहायक निदेशक को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सहायक कृषि अधिकारी और कृषि पर्यवेक्षकों के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार .प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों को कम्पनी के मोबाइल एप या टोल फ्री नंबर पर बुकिंग करा कर लाभान्वित कराने में सहयोग करें। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी कृषि विभाग के प्रयासों से कोविड की विकट परिस्थितियों में करीब 27 हजार किसानों को एक लाख घंटे से ज्यादा की निःशुल्क सेवा दी गई थीं।

शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए आवेदन 20 जून तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बच्चों की पढ़ाई और स्कूल में नवाचार करने वाले शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकेंगे। मानव संसाधन मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार.2021 के लिए 20 जून तक आवेदन मांगे हैं। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पुरस्कार योजना संबंधी निर्देश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार बच्चों की पढ़ाई, विद्यालय में नवाचार,सामाजिक सहभागिता के लिए सराहनीय कार्यों के आधार पर शिक्षक आवेदन कर सकेंगे। सरकारी और निजी स्कूलों के शिक्षक और संस्था प्रधान एमएचआरडी की वेबसाइट nationalawardstoteachers.education.gov.in पर प्रोफॉर्मा या वीडियो अपलोड कर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव आरसी मीणा की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में बताया गया है कि 20 जून तक नामांकन होने के बाद जिलास्तरीय मूल्यांकन समिति शिक्षकों के नामों में से शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रतिभागियों के नाम छांटेगी। सूची जांच प्रदेशस्तरीय समिति करेगी। प्रदेशभर की सूची शिक्षा मंत्रालय को भेजी जाएगी। राष्ट्रपति सम्मान के लिए शिक्षकों के चयन में शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रयोग, बच्चों का जीवनस्तर उठाने के लिए किए गए प्रयास आदि मानक शामिल किए गए हैं।

यह शिक्षक कर सकेंगे आवेदन

पुरस्कार के लिए सरकारी, सीबीएसई, काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस, केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल के शिक्षक आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत चयनित शिक्षकों को शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति पुरस्कृत करेंगे।

राज्य से नामित होंगे 6 शिक्षक

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए शिक्षकों को ऑनलाइन आवेदन इस वेबसाइट पर करने होंगे। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद डाउनलोड प्रति के साथ सभी जरूरी कागजातों को चार प्रतियों में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करवाना होगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने तैयार किया कोर्स

कोडिंग और डेटा साइंस पढ़ेंगे सीबीएसई स्टूडेंट्स

केंद्रीय शिक्षामंत्री ने दी जानकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सीबीएसई से सम्बद्ध स्कूल अब छठीं क्लास से अपने स्टूडेंट्स को कोडिंग और डेटा साइंस पढ़ाएगा। कोडिंग की क्लास छठी से आठवीं तक के स्टूडेंट्स के लिए होगी तो डेटा साइंस का कोर्स आठवीं से 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए होगा। सीबीएसई ने यह कोर्स माइक्रोसॉफ्ट की मदद से बनाया गया है। इन विषयों को एकेडमिक ईयर 2021-2022 से स्किलिंग सब्जेक्ट्स के रूप में पेश किया जाएगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने तैयार की सप्लीमेंट्री हैंडबुक

इसके लिए माइक्रोसॉफ्ट ने सीबीएसई पैटर्न और स्ट्रक्चर के मुताबिक कोडिंग और डेटा साइंस में सप्लीमेंट्री हैंडबुक तैयार की है। यह हैंडबुक एक ओपन सोर्स प्लेटफॉर्म के लिए एक्सपोजर देगी। यह प्लेटफॉर्म स्टूडेंट्स को मैथ्स, लैंग्वेज और सोशल साइंस सहित सभी विषयों में बेहतर तरीके से सीखने में सक्षम बनाएगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

इस बारे में केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने लिखा है कि नई शिक्षा नीति के तहत हमने स्कूलों में कोडिंग और डेटा साइंस शुरू करने का वादा किया था। आज, सीबीएसई को 2021 के सेशन में ही वादा पूरा करते देख खुशी हो रही है। माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से सीबीएसई देश की भावी पीढ़ियों को नए जमाने के कौशल के साथ सशक्त बना रहा है। सीबीएसई ने संबद्ध स्कूलों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कोडिंग को छठी से आठवीं कक्षा में 12 घंटे के स्किल मोड्यूल के तौर पर शामिल किया जाएगा। इससे बच्चों में तार्किक तौर पर सोचने की क्षमता बढ़ेगी। वह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के बारे में जान सकेंगे। वहीं डेटा साइंस को कक्षा 8 में 12 घंटे के स्किल मोड्यूल के तौर पर शामिल किया जाएगा जबकि कक्षा 11वीं और 12वीं में इसे स्किल सब्जेक्ट के तौर पर शामिल किया जाएगा। सीबीएसई ने कहा कि डाटा साइंस विषय से स्टूडेंट्स समझ सकेंगे कि किस तरह डाटा जुटाया और संग्रहित किया जाता है। उसका विश्लेषण करके कैसे निर्णय किया जाता है। सीबीएसई ने कहा कि जो स्कूल 11वीं में स्किल विषय के तौर पर इन विषयों को शामिल करने के लिए आवेदन करेंगे, उन्हें कोई फीस नहीं देनी होगी।

अब 31 दिसंबर तक पूरा कर सकेंगे रिसर्च वर्क

जयपुर @ जागरूक जनता। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कोविड के कारण तय समय सीमा में काम पूरा नहीं करने वाली सात फेलोशिप की अवधि बढ़ा दी है। इन फेलोशिप के तहत अब शोधार्थी अपना रिसर्च वर्क 31 दिसंबर 2021 तक पूरा कर सकेंगे लेकिन इस बढ़ी हुए समय की कोई फैलोशिप राशि उन्हें अलग से नहीं दी जाएगी। इस फैलोशिप में डॉ. डीएस कोठारी पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप, डॉ. एस राधाकृष्णन पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप, पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप फॉर वुमेन, पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप फॉर एससीएसटी, बीएसआर फैकल्टी फेलोशिप और एमरिटल फेलोशिप शामिल हैं। गौरतलब है कि देखने में आया था कि कोविड के कारण अधिकांश शिक्षण संस्थान बंद रहे जिसके कारण शोधार्थी तय समय में अपना रिसर्च वर्क पूरा नहीं कर पाए ऐसे में शोधार्थी इन्हें पूरा करने के लिए समय सीमा बढ़ाए जाने की मांग कर रहे थे। इतना ही नहीं यूजीसी ने उन छात्रों के लिए जो छात्रवृत्तियों के लिए पूर्व में रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं और जिन्हें सही समय पर अहम जानकारियां नहीं मिल पा रही है उनके लिए करीब 14 तरह की छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर और ईमेल आईडी जारी की थी।

जे.के.सीमेन्ट में वृक्षारोपण कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। जे.के.सीमेन्ट द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन कोरोना महामारी प्रोटोकाल से किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम श्री अनिल जैन, वरिष्ठ महाप्रबन्धक, पर्यावरण विभाग द्वारा वर्ष 2021 की पर्यावरणीय थीम ईको सिस्टम रेस्टोरेषन इसकी महत्ता, मेजबान देश की पर्यावरणीय सदस्याओं को अवगत कराया। साथ ही साथ जे.के.सीमेन्ट द्वारा पर्यावरणीय गतिविधियों जैसे- पर्यावरण प्रदूषण नियन्त्रण, को कम करने, जैच विविधता के सरंक्षण, जल सरंक्षण, सघन वृक्षारोपण आदि से अवगत कराया।

ईकाई प्रमुख आर.बी.एम.त्रिपाठी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामना देते हुये पर्यावरण सरंक्षण में अपनी सहभागीता एवं जिम्मेदारी सुनिश्चित करने की अपील की तथा जे.के.सीमेन्ट पर्यावरण, सामाजिक सरोकार, सुरक्षा में सदैव नये आयाम स्थापित किये एवं भविष्य में भी इनके प्रति अपनी जिम्मेदारियों के निवर्हन में सदैव आगे रहने की प्रतिबद्धता जाहिर की। इस वर्ष 50,000 पौधों का पौधारोपण का लक्ष्य रखा जिनकी सर्वाइवल दर 90 प्रतिशत से ज्यादा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस.के.राठौड़ द्वारा सभी को बधाई देते हुये इस कार्यक्रम के अवसर पर कोरोना जैसी महामारी के बचाव में प्रकृति के योगदान पर प्रकाश डाला। साथ ही ऑक्सीजन की कमी को दूर करने हेतु पीपल, नीम आदि वृक्षो का वृक्षारोपण करने की अपील वर्चअली की। वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन मांगरोल, निम्बाहेड़ा एवम् बामनिया पावर प्लान्ट में कोविड प्रोटोकाल की पालना करते हुये किया गया। कार्यक्रम में सर्वश्री डी.के.पटेल, जयन्त मल्होत्रा टेक्नीकल हेड, हेमन्त दवे, वेद प्रकाश, डी. सी गुप्ता, पिनाकी दत्ता, मनोज त्यागी, डॉ. पंकज मणी, हेमन्त सिंह ठाकुर, सुरेन्द्र सिंह कानावत, संजय खण्डेलवाल, सी.पी.दक, वी.के.माहेश्वरी, उधान विभाग के अजय दशोरा, सुरेन्द्र शर्मा, दिलीप गौड़, मुकेश जाट, पर्यावरण विभाग के सर्व नरेन्द्र भट्ट, निलेश शर्मा, इन्टक अध्यक्ष नाहर सिंह देवड़ा, भेरू सिंह, तुलसीदास सनाढ्य इत्यादि उपस्थित थे। अन्त में सुनील सिंह ने सभी का धन्यवाद् ज्ञापित किया।

10वीं-12वीं में लागू किया जाएगा एनसीईआरटी का सिलेबस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में 7 जून से नया सत्र 2021-22 शुरू हो जाएगा। इसकी के साथ स्टाफ के लिए स्कूल खुल जाएंगे। लेकिन अभी विद्यार्थियों को नहीं बुलाया जा रहा है। उधर, स्कूल खुलने के साथ ही शिक्षा विभाग ने भी सरकारी स्कूलों में निशुल्क पाठ्यपुस्तकें पहुंचाने की तैयारी प्रारंभ कर दी है। इस बार 10वीं और 12वीं कक्षा में एनसीईआरटी का सिलेबस लागू होगा। विभाग ने निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण की गाइडलाइन जारी की है। इसके अनुसार दसवीं के विद्यार्थियों को राजस्थान का इतिहास व संस्कृति विषय की किताब 50 फीसदी पुरानी व 50 फीसदी नई वितरित होंगी। शेष विषयों की पुस्तक एनसीईआरटी पाठ्यक्रम की होंगी, जिनका शत-प्रतिशत वितरण किया जाएगा। इसी तरह से कक्षा 12वीं में कृषि रसायन, कृषि जीव विज्ञान, विज्ञान, अदबी सुगंध और आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत भाग-2 विषय की पुस्तकें गत सत्र के अनुसार माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उपयोग में ली जाएंगी। शेष विषयों की पुस्तकें एनसीईआरटी की लागू होंगी, जिनका शत-प्रतिशत निःशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके अलावा पहली से तीसरी तक के सभी विद्यार्थियों को निशुल्क किताबें दी जाएंगी। इसके अलावा विद्यार्थियों को सत्र 2020-21 के कक्षा क्रमोन्नति के प्रमाण पत्र और अंक तालिका वितरण के साथ ही पिछले सत्र में बांटी गई किताबों को प्राप्त कर बुक बैंक में जमा कराया जाएगा।

विद्यार्थी को 50 फीसदी नई और 50 फीसदी पुरानी पुस्तकें मिलेंगी

कक्षा 4 से कक्षा 9 के विद्यार्थियों को गत सत्र की लौटाई पुस्तकों का 50% उपयोग लेना होगा। प्रत्येक विद्यार्थी को 50% नई पुस्तक और 50% पुरानी पुस्तक दी जाएंगी। कक्षा 10 में राजस्थान का इतिहास और संस्कृति विषय की लागू पाठ्यपुस्तक माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की है। ऐसे में छात्रों की लौटाई 50% पुरानी निःशुल्क पुस्तकों का उपयोग नए सत्र में होगा।

कोविड से मौत, तो सर्टिफिकेट पर लिखेंगे 'कोरोना से मृत्यु'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना और ब्लैक फंगस की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट में कृषि मंत्री लालचंद कटारिया और परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बैठक की। खाचरियावास ने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोरोना से मौत होने पर सर्टिफिकेट पर 'कोरोना से मृत्यु' लिखा जाए। उन्होंने कहा कि जो भामाशाह प्रभावित परिवार की मदद करना चाहते हैं उनकी सुविधा के लिए कंट्रोल रूम बनाया जाएगा।

उन्होंने अस्पतालों से मृतकों का रिकार्ड लेकर अनाथ बच्चों का पता लगाने और गरीबों के शव बिना कोई राशि दिए बिना अस्पतालों से दिलाने के भी निर्देश दिए। कृषि मंत्री मंत्री लालचंद कटारिया ने चिरंजीवी बीमा योजना के लिए अधिकृत अस्पतालों का बोर्ड लगाने को कहा। इससे पहले दोनों मंत्रियों ने ऑक्सीजन और ब्लैक फंगस का इंजेक्शन की कमी को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा सांसदों पर पर आरोप लगाए।

वाहन चालकों और दुकानों का चालान तो नहीं कटेगा पर बिना मास्क निकले तो कार्रवाई तय

- खाचरियावास ने अधिकारियों को कहा कि पानी के बिलों का जो लोग भुगतान नहीं कर पाए हैं. उनके कनेक्शन नहीं काटे जाएं।
- ग्रामीण क्षेत्र में एंबुलेंस ड्राइवरों की कमी पूरी करने के लिए सीएमएचओ डॉ. नरोत्तम शर्मा को जल्द भर्ती करने के निर्देश दिए गए।
- दोनों निगम आयुक्त स्पष्ट कहा गया कि शहर में बीवीजी कंपनी काम नहीं कर रही है तो निगम अपने संसाधनों से सफाई की व्यवस्था को निश्चित करे।
- पुलिस-निगम को निर्देश दिया गया कि वाहन चालकों और दुकानों के चालान ना काटें। क्योंकि लोग काम नहीं करेंगे तो हालात और खराब होंगे। हालांकि मास्क पर चालान जारी रखने को कहा गया।
- जेडीए-निगम को लेकर मंत्री ने कहा कि 500 वर्गगज के मकानों की बिना स्वीकृति बनाने की अनुमति है फिर भी शिकायतें हैं कि अधिकारी परेशान कर रहे हैं। उन्हें ताकीद किया कि किसी अधिकारी की शिकायत आएगी तो कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण इलाकों में हर दिन मिलेगा बीसलपुर से पानी

- कृषिमंत्री लालचंद कटारिया ने निर्देश दिए ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों में रात की ड्यूटी करने वाले स्टाफ का रिकार्ड रखा जाए।
- ग्रामीण में बीसलपुर से पानी की सप्लाई दो दिन में होने पर नाराजगी जताई। प्रतिदिन सप्लाई तय की जाए।
- टीकाकरण के लिए कोई भी पहचानपत्र देखकर वैक्सीन लगे।

सेन महाराज का पाटोत्सव मनाया

जयपुर @ जागरूक जनता। क्षौरकर विकास समिति ने विद्याधर नगर सेक्टर 8 पापड़ वाले हनुमान मंदिर चौराहे के पास नीलकंठ महादेव मंदिर एवं सँत शिरोमणि सैनजी महाराज के हलवा पूड़ी का भोग लगाया। विद्याधर नगर क्षौरकर विकास समिति के अध्यक्ष पूरन मल सेन टटेरा ने बताया कि सेन महाराज के पाटोत्सव अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समिति के सदस्य परिवार सहित पहुंचे और प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर मंदिर सेवक राम गोपाल, संजय, नरेश कुमार, शैरसिह, रमेश, हरिओम एवं शंकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मॉडल स्कूलों के शिक्षकों को मिलेगा 3 माह का बकाया वेतन

82 करोड़ 45 लाख रुपए की वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में संचालित किए जा रहे स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को उनका तीन माह का बकाया वेतन मिल सकेगा। इन शिक्षकों के लिए तीन माह का वेतन बजट जारी किया गया है। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने 82 करोड़ 45 लाख रुपए की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी है। यह राशि स्कूल के पीडी खातों में जमा करवाई जाएगी। स्कूल शिक्षा परिषद की ओर से बजट जारी नहीं किए जाने के कारण मॉडल स्कूलों के शिक्षकों को तीन माह से वेतन नहीं मिल पा रहा था और वह आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। राज्य सरकार ने प्रदेश में संचालित किए जा रहे 167 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में 71 प्रिंसिपल, सैकेंड ग्रेड और थर्ड ग्रेड शिक्षकों के पद आवंटित कर दिए हैं। इन पदों पर पहले से कार्यरत शिक्षकों को वेतन अब इन्हीं स्कूलों से मिल सकेगा।

गौरतलब है कि सरकार ने उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में बदल कर प्रिंसिपल, ग्रेड सैकेंड, ग्रेड थर्ड शिक्षकों का पदस्थापन कर दिया था लेकिन पद स्वीकृत नहीं किए थे। इस कारण इन शिक्षकों को वेतन अन्य स्कूलों में रिक्त पदों वाला दिया जा रहा था।

167 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में मिले पद

जयपुर @ जागरूक जनता। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रदेश में संचालित किए जा रहे महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में 72 प्रिंसिपल के पद और वेतन के लिए आईडी संख्या का आवंटन किया गया है। दरअसल राज्य में पिछले सत्र में 167 ब्लॉक में महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूलों का गठन किया गया था। इसमें से38 को प्राथमिक या उच्च प्राथमिक स्तर से सीधे ही क्रमोन्नत किया गया था। इसमें 38 प्रधानाचार्य के नए पद स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार 34 माध्यमिक स्कूलों को उच्च माध्यमिक अंग्रेजी स्कूलों में क्रमोन्नत किया गया था। इनमें 34 प्रिंसिपल के पद स्वीकृत करने के साथ ही वहां पूर्व में स्वीकृत प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय के पद विड्रो किए गए हैं, इन स्कूलों में अब कार्यरत प्रधानाचार्य वित्तीय और संस्थापन कार्य पूरा करेंगे। गौरतलब है कि इन स्कूलों के लिए पिछले दिनों स्वीकृत 1172 अध्यापकों के पद प्रारंभिक शिक्षा से माध्यमिक शिक्षा को आवंटित किए गए हैं। उन पदों का अब इन स्कूलों में अलॉटमेंट होगा

अयोध्या में बनेगा राम द्वार....रामायण उद्यान

जयपुर @ जागरूक जनता। अयोध्या को भव्य धार्मिक रूप देने के लिए इसके सभी प्रवेश बिंदुओं पर बागों से घिरे राम द्वार कहे जाने वाले भव्य प्रवेश द्वार जल्द ही बनेंगे। राम द्वारों के किनारे लगे बागों को रामायण वाटिका कहा जाएगा। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने कहा- अयोध्या में छह प्रवेश द्वार हैं। अयोध्या शहर को भव्य धार्मिक रूप देने के लिए सभी प्रवेश बिंदुओं पर भव्य द्वार या राम द्वार बनाए जाएंगे। यह पहल पवित्र शहर को एक छोटे से शहर से एक नए शहर में बदलने की योजना का एक हिस्सा है, जो आधुनिक सुविधाओं से लैस और संस्कृति के अनुकूल हैं।

राममंदिर निर्माण को गति

राममंदिर इस बीच, अयोध्या में राम मंदिर में पत्थर का काम दिसंबर में शुरू होने की उम्मीद है, क्योंकि मंदिर की नींव के लिए कंप्रेस्ड कंक्रीट बेस रखा गया है, जिसके अक्टूबर तक पूरा होने की संभावना है। राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी अनिल मिश्रा के अनुसार दिसंबर में निर्माण के दूसरे चरण के तहत मंदिर के बेस प्लिंथ पर काम शुरू होगा, जिसके लिए मिर्जापुर के गुलाबी पत्थरों का इस्तेमाल किया जाएगा।

सड़कों पर ध्यान

अयोध्या में विकास कार्य जारी है और इसमें सड़कों का चौड़ीकरण, नदी के किनारे का जीर्णोद्धार, बस स्टैंड और पार्किंग की सुविधा शामिल है। राज्य सरकार की योजना पड़ोसी जिलों जैसे बस्ती और गोंडा के गांवों को भी जोड़ने की है।

ANCHOR पंचायत जनप्रतिनिधियों को पहली प्राथमिकता

जून के अंत तक 15 हजार जिला स्तरीय राजनीतिक नियुक्तियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बीते ढाई साल से भी ज्यादा समय से राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं का लंबा इंतजार अब खत्म होने वाला है। कोरोना संकट के बीच प्रदेश कांग्रेस जून माह के अंत तक प्रदेश में जिला और ब्लॉक लेवल पर 15 हजार से भी ज्यादा राजनीतिक नियुक्तियों का तोहफा देने जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी इसके संकेत दिए हैं। डोटासरा का कहना है कि जून के अंत तक जिला और ब्लॉक लेवल पर राजनीतिक नियुक्तियां कर दी जाएंगी। हालांकि सूत्र बताते हैं कि जिला-ब्लॉक लेवल की राजनीतिक नियुक्तियों में आम कार्यकर्ताओं को राजनीतिक नियुक्तियों से वंचित रहना पड़ सकता है।

प्रधान, उप प्रधान और जिला परिषद सदस्यों को पहली प्राथमिकता

दरअसल जिला और ब्लॉक लेवल पर होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों में अधिकांश जगह स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, प्रधान, उप प्रधान और जिला परिषद सदस्यों को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। प्रदेश कांग्रेस की ओर से करीब 4 माह जो परफॉर्मा जारी किए गए थए उनमें भी जिला स्तरीय राजनीतिक नियुक्तियों के कॉलम के आगे प्रधान, उपप्रधान और जिला परिषद सदस्य का नाम भरना था। ऐसे में पहली प्राथमिकता प्रधान, उपप्रधान और जिला परिषद सदस्यों को दी गई है। इसके अलावा दूसरी प्राथमिकता कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को दी गई है ।

सभी जिलों से परफॉर्मा पहुंचे पीसीसी

सूत्रों की माने तो प्रदेश प्रभारी अजय माकन और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने फरवरी माह में जिला और ब्लॉक लेवल की राजनीतिक नियुक्तियों में एडजस्ट होने वाले नामों को भरने वाले परफॉर्मा जिलों के प्रभारियों को सौंपे थे और उसके बाद जिलों के प्रभारियों ने परफॉर्मा में नाम भरकर प्रदेश कांग्रेस और प्रदेश प्रभारी अजय माकन को भेज दिए हैं। कहा जा रहा है कि 15 जून के बाद प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रदेश प्रभारी अजय माकन और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बीच बैठक होगी और बैठक में जिला और ब्लॉक लेवल की नियुक्तियों पर चर्चा कर राजनीतिक नियुक्तियां जारी कर दी जाएंगी।

12 जिलों में पंचायत चुनाव बाद बनेगी सूचियां

वहीं दूसरी ओर प्रदेश के 12 जिले ऐसे हैं जहां पर जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव आगामी समय में होने हैं। ऐसे में इन जिलों में जिला स्तरीय राजनीतिक नियुक्तियां जिला परिषद और पंचायत सदस्यों के चुनाव के बाद ही बन सकेंगी। जानकारों की माने तो इन 12 जिलों में अलवर, दौसा, भरतपुर, धौलपुर, जयपुर, जोधपुर, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर, सिरोही और श्रीगंगानगर है।

उपखंड स्तर पर समितियां

उपखंड स्तर पर पांच समितियां हैं जहां राजनीतिक नियुक्तियां होनी हैं।

- उपखंड स्तरीय सतर्कता समिति
- उपखंड स्तरीय वन अधिकारी समिति
- उपखंड स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति
- पेय जल प्रदूषण की रोकथाम हेतु समिति
- उपखंड स्तरीय जल वितरण समिति।

जिला स्तरीय समितियां

- जन अभाव अभियोग निराकरण समिति
- जिला स्तरीय समन्वय समिति
- जिला स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति
- जिला लोक शिक्षा समिति
- प्रधानमंत्री 15 सूत्री कार्यक्रम
- जिला स्तरीय अल्पसंख्यक मामलात कमेटी
- जिला स्तरीय जल वितरण समिति
- संभाग स्तरीय जल वितरण समिति
- जिला महिला सहायता समिति
- जिला क्रीड़ा परिषद समिति
- 20 सूत्री कार्यक्रम आयोजन क्रियान्वयन एवं समन्वय समिति।

85 समितियों में से 15 के लिए मांगे थे नाम

हालांकि प्रदेश में विभिन्न विभागों से जुड़ी 85 समितियां जिनमें राजनीतिक नियुक्तियां होनी हैं, लेकिन प्रदेश कांग्रेस ने जिला स्तरीय समितियों में केवल 15 ही समितियों में राजनीतिक नियुक्तियों के लिए नाम मांगे हैं। दावा किया जा रहा है था कि इन समितियों में 15 हजार कार्यकर्ताओं को राजनीतिक नियुक्तियों में एडजस्ट किया जाएगा।

जागरूक खबरें

संघ व सेवाभारती की ओर से पौधरोपण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। ग्राम पंचायत जयनगर, बेगूं में नव निर्मित स्कूल में संघ व सेवा भारती के कार्यकर्ताओं द्वारा पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण किया गया। सेवाभारती महिला मंडल विभाग संयोजिका तारावती धाकड़ ने बताया कि द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर (गुरुजी) की पुण्य तिथि व पर्यावरण दिवस पर 60 पौधे लगाए गए व देखरेख की जिम्मेदारी ली गई। इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ विभाग प्रचारक शिवराज, एडवोकेट सुरेश टेलर, मुकेश खटीक, कमल किशोर माथुर, भूरालाल धाकड़, सेवा भारती जिलामंत्री कन्हैया लाल धाकड़, लाभचंद, प्रकाश धाकड़, कमलेश, कैलाश धाकड़, देवीलाल, जगदीश, किशन, धाकड़, रोशन, पप्पू, राधेश्याम आदि उपस्थित रहे।

गंभीरी नदी में चल रहा सफाई कार्य, कलक्टर और एसपी ने किया निरीक्षण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर ताराचंद मीणा और एसपी दीपक भार्गव गंभीरी नदी के सफाई कार्य को देखने पहुंचे और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नदी में इन दिनों जमे पड़े मलबे को जेसीबी मशीन और ट्रेक्टर के से हटाने का कार्य प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। इसके साथ ही जिला कलक्टर ने आमजन से भी गंभीरी नदी के सफाई कार्य में जुड़ने की अपील की है। गौरतलब है कि जिला कलक्टर ताराचंद मीणा शुरू से ही गंभीरी नदी की सफाई को लेकर गंभीर हैं। इससे पूर्व कई बार सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के साथ गंभीरी नदी के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर सफाई के निर्देश दे चुके हैं। अभियान से अगर आमजन भी जुड़ते हैं तो नदी का काया पलट हो सकता है।

गौशाला में गायों को खिलाया हरी सब्जी व गुड

पिलानी@जागरूक जनता। श्याम प्रेमियों द्वारा पिलानी गौशाला में हरी सब्जी व गुड खिलाया गया। मंडल के आयुष पुरोहित ने युवाओं को प्रेरित करते हुए बताया कि कोरोना महामारी से जिंदगी की जंग हार चुके लोगों की याद में गोवंश को हरा चारा खिलाया गया। इससे पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हीरालाल नायक, रमाकांत गोड, एस के निर्मल, आयुष ने पूजनीय गुलज़ारी लाल शर्मा को याद किया व मंडल के मुकेश अग्रवाल के नेतृत्व में सुमेर स्वामी, डॉ उमेश शर्मा, मुकेश चनानिया, सपन, सौरव आलड़िया आदि ने सेवा भाव से गौ माता की सेवा की।

समाजजनों ने सजल नेत्रों से दी श्रद्धांजलि

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। मोहनखेड़ा तीर्थ प्रेरक, ज्योतिष सम्राट, आचार्य श्रीमद विजय ऋषभचंद्र सूरि के देवलोकगमन पर सोमवार को सकल जैन समाज द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। राजेंद्र सूरि ज्ञान मंदिर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे सरकारी नियमो की पालना करते हुवे उपस्थित समाजजनों ने गुरुदेव के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभा की शुरुआत में त्रिस्तुतिक संघ अध्यक्ष मनीष बाबेल, पार्षद मनोज पारख, चांदमल विराणी ने चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया, तत्पश्चात श्रद्धांजलि सभा मे स्थानकवासी संघ के संरक्षक डॉ. जेएम जैन, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमल नाहर, साधुमार्गी संघ अध्यक्ष प्रकाश चपलोत, जैन दिवाकर कमल गोशाला अध्यक्ष शांतिलाल मारू, तपागच्छ संघ अध्यक्ष मुकेश नागोरी, महावीर इंटरनेशनल के कमलेश ढेलावत, गुरुभक्त शैलेश चौबीसा सहित अन्य समाजजनों ने आचार्य श्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुवे उनके द्वारा किए गए सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों के बारे में बताया। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना का भी संवेदना पत्र प्राप्त हुआ, जिसका वाचन संचालन कर रहे आनन्द सालेचा ने किया। विभिन्न संस्थाओं ने भी अपने संवेदना पत्र भेजे। कार्यक्र म के अंत मे संघ के महामंत्री शेरसिंह पारख द्वारा काव्यपाठ प्रस्तुत किया गया। श्रद्धांजलि सभा मे कैलाश बाफना, श्रीपाल नायक, रत्नेश सेठिया, मुकेश ढेलावत, पारस आंजना, मनोज सोनी, अभय जारोली, दिलीप सिंह, मनोज चपलोत, अभय नलवाया, बंशीलाल जीवनानी, सत्यमेव सेठिया समेत समाजजन उपस्थित थे। अंत मे आचार्य श्री की आत्मा की शांति हेतु चार लोगस्स का स्मरण किया गया। इससे पूर्व जैन दिवाकर कमल गौशाला, सांवरिया गोशाला, रामद्वारा गोशाला में गायों को हरा चारा खिलाया गया व मंडी परिसर में पक्षियों के लिए मक्का दाना डाला गया।

पर्यावरण दिवस पर बीओबी ने पौधारोपण कर बांधे परिंडे

सवाई माधोपुर @ जागरूक जनता। पर्यावरण दिवस के मौके पर बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से विभिन्नन स्थानों पर 11 पौधे एवं पक्षियों के लिए 110 परिंडे बांधे गए। बैंक ऑफ बड़ौदा व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक कार्यक्रमों में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेता रहा है। इस अवसर पर लीड डिस्टिक मैनेजर महावीर प्रसाद जैन जिला टोंक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा सौंथरा शाखा प्रबंधक हिमांशु मीणा की उपस्थिति में ग्राम शुथरा तहसील उनियारा जिला टौंक में प्लांटेशन का कार्यक्रम रखा गया एवं सवाई माधोपुर में विभिन्न स्थानों पर परिंडे बांधे गए।

रोजगारविहीन गरीब-मजदूर 101 परिवारों को नारायण सेवा ने दिया राशन

उदयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना महामारी की दूसरी वेव में बेरोजगार हुए मजदूर और आदिवासी भाइयों को नारायण सेवा संस्थान उनके गांव - गांव और घर घर जाकर राशन बांट रही है। पिछले दो दिनों में संस्थान ने 101 राशन किट बांटकर गरीबों को भोजन की चिंता मुक्त किया।संस्थान के जनसंपर्क प्रवक्ता ने बताया कि संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल की उपस्थिति में काया पंचायत के दही माता गांव में शिविर आयोजित हुआ जिसमें 55 जरूरतमंद परिवारों को राशन दिया गया। संस्थान अध्यक्ष कुछ आदिवासियों के घर भी गए और उनके दुःख दर्द जाने तथा बरसात के मौसम में त्रिपाल आदि की मदद करने का भी भरोसा दिया। दूसरी ओर निदेशक वंदना अग्रवाल ने शहर की कच्ची बस्तियों और झुग्गी झोपड़ी में जाकर 41 किट बांटे। संस्थान की इस निशुल्क राशन सेवा मुहिम से 33000 से ज्यादा लोग लाभांवित हुए है।

चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर सघन वृक्षारोपण

सामान्य व्यवहार में लाए पेड़ लगाना-कमोद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य अतिथि कमोद सिंह इकाई प्रधान पाईरो ने पीपल का वृक्ष लगाकर अभियान का शुभारम्भ किया साथ ही उन्होंने सभी को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाये प्रेषित की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कमोद सिंह ने इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय थीम इकोसिस्टम रिस्टोरेशन यानि पारिस्थितिक तंत्र की पूर्वावस्था की प्राप्ति के लिए संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि सभी को उसके संरक्षण के लिए कार्य करना चाहिए। अतः हमारी कार्य संस्कृति एवं सामान्य व्यवहार में हम कोशिश करे की अधिक से अधिक वृक्ष लगाए। उन्होंने कहा कि कहा कि पर्यावरण चेतना एवं चिंतन मानवीय दृष्टिकोण का आवश्यक भाग है और हम सब को सदैव इस बारे में सोचना चाहिए।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि घनश्याम सिंह राणावत - महामंत्री मजदूर संघ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम तभी कर पाएंगे जब हम सघन वृक्षारोपण कि श्रृंखलाओ को स्थापित करेंगे। हमें अपने प्राकृतिक स्त्रोत जैसे तालाब , कुआ - बावडिया , नदियाँ, झरने तथा जंगलों को अधिक संरक्षित एवं सुरक्षित करना होगा तभी हम प्रकृति का संरक्षण कर पाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस पर तरुण मेघवाल, वरिष्ठ प्रबंधक पर्यावरण ने बताया कि उप मुख्य प्रचालन अधिकारी स्मेल्टर सी चंद्रु के निर्देशन में कोविड-19 की गाइड लाइन्स का पालन करते हुए अलग अलग चरणों में छोटे छोटे समूह बना बनाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया तथा सोशल डिस्टेंसिंग की पालना की गयी। इस अवसर पर संघठन के पदाधिकारी एस के मोड़ ,रणजीत सिंह भाटी ,जी एन एस चौहान ने वृक्षारोपण किया। आदित्य सिंह ,लोकेशन सुरक्षा अधिकारी, ऋषिराज सिंह शेखावत मुख्य सुरक्षा अधिकारी, रिपन घोष, अन्य अधिकारी एवं बिजनेस पार्टनर्स ,ने वृक्षारोपण में हिस्सा लिया। पर्यावरण विभाग के आर पी सिंह , हरीश चतुर्वेदी एवं अन्य अधिकारियो ने कार्यक्रम में सहयोग तथा वृक्षारोपण में महत्वपूर्ण योगदान किया।

बिरला कारपोरेशन लिमिटेड चंदेरिया द्वारा मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बिरला कारपोरेशन लिमिटेड चंदेरिया द्वारा पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु कोविड-19 की गम्भीरता को देखते हुए ई संदेश के माध्यम से मनाया गया। पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं सरंक्षण को बढ़ावा देने हेतु इस वर्ष की थीम ईको सीस्टम रेस्टोरेशन को आधार मानते हुए कविता एवं नारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे ठेकेदार, श्रमिक, स्थायी श्रमिक एवं स्टाफ वर्ग द्वारा बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया गया। पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कॉलोनी वासियों, आस-पास के क्षेत्रो एवं गाँवो में रहने वाले कर्मचारी, जनसमूह को पौधरोपण के लिए प्रोत्साहित किया गया, ताकि वे मानसून में पौधरोपण करे। इसी क्र म मे सेमलपुरा गावँ के राजकीय विद्यालय के आसपास के क्षेत्र, भेरड़ा गावँ एवं चंदेरिया विद्यालय में वृक्षारोपण का कार्यक्र म आयोजित कर पर्यावरण सरक्षण के लिए ग्रामवासियो को सन्देश दिया गया। संस्थान के इकाई प्रमुख सुनील सूद एवं दिनेश कुमार, सुशील गुप्ता, आर. सी. झँवर, योगेश काबरा, के. के. सिंह, अनुज भूतड़ा, पी. सी. धायल, मुकेश देपुरा, विनोद पालीवाल एवं पर्यावरण विभाग के अधिकारियो द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखते हुए पौधारोपण किया गया। इकाई प्रमुख श्री सुनील सूद द्वारा इस बार की थीम के सम्बन्ध में कोविड-19 से बचाव एवं जागरूकता, दैनिक जीवन मे पर्यावरण एवं वृक्षों की महत्ता के बारे में बताया।

सादगी के साथ अदा कि परचम कुशाई की रस्म

हज़रत क़िबला उस्ताद (र. अ.) का 735वां उर्स सामुहिक नहीं होगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौडगढ़। कोरोना के चलते इस वर्ष भी चेहरे के बूंदी रोड स्थित हजरत क़िबला उस्ताद रहमतुल्लाह अलेह का उर्स सामूहिक कार्यक्रम के साथ नहीं मनाया जाएगा। दरगाह कमेटी के सदर नवासए मख्दूमे मिल्लत सज्जादानशीन मोहम्मद सलीम अशरफी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी 7-8-9 जून 2021 को होने वाले हजरत किबला उस्ताद साहब का उर्स कोरोना संक्रमण के कारण बड़े पैमाने पर आयोजित नही किया जाएगा। लॉक डाउन के बाद से ही देश भर के सारे धार्मिक स्थल बन्द है इसी को देखते हुवे उर्स से जुड़े नवासए मख्दूमे मिल्लत हाजी मोहम्मद यूसुफ अशरफी,मौलाना मुहम्मद जुबेर अशरफी,मौलाना मुहम्मद जुनैद अशरफी, मौलाना मोहम्मद उमैर अशरफी,सरदार अहमद,अब्दुल सलाम पेंटर व दीगर अकीदत मंदों ने उर्स को सांकेतिक रूप से मनाने का फैसला किया है। उर्स के तीनों दिनों में कोई भी सामुहिक कार्यक्रम नहीं किया जाएगा। दरगाह कमेटी द्वारा अकीदतमंदों से गुजारिश है, कि हजरत किबला उस्ताद सा. रहमतुल्लाह अलैहे के उर्स की तारीख पर न्याज और फातिहा पेश करके पूरी दुनिया से कोरोना वायरस के खात्मे की दुआ करें। सज्जादा नशीन मोहम्मद सलीम अशरफी, मोहम्मद यूसुफ अशरफी, मोहम्मद उमेर अशरफी, शहर काजी अब्दुल मुस्तफा चिश्ती, अब्दुलसलाम ने कोविड गाईड लाइन की पालना करते हुऐ सादगी के साथ परचम कुशाई की रस्म अदा की।

भारत विकास परिषद का सघन वृक्षारोपण सम्पन्न

चितौड़गढ़ @ जागरूक जनता। भारत विकास परिषद् द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकृति से जुड़िये अभियान के तहत सुबह 10 बजे गायत्री मन्दिर, पंचवटी सैंथी पर पर्यावरण संरक्षण के लिए सघन वृक्षारोपण किया गया। परिषद अध्यक्ष बालकिशन धूत ने कहा, कि वृक्षारोपण से होने वाले लाभ एवं पर्यावरण चेतना के साथ-साथ स्वच्छ भारत अभियान में सहभागी बनना समय की मांग है एवं अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण कर आमजन को सहकारिता के माध्यम से पर्यावरण चेतना का संदेश दिया जायेगा। पौधारोपण में उन पौधों को भी प्राथमिकता के साथ लगाया गया जिनमें बड़ी मात्र में ऑक्सीजन का उत्सर्जन होता है एवं इस अवसर पर झील ईनाणी ने पौधा लगाकर जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर अशोक मेहता, दिनेश खत्री, शिवप्रकाश पुंगलिया, ब्रजेश मोदानी, चन्द्रप्रकाश सुखवाल, अनिल ईनाणी, एन.के. जोशी, कैलाश न्याति, सीताराम मालीवाल, चितौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. की प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी, राजेश धूत, राजेश न्याती, प्रहलाद पाराशर, चन्द्रप्रकाश खटोड़, चेतन खटोड, दिलीप वंगानी, लक्ष्य वजीरानी, हितेश, भव्य वजीरानी, हिताक्षी, गजराज, कार्तिक आदि उपस्थित थे। आभार सचिव नवीन वर्डिया ने व्यक्त किया।

चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर द्वारा 3400 का टीकाकरण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। चंदेरिया लेड ज़िंक स्मेल्टर द्वारा टीकाकरण में अब तक 3400 कर्मचारियों को लाभान्वित किया है। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक ने प्रदेश में संचालित अपनी सभी इकाइयों के कर्मचारियों, व्यावसायिक भागीदारों और उनके परिवार के सदस्यों हेतु कोविड-19 से बचाव के लिये विशाल टीकाकरण अभियान शुरू किया है। कंपनी कोविड-19 के राहत एवं बचाव के लिये समुदायों, राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ प्रतिबद्ध है। टीकाकरण अभियान में चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर द्वारा ज़िंक नगर में आयोजित टीकाकरण शिविर में अब तक 3400 अधिकारी, कर्मचारी, बिजनेस पार्टनर के कर्मचारी एवं उनके परिवारों लाभान्वित हुए है। दूसरे चरण में 5 जून से इम्पीरियल क्लब एवं हिन्द ज़िंक स्कूल में ये शिविर आयोजित किये जा रहे है। शिविर को सफल बनाने में मेडिकल, एच आर एवं एडमिन टीम सक्रिय सहयोग कर रही है।

REET-2021, 20 जून को होगी या नहीं

RBSE की वेबसाइट पर भी कोई सूचना नहीं, परीक्षा तिथि को लेकर असमजंस में अभ्यर्थी

अजमेर @ जागरूक जनता। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित की जाने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा की तिथि को लेकर अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति है। बोर्ड की ओर से 12 अप्रैल को प्रेसनोट जारी कर जानकारी दी गई कि परीक्षा 20 जून को होगी। इसके बाद न तो बोर्ड की ओर से और न ही इस बारे में कोई जानकारी बोर्ड की वेबसाइट पर अपडेट की गई। REET के लिए प्रदेशभर से रिकॉर्ड 16.40 लाख अभ्यर्थियों के आवेदन मिले हैं। लेवल-वन और टू, यानी दोनों में 9 लाख 13 हजार 183 अभ्यर्थी ने आवेदन किया है। सिर्फ लेवल-वन में 3 लाख 63 हजार 317 और लेवल-टू में 3 लाख 63 हजार 819 अभ्यर्थी ने आवेदन किया है।

अपडेट नहीं वेबसाइट : राजस्थान रोजगार संघ के प्रदेश अध्यक्ष असलम चौबदार ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से अपनी ऑफिसियल वेबसाइट पर रीट को लेकर सूचना अपडेट नहीं की है। ऐसे में अभ्यर्थी भ्रमित हो रहे हैं। 20 जून की तिथि में बदलाव को लेकर शिक्षा मंत्री गोविन्दसिंह डोटासरा का बयान जरूरी आया है। सरकार ने EWS कैटेगरी को लाभ देते हुए फॉर्म खोलने की बात कही थी, लेकिन उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पर्यावरण संरक्षण का दिया सन्देश

जिला एवं सेशन जज, कलक्टर, एसपी ने एक साथ किया पौधारोपण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिला एवं सेशन जज केशव कौशिक, जिला कलक्टर ताराचंद मीणा, जिला पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव और उप वन संरक्षक सुगनाराम जाट ने नए कोर्ट परिसर में पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया।

जिला कलक्टर ने भी कहा कि राजस्थान का पर्यावरण की दृष्टि से गौरवशाली इतिहास रहा है, यहाँ लोगों ने अपने प्राण पर्यावरण के लिए न्यौछावर किए हैं। इसी प्रकार जिला पुलिस अधीक्षक ने भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपना वक्तव्य दिया। डीएफओ सुगनाराम जाट ने आज के इस दौर में वनों के महत्व पर प्रकाश डाला। सभी ने कोर्ट परिसर ने अमरुद, आम, चीकू, सीताफल सहित अन्य विभिन्न पौधे लगाए एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव भानु कुमार, सीजेएम राकेश गोयल, एनडीपीएस जज किशनचंद, एनडीपीएस जज द्वितीय मधुसुदन शर्मा, एमएसीटी जज भवानी शंकर पंड्या एवं एसीजेएम प्रथम कुलदीप राव ने भी पौधारोपण किया।

इस मौके पर जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष सावन श्रीमाली, उपाध्याक्ष रघुवीर सिंह राणावत, पुस्तकालय प्रभारी रवि बाथरा, कोषाध्यक्ष निलेश भटनागर, सह-सचिव प्रभुलाल जाट, सचिव बगदीराम धाकड़ सहित अन्य उपस्थित रहे।

राजीव गांधी युवा क्लब ने हरित राजस्थान अभियान के तहत शुरू किया 5 हजार पौधों का वितरण

कोरोना ने समझाया ऑक्सीजन का महत्व, इसलिए लगाएं पेड़-चौधरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भोपालगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस पर कस्बे के सामाजिक संगठन एवं राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त राजीव गांधी युवा क्लब के संस्थापक अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता शिवकरण सैनी की पहल पर 5 हजार पौधे वितरित किए। इस अवसर पर कस्बे के महात्मा गांधी सेवा सदन परिसर में हरित राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी जवाहरराम चौधरी ने कहा कि वृक्ष ही जीवन की धुरी है, अगर वृक्ष ना होंगे तो पर्यावरण भी असंतुलित होगा। हमें न शुद्ध हवा मिलेगी और न छाया। इन्हें बनाए रखने के लिए पौधारोपण जरूरी है, तब ही स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा और राज्य में हरियाली आएगी। चौधरी ने राजीव गांधी युवा क्लब द्वारा चलाए जा रहे हरित राजस्थान अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि लंबे समय से क्लब के युवा कार्यकर्ताओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है अन्य गांवों में भी युवा क्लब के कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए इस अवसर पर महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के जिला समन्वयक एवं राजीव गांधी युवा क्लब के संस्थापक अध्यक्ष शिवकरण सैनी ने कहा कि क्लब द्वारा पिछले 15 वर्षो से रचनात्मक एवं सामाजिक सहित युवाओं के कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है पर्यावरण संरक्षण के लिए क्लब द्वारा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रेरणा से चलाए जा रहे हरित राजस्थान अभियान के तहत 5 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है सैनी ने कहा कि पेड़ व्यक्ति के जीवन भर तक साथ निभाते हैं। व्यक्ति को पेड़ों से शुद्ध हवा, फल, फूल, और औषधियां मिलती हैं। इसके अलावा सबसे बड़ा पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं। अगर मनुष्य को ऑक्सीजन नहीं मिले, तो उसकी मृत्यु हो जाती है। व्यक्ति को देशी दवाई बनाने के लिए पेड़ की औषधियों की जरूरत पड़ती है।

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश जाखड़ ने कहा कि पेड़-पौधों का महत्व हर किसी को समझना होगा। जब तक हम और आप इसे नहीं समझेंगे तब तक पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बढ़ाया हुआ कदम सार्थक नहीं होगा। अब लोग पेड़ों को काटकर घर बनाने में लगे हैं। जबकि हरे-भरे पेड़ों को नहीं काटना चाहिए। ज्यादा से ज्यादा व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए इस अवसर पर युवा कांग्रेस के जिला महासचिव महेंद्र प्रताप देवड़ा किसान कांग्रेस के जिला सचिव सिंबू भाई प्रजापत राजीव गांधी युवा क्लब के सचिव हेम सिंह सोलंकी समन्वयक रामस्वरूप गर्ग सामाजिक कार्यकर्ता चंपालाल सोलंकी रोमन प्रजापत सहित कई युवा उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजीव गांधी युवा क्लब में 51 युवाओं ने पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधों और देखभाल की शपथ के साथ संकल्प लिया।

ANCHOR | उदासीनता

वर्षों बाद भी पूर्ण नहीं हुई रीट-2016 भर्ती!

भर्ती की त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया व निर्धारित नियमों की अनदेखी से रिक्त पड़े हैं अंग्रेजी व गणित-विज्ञान के हजारों पद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। शायद ही ऐसा किसी भी भर्ती में देखने को मिले कि भर्ती में 80 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त रह जाएं और उस भर्ती को पूर्ण मान लिया जाए,जबकि वास्तविक पीड़ित बेरोजगार उसी भर्ती में नियुक्ति के लिए वर्षो से दर दर भटकते रहें ! इसकी स्पष्ट बानगी रीट अध्यापक भर्ती 2016 में आसानी से देखी जा सकती है। उक्त भर्ती में गणित-विज्ञान के कुल 927 पदों में से 877 पद आज भी खाली पड़े हैं। जबकि भर्ती की प्रभारी एजेंसी निदेशालय प्रारम्भिक शिक्षा बीकानेर इस भर्ती को पूर्ण मान चुका है और एक बार भी वेटिंग सूचि जारी करने को तैयार नहीं है। कुछ यही हाल अंग्रेजी विषय के बेरोजगारों का है जिनके 826 पद रिक्त पड़े हैं और एक बार भी नियमानुसार वेटिंग सूचि नहीं आई हैं।

काफी पद अब भी रिक्त

अंतिम चयन सूचि बनने के बाद कागजात सत्यापन प्रक्रिया अपनाने और वेटिंग सूचि के नियम को न अपनाने का ही नतीजा है कि आज तक रीट भर्ती 2016 में काफी पद रिक्त पड़े हैं। दूसरी तरफ निदेशालय अब भी अपनी त्रुटि को सुधारने को तैयार नहीं है। इसी का नतीजा है कि हाई कोर्ट की एकल व डबल बेंच के निर्णय नाकाफी साबित हो रहें हैं। स्कूलों में विषय अध्यापक के पद रिक्त पड़े हैं और जिनको नियुक्ति मिलनी चाहिए थी वो बेरोजगार कोर्ट,मंत्रियों के दरबार, विभाग व निदेशालय के चक्कर लगा रहें हैं। इन दिनों लॉकडाउन के चलते सरकार के प्रति सोशल मीडिया पर इन बेरोजगारों का गुस्सा स्पष्ट देखा जा सकता है।

क्या है वजह

उक्त मामले में प्रदेश के बेरोजगारों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पैरवी कर रहे एडवोकेट हरदीपसिंह सुन्दरिया के मुताबिक निदेशालय ने रीट भर्ती 2016 की नियुक्ति प्रक्रिया में कई खामियाँ रखीं हैं जिनका खामियाजा आज तक प्रदेश का बेरोजगार भुगत रहा है। भर्ती प्रक्रिया के नियमों में स्पष्ट था कि अंतिम मुख्य चयन सूचि में पात्र अभ्यर्थी शामिल होंगे,लेकिन चयन सूचि बनाने से पूर्व अभ्यर्थियों के कागजात सत्यापन नहीं किये गए,जिससे काफी अपात्र अभ्यर्थी भी अंतिम ऑनलाइन चयन सूचि का हिस्सा बन गए। साथ ही इस मुख्य सूचि के साथ कार्मिक विभाग के वेटिंग सूचि संबंधी विशेष सर्कुलर के अनुसार एक बार भी वेटिंग सूचि जारी नहीं की गई,जबकि सीधी भर्ती बाबत जनवरी 2016 को पारित उक्त सर्कुलर मुख्य चयन सूचि के साथ 0.5 गुणा अभ्यर्थियों की वेटिंग सूचि मांग करता है।

स्वामी भास्करानंद परमहंस की 25वीं पुण्य तिथि मनाई

सवाई माधोपुर @ जागरूक जनता। श्रीश्री 1008श्री भास्करानंद की 25वीं पुण्य तिथि परमहंस योगाश्रम में मनाई गई। आश्रम संचालिका मां राधे ने बताया कि सूक्ष्म कार्यक्रम के अंतर्गत 6 जून को अखंड रामायण का पाठ हुआ। उसके बाद 7 जून को रुद्राभिषेक कार्यक्रम हुआ। उसके उपरांत शाम को स्वामी भास्करानंद के चरणों में 25 दीपक जलाकर आरती की गई। इस दौरान कोरोना के कारण जारी सरकारी गाइड लाइन का पूरा पालन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सचिन सैनी ने ब्रह्मचारी अमित सारस्वत की समाधि बनवाने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि ब्रह्मचारी अमित सारस्वत की आज से 8 वर्ष पूर्व अज्ञात हत्यारों ने उनकी साधना करते समय हत्या करदी थी। लेकिन आज तक हत्यारों का पता नहीं चल पाया है।

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

जागरूक खबरें

राजस्थान में 20-25 जून के बीच मानसून पहुंचने की संभावना

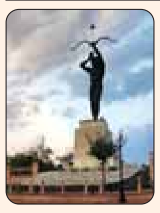

जयपुर @ जागरूक जनता। दो दिन की देरी के बाद आखिरकार गुरुवार को मानसून ने केरल में प्रवेश कर लिया। मानसून भले ही केरल दो दिन की देरी से पहुंचा हो मगर अब आगे अपनी सामान्य रफ्तार से बढ़ेगा। राजस्थान की बात करें तो यहां भी तय समय पर मानसून के पहुंचने की उम्मीद है। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि मानसून के आगे बढने् की परिस्थितियां अनुकूल है। राजस्थान में तय समय पर यानी की 20 से 25 जून के बीच मानसून पहुंच सकता है। राजस्थान में दक्षिणी पूर्वी यानी की उदयपुर-कोटा संभाग के रास्ते मानसून आ सकता है। इस बार उत्तर पश्चिम भारत में औसत बारिश होगी। राजस्थान में इसी हिसाब से औसत बरसात होने की उम्मीद है। आकड़ों की बात करें तो पूरे मानसून सीजन में प्रदेश में औसत 415 मिमी बारिश होती है। इसमें 19 फीसदी की कमी या वृद्धि हो सकती है।

कोरोना: बगैर लक्षण वाले मरीजों को अब दवा की जरूरत नहीं

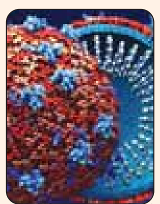

सरकार का दावा- सेहतमंद खाने से दोस्ती और पॉजिटिव सोच से हो जाएंगे रिकवर

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना के इलाज की गाइडलाइन में बदलाव किया है। इसके मुताबिक जिन मरीजों में कोरोना के लक्षण नजर नहीं आते या हल्के लक्षण हैं, उन्हें किसी तरह की दवाइयां लेने की जरूरत नहीं है। हालांकि दूसरी बीमारियों की जो दवाएं चल रही हैं, उन्हें जारी रखना चाहिए। ऐसे मरीजों को टेली कंसल्टेशन (वीडियो के जरिए उपचार) लेना चाहिए। अच्छी डाइट लेना चाहिए और मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग जैसे जरूरी नियमों का पालन करना चाहिए। डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (DGHS) ने नई गाइडलाइन के तहत एसिम्प्टोमेटिक मरीजों के इलाज में इस्तेमाल की जा रहीं सभी दवाओं को लिस्ट से हटा दिया है। इनमें बुखार और सर्दी-खांसी की दवाएं भी शामिल हैं। गाइडलाइन में कहा गया है कि ऐसे संक्रमितों को दूसरे टेस्ट करवाने की जरूरत भी नहीं है। इससे पहले 27 मई को गाइडलाइन जारी की गई थी, जिसमें हल्के लक्षणों वाले मरीजों पर हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन, आइवरमेक्टिन, डॉक्सीसाइक्लिन, जिंक और मल्टीविटामिन के इस्तेमाल की मनाही की गई थी। इसके अलावा एसिम्प्टोमेटिक मरीजों को सीटी स्कैन जैसे गैर जरूरी टेस्ट लिखने से भी मना किया गया था।

डाक विभाग : परिवार को गंगाजल भी भेजेगा

स्पीड पोस्ट से अस्थि विसर्जन, कर्मकांड का लाइव वेबकास्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डाक विभाग ने कोरोना या नॉन कोरोना डेथ के बाद अस्थियों के संपूर्ण कर्मकांड से विसर्जन की जिम्मेदारी भी उठाई है। कोई भी व्यक्ति अपने दिवंगत परिजन का अस्थि विसर्जन डाक विभाग की स्पीड पोस्ट सुविधा से करवा सकेगा। इसके लिए अस्थियों को वाराणसी, प्रयागराज, हरिद्वार और गया में से किसी भी एक तीर्थ के लिए भेजना होगा। वहां पर डाक विभाग ओम दिव्य दर्शन संस्था के माध्यम से अस्थियों को पंडितों के सानिध्य में कर्मकांड के साथ विसर्जित करवाएगा। दरअसल कोरोना काल में अपने प्रियजनों को खोने वाले कई लोग उनका विधिवत अस्थि विसर्जन नहीं कर पा रहे हैं। डाक निदेशक व वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने ओम दिव्य दर्शन नामक सामाजिक-धार्मिक संस्था से मिलकर ऐसे लोगों के लिए यह पहल की है। देश के किसी भी कोने से अब अस्थियां डाकघरों से स्पीड पोस्ट के माध्यम से इन जगहों पर भेजी जा सकेंगी। इनका विधिवत कर्मकांड ओम दिव्य दर्शन द्वारा संपन्न किया जाएगा। पश्चिमी राजस्थान क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल का कहना है, 'कोरोना संक्रमित मृतकों की अस्थियों के विसर्जन के लिए यह प्लान शुरू किया गया है। फिलहाल चार तीर्थों के लिए यह योजना है। इसके बाद आगे की योजना तैयार की जाएगी।'

इस तरह होगा रजिस्ट्रेशन से लेकर अस्थि विसर्जन

- » कृषण कुमार यादव का कहना है कि इस सुविधा के लिए ओम दिव्य दर्शन संस्था के पोर्टल htpp://omdivyasdar-shan.org पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा।
- » रजिस्ट्रेशन के बाद कोई भी व्यक्ति अपने परिजन की अस्थियों का पैकेट स्पीड पोस्ट से वाराणसी, प्रयागराज, हरिद्वार और गया भेज सकेगा।
- » अस्थियों के पैकेट को अच्छी तरह से पैक कर मोटे अक्षरों में 'ओम दिव्य दर्शन' लिखना होगा। पैकेट पर भेजने वाले को अपना पूरा नाम, पता, मोबाइल नंबर जैसी जानकारियां लिखनी होंगी।
- » स्पीड पोस्ट का चार्ज लिफाफा भेजने वाले को ही देना होगा। स्पीड पोस्ट बुक करने के बाद इसे भेजने वाले को संस्था के पोर्टल पर स्पीड पोस्ट बार कोड नंबर सहित बुकिंग डिटेल्स अपडेट करनी होगी।
- » डाकघर में पैकेट प्राप्त होने के बाद इसे ओम दिव्य दर्शन के पते पर भेजा जाएगा।
- » दिव्य दर्शन संस्था अस्थियों को विधिवत विसर्जित करेगी और श्राद्ध करवाएगी।
- » इसे वेबकास्ट के जरिए मृतक के परिजन भी देख सकेंगे। सारे संस्कारों के बाद संस्था की ओर से मृतक के परिवार को डाक से एक बोतल गंगा जल भी भेजा जाएगा।

मुम्बई @ जागरूक जनता। लोकडाउन अनलॉक होने के साथ ही बाहरी राज्यों से लोगों की आवाजाही शुरू होने लगी है।

since 2005
विनायक ज्वैलर्स
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensils
Certified राशि रत्न
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

वसुंधरा राजे सरकार ने 2015 में लिया था निर्णय

आमली टाइगर सफारी पार्क प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में

500 हेक्टर एरिया में 115 करोड़ रुपए के बजट से होना था निर्माण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाई माधोपुर। रणथम्भौर नेशनल पार्क के बफर जोन के आमली गांव में साल 2015 में आमली टाइगर सफारी पार्क 500 हेक्टेयर एरिया में बनाने की घोषणा की गई थी। इस घोषणा को पांच साल बीत जाने के बाद भी टाइगर सफारी पार्क को बनने का इंतजार है। रणथम्भौर नेशनल पार्क की फलौदी रेंज के आमली ब्लॉक में साल 2015 में राज्य वन्यजीव मंडल ने यह निर्णय किया। इस प्रोजेक्ट के करीब 115 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित था। जिसमें तीन एनक्लोजर बनाना प्रस्तावित था। यूं तो आमली नेशनल पार्क की फलौदी रेंज में है, लेकिन जिला टोंक लगता है। अगर यह प्रोजेक्ट धरातल पर आता तो सवाई माधोपुर के साथ टोंक के लिए भी फायदेमंद रहता।

रणथम्भौर राष्ट्रीय अभयारण्य में बाघों की संख्या ज्यादा है। यहां पर्यटकों का दबाव भी बहुत ज्यादा रहता है। सवाई माधोपुर के साथ ही टोंक को वन्यजीव पर्यटन के लिहाज से विकसित करने के उद्देश्य से तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व वन मंत्री राजकुमार रिणवा ने यह प्रोजेक्ट बनाया था। इस प्रोजेक्ट की घोषणा को पांच साल बीत जाने के बाद भी प्रशासन व सरकार की उदासीनता के चलते यहां टाइगर सफारी पार्क नहीं बन पाया है। इस दौरान प्रदेश में भाजपा से कांग्रेस की सरकार बन चुकी है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

देश की सबसे छोटी टाइगर प्रोजेक्ट है रणथम्भौर

रणथम्भौर नेशनल पार्क देश का सबसे छोटा टाइगर प्रोजेक्ट है। रणथम्भौर का कोर एरिया 392 वर्ग किलोमीटर है। जिस कारण यहां अक्सर बाघों में टेरिटेरियल फाइट होती रहती है। जिससे कई बार बाघों की मौत भी हो जाती है। इसी के साथ बाघों का मूवमेंट आसपास स्थित गांव में भी बना रहता है। जिससे कई बार गांव वालों को अपनी जान गवानी पड़ी है। अगर रणथम्भौर के बफर एरिया में आमली टाइगर सफारी का निर्माण हो जाए तो बाघो कां कुनबा राजस्थान में बढ़ सकेगा।

मेरे कार्यकाल में इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं आया है। टाइगर सफाई पार्क बनना नहीं बनना सरकार का निर्णय है। **- टीसी वर्मा,** मुख्य वन संरक्षक

QSI Reliable, Professional & Genuine ISO Certification
Serving Govt, PSU, MSME, Health & Education etc
Services since 2001
ISO Awareness, Auditors/ L.A. Training On site - PUBLIC
CE, NABL, NABH, SEDEX, Disaster M.PLAN Product & Process standards ISO 4427 Assistance & Certifications
HBO Oxygen Treatment
Franchise Available
SNHL, Wounds, AUTISM, C.P. Side effects of Post Chemo-Radio Preventive Healthcare
-: Contact :-
R. C. Agrawal, Director
Call. 9829017133, 0141- 2236895
QSI (India) Certifications P.L.
SF 1/557 Vidyadhar Ngr, Jaipur-39
Email: qsicert@gmail.com
www.qsi-india.com
ISO 9001, 14001 IMS ISO 45001, 22000, 27001 EA ISO 50001, MD 13485, SA 8000 , Weld Quality ISO 3834-2 , 15085, IRIS 22163 IATF-16949 ETC

भारत में लाखों को लील गया कोरोना

देश में कोरोना से पहली मौत 12 मार्च, 2020 को

नमन...

कोरोना, भयावह बीमारी, लाखों लोगों के प्राण लील गया। लाखों संक्रमित है। जागरूक जनता उन सभी आत्माओं को नमन करता है, जिन्होंने अपने प्राण कोरोना महामारी के कारण गंवाये है। इस काले रंग में हमें उम्मीद का रंग काला नहीं करना है। हम सब सुरक्षित रहे, निरोगी रहे, इसके लिए जागरूक जनता आप सबके साथ खड़ा है....

जागरूक जनता के 'मेरे साथ, मेरा मास्क' अभियान को आगे बढ़ाए और कोरोना को मिटाए।

आज जागरूक जनता अपने डिजिटल एडिशन के मास्टहेड को नीचे रखकर सभी अमर आत्माओं को नमन करता है...

जागरूक जनता

विश्वसनीय हिन्दी अखबार

मानवता के लिए मेरी जिम्मेदारी-**मेरे साथ मेरा मास्क**

लोकडाउन खुला है, देशवासी संयम बरतें, गाइडलाइन का पालन करें

प्रकृति रो बिनास

लघु कथा

सुमन राठौड़
लेखक
@jagrukjanta.net

आ दिनां च्यारूँमेंर मौत रो हाहाकार मच्योड़ो तो कठै ई उज्ड्योड़ा परिवार दीसै। रोता बिळखता टाबर दीसै तो कठै ई माँ-बाप रो विलाप दीसै।काळ ताणीं सगळा सागै रैवंता अबै बिछड्ग्या अर बची है तो उण री यादां। सीता रै हिवडै अर मस्तिस्क मायं डरावणां चळचिळ चाळ रैया अचाणचक ई बारणों खटखटावण री आबाज सुणी तो सीता रो ध्याण हट्यो। जद बारणो खोल्यों तो सीता री भायळी रीता बोळी म्हे कद सूं आबाज लगाय री हूँ ,कै करै ई...।कै बात है? सगळा ठीक तो है । सीता बोळी, किंया री बिपदा आगी अबै आपां आमी -सामी खड़ी हां पण कीं ई भरौसो नीं आगलै पळ रो। ओ संकट रो दौर ,आपणां मिनखां री असमय मिरतु अर ऑक्सीजन सारू तड़पता नर अर नार ....कीं ठीक नीं लागै बैण। माया बोळी, बैण इण रा दोषी आपां खुद हा,ओ लालच आपां नै ले डूबग्यो।आपां आपणै स्वार्थ रै खातर प्रकृति रो विनास कर अबै अक-अक सांस ताणीं तरस रह्या हा। प्रकृति आपां पर उपगार कर आपां नै फोकट री प्राणवायु देवै पण इण रो बिनास करया तो हरेक सांस री कीमत लागेली।मिनख आपरै बिनास रो मारग आपी आप चुन लियो। कास! प्रकृति नै नीं उजाड़ता तो आ मिनखा पर भारी नीं पड़ती। आपां नै प्राणवायु खातर नीं तरसणों पड़तो अर धरा पर ओ मौत रो तांडव नीं हुतो।

(ये लेखक के अपने विचार है)

शहर में 15 जून से शुरू होंगे बाढ़ नियंत्रण कक्ष

अग्निशमन केन्द्र बनीपार्क, घाटगेट और आमेर में होंगे केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष

जोन कार्यालयों पर भी होंगे बाढ़ नियंत्रण केन्द्र

24 घंटे कार्यरत रहेंगे केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बारिश के मौसम को देखते हुए हेरिटेज नगर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी है। शहर में 15 जून से बाढ़ नियंत्रण केन्द्र शुरू हो जाएंगे। इनमें अग्निशमन केन्द्र बनीपार्क, घाटगेट और आमेर में केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष बनाया जाएगा। ये बाढ़ नियंत्रण केन्द्र 24 घंटे कार्यरत रहेंगे। इसके लिए अलग–अलग अधिकारियों का जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सभी जोन कार्यालयों में भी बाढ़ नियंत्रण केन्द्र बनाए जाएंगे। इसके लिए हेरिटेज नगर निगम में अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें निगम आयुक्त अवधेश मीणा ने निर्देश जारी किए। आयुक्त अवधेश मीणा ने बताया कि 15 जून से बाढ़ नियंत्रण कक्ष शुरू हो जाएंगे। शहर में तीन केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष होंगे, जो 24 घंटे कार्यरत रहेंगे। नगर निगम के अतिरिक्त मुख्य अभियंता केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के प्रभारी अधिकारी होंगे, वहीं उपायुक्त मुख्यालय आशीष कुमार समन्वयक होंगे। वहीं अधीक्षण अभियंता अनिल घीया, मुख्य अग्निशमन अधिकारी देवेन्द्र मीणा सहायक समग्र प्रभारी अधिकारी होंगे। बाढ़ नियंत्रण कक्ष पर प्रत्येक पारी में सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता व लिपिक मौजूद रहेंगे, उनकी सहायता के लिए एक फायर मैन लगाया जाएगा। इसके अलावा हवामहल–आमेर जोन, किशनपोल जोन, आदर्श नगर जोन और सिविल लाइंस जोन कार्यालय पर नियमित रूप से बाढ़ नियंत्रण कक्ष कार्य करेगा। इनका प्रभारी अधिकारी संबंधित जोन उपायुक्त को नियुक्त किया गया है।

जोन उपायुक्तों को तय की जिम्मेदारी

- अपने–अपने जोन क्षेत्र में जब भी 5 सेमी से अधिक बारिश हो तो जोन उपायुक्त बाढ़ नियंत्रण कक्ष के सम्पर्क में रहेंगे।
- बारिश के दौरान आम रास्ते, नाले, नालियों में किसी भी प्रकार की गंदगी या अवरोधक नहीं हो। पानी निकास सुगमता से हो सके।
- तेज बारिश के दौरान जल भराव के क्षेत्र चिह्नित कर वहां लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी जारी करना। साथ ही उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की जिम्मेदारी।
- वैकल्पिक व्यवस्था के लिए निचले इलाकों में लोगों के लिए सार्वजनिक स्थान, कॉलेज, स्कूल, धर्मशाला आदि में व्यवस्था करना।
- बाढ़ व तेज बहाव से सड़क पर कटाव होने, मिट्टी जमाव होने या गड्ढ़े होने पर तत्काल मरम्मत व सफाई करवाना।

बिजली बिल माफ करो गहलोत सरकार- जमना

राजसमंद @ जागरूक जनता। आम आदमी पार्टी राजस्थान छात्र संगठन "छात्र युवा संघर्ष समिति, की प्रदेश सोशल मीडिया इंचार्ज जमना कुमारी कीर (मोही) ने कहा है कि कोरोना काल में सम्पूर्ण राजस्थान की आर्थिक स्थिति किसी से छिपी हुई नहीं है। जब कमाई के साधन लॉकडाउन के कारण बिल्कुल खत्म से हो चुके हैं । गरीब जनता को दो वक्त का खाना उपलब्ध नहीं हो रहा है। इस स्थिति में आम नागरिक बिजली का बिल कैसे चुकाएंगे। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता प्रदेश भर में सोशल मीडिया के जरिए। राजस्थान की कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर बिजली बिल माफी की मांग की। कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में 300 यूनिट बिजली देने की घोषणा की थी, कांग्रेस हाईकमाडं दूसरे राज्यों में फ्री बिजली की मांग व चुनावी वादे करते हैं तो बिजली उत्पादक राजस्थान प्रदेश की जनता को बिजली फ्री देने की बात क्यूँ नहीं करते ? आम आदमी पार्टी- राजस्थान की मांग है कि अप्रेल व मई माह की बिजली के बिल माफ़ किए जाएँ व दिल्ली की तर्ज पर राजस्थान में भी 200 यूनिट बिजली फ्री की जाए।

वृक्षारोपण कर किया नए सत्र का शुभारंभ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिंघाना। पंचायत घरड़ाना खुर्द के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) तथा ठिंचोली, आर्य नगर घड़सीवाला जोहड़ और सांवल वाला जोहड़ विद्यालयों में नए सत्र का शुभारंभ पौधारोपण कर किया। पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी दीपचंद लाखवान ने अपने पीईईओ क्षेत्र के सभी अध्यापकों से आग्रह किया गया कि नए सत्र का शुभारंभ वृक्षारोपण के साथ करें और इसी सप्ताह में प्रत्येक अध्यापक एक वृक्ष लगाएं।

ग्राम पंचायत घरड़ाना खुर्द और पीईईओ द्वारा 5 सितंबर 2021 को शिक्षक दिवस के अवसर पर लगाए गये वृक्ष की स्थिति देखकर उन सभी अध्यापकों को सम्मानित किया जाएगा। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपचंद लाखवान , सुमन सिंह ने अपने हिस्से के वृक्ष लगाए। ठिठोली में राजकुमार ढाका, आर्य नगर में सुभाष चंद्र, घड़सीवाला जोहड़ में मुनेश ने पौधे लगाए। राजकीय प्राथमिक विद्यालय सांवलवाला जोहड़ में स्काउट लीडर हेतराम पायल ने नये शैक्षिक सत्र का शुभारंभ विद्यालय में, बड़, पीपल, नीम, अशोक, पापडी़ आदि के पेड़ लगाकर किया गया। सीसराम राव पूर्व उप निदेशक शिक्षा, पीईईओ दीपचन्द लाखवान, सरपंच उमेद सिंह राव, पर्यावरण प्रेमी विद्याधर राव, पूर्व सरपंच निहाल सिंह राव, रामावतार राव, शिक्षक राकेश कुमार, युवा योगेन्द्र कुमार, नवीन पारीक समेत अध्यापकों ने वृक्षारोपण कर उनकी सुरक्षा की जिम्मेवारी लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया ।

कोरोना काल में राजस्थान के मुख्यमंत्री का निर्णय

आजीविका का संकट झेल रहे 33 लाख परिवारों को 1000 रुपए की दूसरी किस्त जारी, प्रत्येक परिवार को अब तक 5500 रुपए की मदद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कोविड-19 महामारी के कारण आजीविका का संकट झेल रहे 33 लाख जरूरतमंद परिवारों को इस वर्ष की दूसरी किस्त के रूप में एक हजार रुपए की सहायता राशि देने के आदेश जारी कर दिए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर कुल 330 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। इनमें से 300 करोड़ रुपए आरआईएसएल और 30 करोड़ रुपए जिला कलक्टरों को ट्रांसफर किए गए हैं। यह राशि जरूरतमंद परिवारों के बैंक खातों में सीधे भेजी जाएगी।

अब तक प्रत्येक परिवार को 5,500 रुपए की आर्थिक सहायता मिली

यह सहायता कोरोना महामारी के कारण थड़ी-ठेला चलाकर गुजारा चलाने वाले, छोटे दुकानदारों, रिक्शा चालकों, निर्माण श्रमिकों, बीपीएल, स्टेट बीपीएल, अंत्योदय योजना में शामिल, स्ट्रीट वेंडर आदि ऐसे गरीब एवं असहाय परिवार, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिल रहा है को दी जाएगी। ऐसे परिवारों को संबल देने के लिए इस वित्तीय वर्ष की 1000 रुपए की पहली किस्त का वितरण माह अप्रैल 2021 में पहले ही किया जा चुका है।

गहलोत सरकार ने जारी किया था 1155 करोड़ का बजट

गहलोत सरकार ने कोविड की पहली लहर और लॉकडाउन के कारण आजीविका संकट से प्रभावित इन जरूरतमंद परिवारों को संबल देने के लिए वित्त वर्ष 2020-21 में भी प्रत्येक परिवार को 3,500 रुपए की सहायता राशि उपलब्ध कराई थी। जिस पर राज्य सरकार ने 1 हजार 155 करोड़ रुपए वहन किए थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के बजट में इन परिवारों को दो किस्तों में अतिरिक्त सहायता राशि देने की घोषणा की थी। इस प्रकार राज्य सरकार ने संकट की घड़ी में कुल 1 हजार 815 करोड़ रुपए वहन कर अब तक प्रत्येक परिवार को 5,500 रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है।

सीबीएसई में नई मूल्यांकन पद्धति से पिछले वर्षों से बेहतर नहीं रहेगा 10वीं का रिजल्ट

असेसमेंट से असंतुष्ट छात्र दे सकेंगे परीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सीबीएसई ने दसवीं परीक्षा रद्द कर जो असेसमेंट पॉलिसी तैयार की है, उससे साफ है कि रिजल्ट पिछले सालों की तुलना में बेहतर नहीं होगा। सीबीएसई ने स्कूलों से कहा है कि वे पिछले 3 साल के रेफरेंस ईयर के आधार पर रिजल्ट तैयार करें। यानी, स्कूलों का पिछले 3 वर्षों के अंदर जो सबसे बेस्ट रिजल्ट है, उससे अधिक रिजल्ट इस साल तैयार नहीं किया जा सकता है। विषयों के ओवरऑल एवरेज में भी मात्र दो अंकों का ही फेरबदल किया जा सकता है।

मिलेगा परीक्षा देने का अवसर

सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो छात्र असेसमेंट से संतुष्ट नहीं है, वे हालात सामान्य होने पर ऑफलाइन परीक्षा दे पाएंगे। हालांकि परीक्षा का शेड्यूल अभी तक जारी नहीं हो पाया है।

सीबीएसई करेगा मॉनिटरिंग

कोटा के एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा बताते हैं कि इस असेसमेंट के अनुसार एवरेज रिजल्ट को बरकरार रखने के लिए स्कूल अपने कुछ छात्रों को फायदा दे सकते हैं। जयपुर के एजुकेशन एक्सपर्ट डॉ. संजय पाराशर के अनुसार सीबीएसई को कड़ी मॉनिटरिंग करनी होगी, ताकि छात्रों का मूल्यांकन सही तरीके से हो पाए।

टेलिफोनिक भी हो पाएगा असेसमेंट

सीबीएसई ने यह भी साफ किया है कि यदि किसी छात्र ने किसी भी प्रकार इंटरनल असेसमेंट नहीं दिया है तो उसका ऑनलाइन/ऑफलाइन या फिर वन टू वन टेलिफोनिक असेसमेंट किया जा सकता है। हर विषय के ऑब्जेक्टिव के आधार पर भी उसका असेसमेंट करने का भी ऑप्शन है।

औसत, 2 अंक ही घटा-बढ़ा सकेंगे स्कूल

यदि रेफरेंस ईयर में मैथ्स में छात्रों के औसत अंक 62, साइंस में 64 हैं तो 2021 के रिजल्ट में औसत अंक मैथ्स में 60 या 64 किए जा सकते हैं। पांच विषयों का एवरेज 65 है तो 2021 में भी एवरेज अंक 65 ही रहेंगे।

ये है रेफरेंस ईयर

कोई छात्र 3 साल से किसी स्कूल में परीक्षा दे रहा है तो उसका 3 साल में जो बेस्ट स्कोर है, उसको 2021 में लिया जाएगा। इसी प्रकार छात्र किसी स्कूल में लगातार दो साल से परीक्षा दे रहा है तो उनमें से किसी एक साल के बेस्ट स्कोर के आधार पर रिजल्ट बनेगा।

10 दिन में रिपोर्ट देगी समिति

नई दिल्ली, सीबीएसई ने 13 सदस्यों की एक समिति बनाई है। यह 12वीं में मूल्यांकन के मानदंड तय करेगी। समिति 10 दिन के अंदर अपनी रिपोर्ट देगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि समयबद्ध तरीके से मूल्यांकन तय कर नतीजे जारी कर दिए जाएंगे।

जार राजस्थान ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखा

बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य की जिम्मेदारी सरकार उठाए

कोरोना से दिवंगत पत्रकारों के आश्रितों को मिले सरकारी नौकरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना से जान गंवाने वाले पत्रकारों के आश्रित परिजनों पर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। संकट की इस घड़ी में कोरोना से दिवंगत पत्रकारों के आश्रित परिजनों को सरकारी कार्मिकों की तरह सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की गई है। इस संबंध में जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखा है।

पत्र में जार के प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा व प्रदेश महासचिव संजय सैनी ने बताया कि राज्य सरकार ने पत्रकार हित में मीडियाकर्मियों को फ्रंटलाइन वर्कर मानते हुए वैक्सीनेशन में प्राथमिकता समेत अन्य सुविधाएं दी है। साथ ही कोरोना से मौत होने पर अधिस्वीकृत पत्रकारों को पचास लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। जो कि सरकार का सराहनीय कदम है। कोरोना की दूसरी लहर में युवा पत्रकार कोरोना की चपेट में ज्यादा आ रहे हैं और बहुत से पत्रकारों की मौत भी हो चुकी है। दो दिन में ही जयपुर के युवा पत्रकार तनवीर अहमद, आशीष शर्मा की कोरोना से मौत हुई। इससे पहले वरिष्ठ पत्रकार श्याम शर्मा, संजय बोहरा, जनार्दन कुलश्रेष्ठ, जितेन्द्र शर्मा, नरेन्द्र सिंह राठौड़, प्रवीण शर्मा आदि पचास से अधिक पत्रकार कोरोना से अपनी जान गंवा चुके हैं। अधिकांश दिवगंत पत्रकार की आयु तीस से पचास साल की है। पत्र में बताया कि अधिकतर दिवगंत पत्रकारों के बच्चे अभी स्कूल व कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं।

बच्चों समेत परिवार की जिम्मेदारी दिवगंत पत्रकारों की पत्नियों, भाई बहन या बुजुर्ग माता पिता पर आ गई है। ऐसे में इन परिवारों पर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पत्र में मुख्यमंत्री से दिवगंत पत्रकारों के आश्रित परिजनों में से एक को सरकारी नौकरी दिए जाने, बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य की जिम्मेदारी सरकारी स्तर पर किए जाने की मांग की है। पचास लाख रुपये की सहायता अधिस्वीकृत पत्रकारों के साथ गैर अधिस्वीकृत पत्रकारों को देने, पीआईबी की तर्ज पर कोरोना व अन्य किसी बीमारी से मौत होने पर पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने, कोरोना से पीडित पत्रकारों व परिजनों के ईलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने के आवेदन पर डीआईपीआर द्वारा एक लाख रुपये की सहायता दिलवाने, चिरंजीवी योजना में प्रदेश के सभी शहरी व ग्रामीण पत्रकारों को शामिल करने और बीमा राशि सरकार द्वारा वहन करने, पत्रकारों का मेडिकल इंश्योरेंस की सीमा दस लाख रुपये तक किए जाने की मांग की है। यह पत्र सूचना व जनसंपर्क मंत्री डॉ. रघु शर्मा, सूचना व जनसंपर्क राज्य मंत्री सुभाष गर्ग, प्रमुख शासन सचिव डीआईपीआर, निदेशक डीआईपीआर को प्रेषित की गई है।

27 हजार ग्राम पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ाया

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश के स्कूलों और पंचायतों में काम कर रहे 27 हजार ग्राम पंचायत सहायकों के लिए राज्य सरकार ने बड़ा फैसला किया हे। गहलोत सरकार ने इनके मानदेय में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की है। प्राथमिक शिक्षा विभाग की उपसचिव अनीता मीणा ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। जिसके बाद इनका मानदेय 6 हजार रुपए से बढ़कर 6600 रुपए प्रति माह हो गया है।

26 जिलों में 20 से भी कम कोरोना संक्रमित मिले

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में कोरोना के मामले अब लगातार कम हो रहे है। मंगलवार को नए संक्रमित मरीजों का आंकड़ा कम होकर 529 पर पहुंच गया है, हालांकि चिंताजनक बात ये हैं कि संक्रमितों की मौत में इजाफा हुआ है। कोरोना से 32 मरीजों की मौत हो गई। रिकवरी रेट बेहतर होने से एक्टिव केस काफी कम हो रहे है। 2617 मरीज रिकवर हुए है, वहीं अब एक्टिव केस भी घट कर 13 हजार 624 रह गई है।

चिकित्सा विभाग के आंकडों के अनुसार दो जिलों बांसवाडा और डूंगरपुर में एक भी नया संक्रमित नहीं मिला है। दूसरी लहर की शुरूआत ही डूंगरपुर जिले से हुई थी। 26 जिले ऐसे भी है, जिनमें 20 से भी कम मरीज मिले है। केवल जयपुर में ही सबसे ज्यादा 141 कोरोना के नए मरीज मिले है। राजस्थान में कोरोना के नए संक्रमित मरीज कम आ रहे है, लेकिन अभी गंभीर मरीजों की संख्या में कमी नहीं आई है। अस्पतालों में अभी भी ऑक्सीजन और आईसीयू बैड की मांग बनी हुई है। गंभीर मरीजों के कारण राज्य में बडी संख्या में मौते हो रही है।

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की प्रदेश स्तरीय वेबिनार

मानवता की सेवा में कोई नियम नहीं, एक दस्तावेज से ही पत्रकारों को सहायता-डॉ. प्रज्ञा

कोरोना से दिवंगत पत्रकारों के लिए पचास लाख की सहायता- अरुण जोशी

शहीद पत्रकारों की मदद आके मामले में अधिस्वीकृत और गैर अधिस्वीकृत की दूरी दूर करे सरकार-गोपाल शर्मा

जयपुर। केन्द्र सरकार में अधिस्वीकृत और गैर-अधिस्वीकृत का अंतर नहीं रखा गया है। कोई भी एक दस्तावेज ऐसा होना चाहिए, जो पत्रकार होना साबित करे। कोरोना से दिवगंत पत्रकारों की सहायतार्थ कोई भी आवेदन आने के बाद अधिकारी अपने स्तर पर फ ील्ड से भी रिपोर्ट मंगवाते हैं और पत्रकार परिवार को हरसंभव मदद की जाती है। केन्द्र सरकार का नजरिया हमेशा ही मदद करने का रहा है। पत्र व सूचना मंत्रालय (पीआईबी) राजस्थान की महानिदेशक डॉ. प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने

यह जानकारी मंगलवार को जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की ओर से प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा व प्रदेश महासचिव संजय सैनी के निर्देशन में आयोजित कोरोनाकाल में मीडियाकर्मियों की समस्याओं और समाधान पर चर्चा' विषयक वेबिनार में देते हुए बताया कि पत्रकार साबित करने के लिए संस्थान का नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र, बाइलाइन स्टोरीज, वेतन पर्ची अथवा संस्थान से बैंक में आने वाले भुगतान का विवरण आदि कोई भी एक दस्तावेज पर्याप्त है। इसे आवेदन के साथ अवश्य लगाएं। वेबिनार की मुख्य अतिथि डॉ. प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने विभाग की मेल आईडी साझा करते हुए कहा कि भले ही ग्रामीण पत्रकार हों या डिजिटल-इलेक्ट्रोनिक मीडिया में कार्यरत पत्रकार हों, जो कोरोनाकाल में दिवंगत हुए हैं उनके परिवारों से आवेदन जरूर करवाया जाना चाहिए। हालांकि,

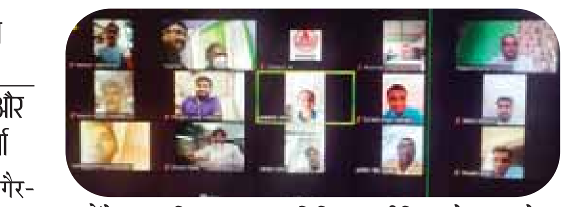

उन्होंने कहा कि अब तक डिजिटल मीडिया से जुड़ा ऐसा कोई मामला उनके पास नहीं आया है। अब तक कोरोनकाल में पीआईबी की तरफ से राजस्थान के 11 पत्रकारों को 5 लाख तक की सहायता दी गई है। उन्होंने पीआईबी की कोरोनाकाल के अलावा पत्रकारों की सहायता की अन्य योजनाओं की भी जानकारी दी।

कोरोना से दिवंगत पत्रकारों के लिए 50 लाख की सहायता- जोशी

वेबिनार के विशिष्ट वक्ता सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के संयुक्त निदेशक अरुण जोशी ने कहा कि राजस्थान के गैर अधिस्वीकृत पत्रकारों की भी सूची जल्द तैयार की जाएगी जिनमें ग्रामीण पत्रकारों को भी शामिल किया जाएगा। साथ ही, नि:शुल्क चिकित्सा के लिए उन्हें मेडिकल डायरी की सुविधा भी दी जाएगी। जिसका लाभ जल्द मिलेगा। राज्य सरकार पत्रकारों के हित में सराहनीय कार्य कर रही है। कोरोना की वजह से असमय दिवंगत हुए अधिस्वीकृत पत्रकारों को 50 लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। कोरोना से दिवगंत पत्रकारों के परिजनों की पत्रावलियां सरकार को अग्रेषित की गई हैं। इसके लिए आवेदन जिला कलेक्टर के माध्यम से करना होगा। इस योजना में गैर अधिस्वीकृत पत्रकारों के आश्रितों को भी मदद उपलब्ध हो सके, इसके लिए पत्रकार संगठनों, विभाग व सरकार के मध्य चर्चा जारी है। उन्होंने जार से आग्रह किया कि वे ऐसे पत्रकारों की भी सूची बनाकर उनके परिवारों से विभाग में आवेदन जरूर करवाएं, ताकि जैसे ही इस पर कोई निर्णय हो तो उन्हें सम्बल उपलब्ध हो सके। संयुक्त निदेशक ने यह भी बताया कि डिजिटल मीडिया में कार्यरत पत्रकारों को मदद के लिए डिजिटल मीडिया पॉलिसी पर काम चल रहा है। उन्होंने वरिष्ठ पत्रकारों की सम्मान योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 285 पत्रकारों को सम्मान राशि प्रदान की जा रही है।

मानवता के लिए अधिस्वीकृत व गैर अधिस्वीकृत का भेद मिटाए सरकार- गोपाल शर्मा

वेबिनार के मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार व जयपुर महानगर टाइम्स के प्रधान सम्पादक गोपाल शर्मा ने कहा कि कोरोना काल ने कई परिवारों से उनकी छत्रछाया छीन ली। पत्रकारिता करते हुए पत्रकारों के साथ उनके परिजन भी संक्रमित हुए। इस बीमारी से कई युवा पत्रकारों का निधन हो गया। ऐसे पत्रकार शहीद है, जिन्होंने अपना फर्ज निभाते हुए अपनी जान कुर्बान की। आज उनके परिवारों को सम्बल की अत्यंत आवश्यकता है। केन्द्र व राज्य सरकार सम्बल भी प्रदान कर रही है, लेकिन राज्य में अधिस्वीकृत और गैर-अधिस्वीकृत श्रेणी के चलते बहुत गैर अधिस्वीकृत पत्रकारों के परिवार राजकीय सहायता से वंचित हैं। महामारी के संकट की इस घड़ी में मानवता के लिए यह भेद मिटाकर समान दृष्टि से सभी को सम्बल पहुंचाने पर विचार करना जरूरी है। सरकार इस पर पहल करे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाडिया का उदाहरण देते हुए कहा कि भूखण्ड आवंटन की चर्चा के समय उन्होंने सभी पत्रकारों को समान मानने के निर्देश दिए थे। इस भेद को मिटाने के लिए सूचना व जनसम्पर्क विभाग सरकार व पत्रकारों के बीच सेतु का काम करें। यह भेद मिटा तो पत्रकारों के साथ मानवता का भी भला होगा। राजस्थान में अब तक 50 के करीब पत्रकारों का कोरोना से निधन हो गया है। पत्रकारों की सहायता के लिए जार ने आवाज उठाई है और संगठन हमेशा पत्रकारों और पत्रकार परिवारों के साथ खड़ा है। सिर्फ दिवंगत पत्रकारों ही नहीं, बीमारी के दौरान आर्थिक संकट से जूझने वाले पत्रकार परिवारों की ओर भी सरकार को ध्यान देना होगा। उदयपुर जार टीम की मेजबानी में हुई इस वेबिनार में जार के प्रदेश महासचिव संजय सैनी ने जार की ओर से पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार को समय-समय पर दिए गए ज्ञापन व प्रयासों की जानकारी दी। अंत में प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने वेबिनार में मौजूद सभी जिलाध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों व जार सदस्यों से कोरोनाकाल में संकट में दिवंगत पत्रकारों की सूची बनाने के साथ उनके परिवारों से आवेदन कराने के लिए सम्पर्क करने के निर्देश दिए। वेबिनार में जयपुर जार के अध्यक्ष विकास शर्मा, जयपुर ग्रामीण के जगदीश शर्मा, चितौड़ के अध्यक्ष विवेक वैष्णव, टोंक अध्यक्ष पुरुषोत्तम जोशी, अजमेर से अकलेश जैन, भीलवाड़ा से प्रकाश चपलोत, झालावाड़ से भँवर सिंह कुशवाह, प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा, प्रदेश सचिव कौशल मूंदड़ा, भाग सिंह, प्रदेश कायज़्कारिणी सदस्य राजेश वर्मा आदि ने विचार व्यक्त किए। अंत में उदयपुर जार के जिलाध्यक्ष नानालाल आचायज़् व महासचिव भरत मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया गया।

ANCHOR **कोरोना काल में विद्यार्थियों के हाल**

घर में रहने से बढ़ रहा वजन, चिड़चिड़ापन, ऑनलाइन पढ़ाई नहीं आती रास, करने लगी है बोर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पाली। कोरोना के चलते पिछले करीब डेढ़ माह से स्कूल-कॉलेज बंद हैं। ऐसे में घर पर ही बच्चों की ऑनलाइन क्लास चल रही हैं। लेकिन छोटी कक्षा के विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई ज्यादा रास नहीं आ रही। उनकी माने तो वे अब घर में बैठे-बैठे बोर हो रहे और वजन भी बढ़ रहा हैं। दूसरी तरफ कॉलेज लेवल के स्टूडेंट का कहना हैं उन्हें ऑनलाइन पांच से आठ घंटे तक क्लाश एटेंड करनी होती हैं। लेपटॉप पर इतनी देर काम करना भी अपने आप में थकाने वाला हैं। ऐसा लगता हैं कि हम घर में रहकर भी घर में नहीं हैं। दिन भर पढ़ाई उसके बाद खाना-पानी और सो जाना। ऐसी दिनचर्या के चलते वजन बढ़ रहा हैं। चिड़चिड़ापन भी बढ़ रहा हैं। ऐसा लगता हैं कि हम कैद से हो गए हैं। सच कहते तो ऑनलाइन क्लासेस बोर करने जैसी हैं। वहीं कुछ परिजनों का कहना हैं कि बच्चे घर में मोबाइल, टीवी का उपयोग ज्यादा करने लगे हैं। जिससे उनकी आंखें खराब होने का डर रहता हैं तथा टोकते हैं तो गुस्सा हो जाते हैं। बच्चे छोटी-छोटी बातों में आपस में झगड़ भी जाते हैं। ऐसे ही छोटी कक्षा व कॉलेज लेवल के विद्यार्थियों व उनके परिजनों से बात की तो कुछ यह बाते निकल कर सामने आई। सोमवार से स्कूल खुले हैं लेकिन कोरोना की तीसरी लहर बच्चों को अपने संक्रमण की चपेट में न ले सके इसलिए सरकार ने फिलहाल बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई ही जारी रखने का निर्णय लिया हैं। हालात कोरोना से सामान्य होने के बाद ही स्कूलों में बच्चों का फिर से शोर सुनाई दे सकेगा। आठ जून के बाद सरकार लॉकडाउन में कुछ राहत दे जिसमें कॉलेजों को निर्धारित क्षमता के साथ विद्यार्थियों को बुलाने की छूट को भी शामिल किया जा सकता हैं। लेकिन फिलहाल इसको लेकर कयास ही लगाए जा सकते हैं।

पांच से आठ घंटे ऑनलाइन पढ़ाई थका देती हैं

महावीर नगर निवासी विशेष जैन ने बताया कि वे बैंगलोर से एक संस्थान में इंजीनयरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं। कोरोना के चलते इन दिनों कॉलेज बंद हैं। ऐसे में वे भी पाली घर पर आए हुए हैं और ऑनलाइन क्लास उनकी अभी हो रही हैं। उन्होंने बताया कि रोजाना पांच से आठ घंटे तक ऑनलाइन क्लास अटेंड करना थकाने वाला हैं। इतना थक जाते हैं कि खाना खाने के बाद सीधे सोने की इच्छा होती हैं। कुछ ऐसी ही दिनचर्या चल रही हैं। इसके चलते वजन भी बढ़ रहा हैं। उन्होंने बताया कि पिछले लॉकडाउन से लगाकर अभी तक उनका आठ किलो वजन बढ़ गया हैं।

लॉकडाउन में बढ़ गया 6 किलो वजन

सीएमए की जोधपुर से पढ़ाई करने वाली पाली की मिली मेहता ने बताया कि रोज पांच से आठ घंटे ऑनलाइन क्लाश अटेंड करना थकाने वाला हैं। पढ़ाई तो कॉलेज जाकर करने में ही अच्छी लगती हैं। ऑनलाइन क्लाश में कई बार तकनीकी परेशानी के चलते टीचर क्लाश नहीं ले पाते हैं। और आठ-आठ घंटे कम्प्यूटर के सामने बैठना आंखों को भी खराब कर रहा हैं। लेकिन किया करें कोरोना के चलते वर्तमान में जो हालात हैं उसमें कॉलेज खुल नहीं सकते। घर में ही दिन भर रहते हैं। ऐसे में वजन भी छह किलो बढ़ गया। कुछ चिड़चिड़ापन भी हो गया हैं।

करीब एक साल से घर पर हूं लेकिन कॉलेज फीस व हॉस्टल फीस देनी पड़ी

मुम्बई से सीए फाइनल की पढ़ाई करने वाले पाली के कुणाल मेहता बताते हैं कि वे पिछले करीब एक वर्ष से पाली हैं। कोरोना के चलते मुम्बई में पढ़ाई नहीं हो सकी। ऑनलाइन क्लासेस चल रहे हैं लेकिन उसमें ज्यादा कुछ सीखने को नहीं मिल रहा। घर पर हैं तो भी कॉलेज प्रबंधन पूरी फीस ले रहा हैं और हॉस्टल में भी रियायत नहीं दी जा रही हैं।

9वीं की सौन्दर्य बोली, आंखें हो रही खराब

कक्षा 9वीं में पढ़ने वाली राजेन्द्र नगर निवासी सौन्दर्या गौड ने बताया कि वह कक्षा 9वीं में पढ़ती हैं। ऑनलाइन क्लासेस थकाने वाली हैं। चार-पांच घंटे लेटपॉट के सामने बैठना आंखों को खराब कर रहा हैं। थकान भी हो जाती हैं। कोरोना खत्म हो और फिर से स्कूल खुले तो पढ़ाई करने में भी मजा आए।

गुरली बोला, ऑनलाइन पढ़ाई नहीं आती समझ में

सूरजपोल क्षेत्र में रहने वाले 7वीं कक्षा में पढ़ने वाले गुरलीन सिंह ने बताया कि घर पर ऑनलाइन पढ़ाई करने में परेशानी होती थी। समझ में नहीं आती ऑनलाइन पढ़ाई। ऑफलाइन पढ़ाई अच्छी थी। दोस्तों से मिल सकते थे। स्कूल में इंजॉय कर सकते थे।

जागरूक खबरें

पर्यावरण दिवस पर ऑनलाइन वेबीनार एवं सिंगिंग कॉम्पिटिशन आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक बनाने तथा उन्हें जागरूकता प्रदान करने के लिए सैंट विल्फ्रेड पीजी कॉलेज के पर्यावरण विभाग व एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ऑनलाइन वेबीनार एवं सिंगिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। वेबीनार का विषय-पारिस्थितिकी तंत्र का उद्धार रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.बी एन पाटिल एवं डॉ.रमेश दोड़ मौजूद रहे। सैंट विल्फ्रेड कॉलेज की प्राचार्या डॉ.फरीदा हसनी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और पर्यावरण के प्रति हमारी सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया। डॉ.बी एन पाटिल (आईएएस जलगांव, महाराष्ट्र) ने ग्लोबल वार्मिंग एवं पर्यावरण परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करते हुए उनके दुष्प्रभाव को कम करने की कार्य योजना पर चर्चा की। डॉ. रमेश दोड़ (प्रोफेसर एमआइटी विश्वविद्यालय,पुणे) ने जैव विविधता,पारिस्थितिकी तंत्र, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष सुधीर वर्मा एवं डॉ. प्रेरणा शर्मा द्वारा पर्यावरण के बढ़ते दोहन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कोरोना काल में सिंगिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन एक सुखद कल्पना है जिसे विल्फ्रेड कॉलेज के विद्यार्थियों ने साकार कर बताया। जिसमे तीन दर्जन से अधिक विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर सुरीली प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में सुप्रसिद्ध गज़ल गायक डॉ सुनील राही, सुप्रसिद्ध गायिका डॉ साधना अग्रवाल एंव राजस्थान संगीत संस्थान की प्राचार्या डॉ स्निग्धा शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का आरंभ संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ श्याम सुंदर शर्मा द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय की उप प्राचार्या डॉ अनुपमा शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ज्योति उमरवाल, द्वितीय स्थान पर स्नेहा केलकर, पुनीत सिंह व तृतीय स्थान पर आकाश कौशिक, मोहित राठौर रहे। कार्यक्रम में अंत में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ फरीदा हसनी ने सभी अतिथियों का आभार किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रतिभा गुप्ता ने किया। कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के स्वयंसेवक शुभम शर्मा, अनिरुद्ध सिंह द्वारा जयपुरिया हॉस्पिटल जयपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण का कार्य किया। सैंट विल्फ्रेड एजुकेशन सोसायटी के मानद सचिव डॉ. केशव बड़ाया ने जीवन में संगीत के महत्व को बताया। प्रकृति से हमने हमेशा लिया है अब हमारा कर्तव्य बनता है कि हम प्रकृति को कुछ दें। प्रकृति के बिना हम मनुष्य जीवन की कल्पना नहीं कर सकते हैं।

भामाशाह मीणा ने गांवों में जरूरतमंदों, असहाय लोगों किया राशन कीट वितरित

सिरोही @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय मीणा युवा महासभा के जोधपुर संभाग अध्यक्ष एवं भामाशाह मोहन मीणा बांकली कई दिनों पिछले से सुमेरपुर-शिवगंज क्षेत्र के कई गांवों में व्यक्तिगत पहुंचकर जरूरतमंदों, असहाय लोगों को राशन कीट सामग्री पहुंचाकर मददगार बने हुए हैं। भामाशाह मोहन मीणा ने बताया कि उन्हें जहां से भी कॉल आ रहे है, वहां स्वयं गाडी में तैयार राशन कीटों को लेकर अलग-अलग गांवों के कच्ची बस्तियों में पहुंचकर जरूरतमंद, असहाय, निर्धन परिवार के लोगों को राशन सामग्री दे रहे हैं। वहीं आदीवासी क्षैत्र में भी कार्यकर्ताओं के साथ पहुंच खाद्य सामग्री मुहैया करवाई गई। उन्होने बताया कि अब तक उनके द्वारा 400 सौ से अधिक कीट कोरोना काल के इन दिनों में कोविड-19 गाइडलाईन की पालना करते हुए जरूरतमंदों, असहाय, निर्धन परिवार के लोगों दिए गए। शनिवार को राशन कीट देने के दौरान महेश मीणा, रमेश कुमार , चुन्नीलाल मीणा,नीरव, प्रताप मीणा, नरेश मीणा एवं मोहम्मद सफी खान साथ रहे रहे।

ऑक्सीग्रीन वाहन की रवानगी के साथ पौधरोपण शुरू

उदयपुर @ जागरूक जनता। बढ़ते हुए प्रदूषण और प्रकृति के दोहन से आज मानव जाति संकट में है। हमें रोज पर्यावरण दिवस समझकर प्रकृति का संरक्षण और संवर्धन करना होगा। यह बात नारायण सेवा संस्थान में पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिरण मगरी थानाधिकारी रामसुमेर मीणा ने कही। संस्थान संस्थापक चैयरमेन पद्मश्री कैलाश मानव और ट्रस्टी कमलादेवी अग्रवाल ने पधारे हुए अतिथि सहायक वन संरक्षक कन्हैया लाल शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी रोहित मीना और श्याम सिंह का अभिनंदन किया तथा उनके हाथों से एक एक पौधरोपण करवाया। अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि संस्थान 5 से 11 जून तक पर्यावरण सप्ताह मना रहा है। जिसके तहत 1000 वृक्ष उदयपुर के विभिन्न चिन्हित क्षेत्रों में लगाये जायेंगे। इसके लिये संस्थान के ऑक्सीग्रीन गाड़ी को थानाधिकारी व अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर कोरोना संक्रमितों के लिए चलाई जा रही निःशुल्क भोजन, राशन,ऑक्सीजन और दवाई सेवाओं की जानकारी निदेशक वंदना अग्रवाल ने दी। मीणा ने संस्थान की भोजन, राशन एवं दिव्यांगजन सेवाओं की सराहना की। साथ ही निदेशक पलक अग्रवाल ने जानकारी दी कि संस्थान के दिल्ली, जयपुर, बड़ौदा, हैदराबाद, बंगलोर, लखनऊ आदि 10 शाखाओं में आज से पौधरोपण शुरू हुआ जहाँ एक -एक हजार पौधे रोपे जाएंगे।

पेड़ लगाने की मुहिम चलाने वाले इस्माइल का किया सम्मान

कोटा @ जागरूक जनता। चम्बल बचाओ वृक्ष लगाओ अभियान के संयोजक कुन्दन चीता ने बताया की पर्यावरण दिवस पर बोरखेड़ा नहर के दोनों ओर पेड़ लगाने की क्रांति लाने वाले सेवानिवृत्त व्याख्याता इस्माइल खान पठान का पर्यावरण क्षेत्र में काम करने वाली संस्था हाड़ौती पर्यावरण संरक्षण समिति के सम्भागीय अध्यक्ष श्याम मनोहर हरित के साथ मिलकर सम्मान किया गया। इस्माइल खान कई वर्षो से बोरखेड़ा नहर के दोनों ओर पेड़ लगाते है और घरों के सामने लगे सभी पेड़ो को संभालते है तथा हर रोज पेड़ो को पानीवसमय-समय पर खाद आदि देते है, वो बोरखेड़ा क्षेत्र में पेड़ लगाने के लिय जनजागृति ला रहे है। आज के कार्यक्रम में क्षेत्र के वार्ड पार्षद यूनुस मोहम्मद बब्बू ने कहा की वो नहर के किनारे 500 ट्री गार्ड लगवाएंगे और बोरखेड़ा में हरित क्रांति लाएंगे, आज के इस लघु सम्मान समारोह कार्यक्रम में बोरखेड़ा क्षेत्र के समाजसेवी व पर्यावरण प्रेमी पृथ्वीराज कुशवाहा, भवानी मीणा, मेजर कालू खान,आरिफ बोकड़ा, रमेश कुशवाहा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

राजस्थान स्टेट गैस के 11 सीएनजी स्टेशन स्थापित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/कोटा। राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड की ओर से 11 सीएनजी स्टेशनों की स्थापना कर पीएनजी और सीएनजी वितरण का काम किया जा रहा है। इनमें से सात सीएनजी स्टेशन कोटा में काम करने लगे हैं वहीं एक सीएनजी स्टेशन नीमराना व एक सीएनजी स्टेशन कूकस में सीएनजी वितरण का काम कर रहा है। दो स्टेशन मध्यप्रदेश के ग्वालियर व शिवपुर में स्थापित किए गए हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा कि आरएसजीएल को सीएनजी-पीएनजी सेवाओं को विस्तारित करना होगा। उन्होंने कहा कि कोटा में स्थापित स्टेशनों से समयवद्ध कार्य योजना बनाकर घरेलू गैस वितरण व्यवस्था का दायरा बढ़ाया जाएं। राजस्थान गैस लिमिटेड के प्रबंध संचालक मोहन सिंह ने बताया कि कोटा में 3 नए सीएनजी स्टेशनों की स्थापना का काम जारी है। कोटा में पाइप लाइन से घरेलू गैस वितरण सुविधा से नए उपभोक्ताओं को जोड़ा जा रहा है। एमडी मोहन सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश के ग्वालियर और शिवपुर में एक-एक सीएनजी स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं और अन्य कार्य जारी है। राजस्थान माइंस एवं मिनरल लिमिटेड के एमडी ओम कसेरा ने आरएसजीएल की गतिविधियां बढ़ाने के सुझाव दिए।

बैठक में गैल गैस के सीजीएम व आरएसजीएल के बोर्ड सदस्य कपिल जैन ने बताया कि ग्रीन एनर्जी के लिए पीएनजी सीएनजी आज की आवश्यकता हो गई है वहीं पाइप लाईन से गैस वितरण सिलेण्डर की लागत से भी सस्ती है। बैठक में उपसचिव नीतू बारुपाल, वित विभाग के प्रतिनिधि संयुक्त सचिव बृजेश शर्मा, आरएसजीएल के शैलेस सुनागर, दीप्तांशु पारीक, गगनदीप राजोरिया और रवि अग्रवाल ने भी हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री के नाम विधायक रामलाल शर्मा को सौंपा ज्ञापन

लॉकडाउन अवधि में केसीसी न चुकाने वाले खाताधारकों को मिले समय सीमा की छूट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चौमू। जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा एवं तहसील अध्यक्ष पंकज बागड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम चौमू विधायक रामलाल शर्मा को ज्ञापन देकर कोरोना लॉकडाउन अवधि में केसीसी राशि न चुकाने वाले खाता धारकों को समय सीमा में छूट देकर 3 प्रतिशत सब्सिडी के पात्र मानने की मांग की है।

संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि केसीसी खाता धारकों को 1 वर्ष की अवधि में केसीसी राशि का भुगतान करने पर केंद्र सरकार की ओर से 3 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है। किसान को बैंक जाकर जमा एवं वापसी की प्रक्रिया एक ही समय में पूरी करनी होती है। इसके लिए किसान को कोई अतिरिक्त व्यवस्था नहीं करनी पड़ती, लेकिन इस बार अप्रैल और मई माह में कोरोना वैश्विक महामारी के चलते जारी लॉक डाउन तथा महामारी के चलते अधिकांश किसान यह प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके। जिससे उन्हें मिलने वाली 3 प्रतिशत सब्सिडी का नुकसान हो रहा है। लॉक डाउन एवं महामारी के चलते किसान यह प्रक्रिया पूर्ण नहीं कर सके, इसलिए अप्रैल एवं मई माह में 1 वर्ष की अवधि पूर्ण होने वाले केसीसी खाताधारकों को 30 जून तक का समय दिया जाए। 30 जून तक राशि जमा कराने वाले किसानों को 3 प्रतिशत सब्सिडी के योग्य माना जाए।

चौमू तहसील अध्यक्ष पंकज बागड़ा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते अपनी सुरक्षा के लिए किसान बैंक नहीं जा सके। सरकार ने जनता को घरों में रहने की अपील की और महामारी की दूसरी लहर से किसानों की आमदनी भी प्रभावित हुई है। ऐसे में किसानों को 30 जून तक का समय दिया जाए। वैसे ही अन्नदाता किसान को कोरोना काल में उपज की लागत ही नहीं मिल पा रही है और ऊपर से अनुदान ना मिलने से दोहरी मार पड़ेगी। क्योंकि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। इससे सरकार पर कोई अतिरिक्त भार भी नहीं पड़ेगा तथा किसानों को राहत भी मिल सकेगी।

अंजुमन मिल्लते इस्लामिया द्वारा दूसरा टिकाकरण शिविर सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कोविड 19 के टीकाकरण वैक्सिनेशन को अंजुमन मिल्लते इस्लामिया संस्थान चित्तौड़गढ़ एक उत्सव के रूप में मना रहा है।अंजुमन द्वारा चलाए जा रहे चार दिवसीय वैक्सिनेशन टीकाकरण का दूसरा शिविर गुरुवार को अंजुमन पब्लिक स्कूल गांधी नगर में आयोजित किया गया।

अंजुमन मिल्लते इस्लामिया संस्थान के प्रवक्ता अवेस अख्तर कुका व रिजवान अशरफी ने बताया की कैम्प में आने वाले लोगों को वैक्सीन लगवाने के बाद उन्हें मास्क व सेनिटाइजर वितरण किए जा रहे है। व अंजुमन केबिनेट सदस्य ख़िज़्र खान द्वारा जरूरतमन्द को 5 किलो चावल भी दिये गए। टीकाकरण के लिए आ रहे लोगो को कोरोना के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।वैक्सीन को लेकर सभी लोगों ने पूर्व में कोविड पोर्टल पर उनका रजिस्ट्रेशन करवा करके उनका वैक्सिनेशन किया जा रहा है। अंजुमन सदर जमील खान ने सभी से वैक्सीन लगवाने की अपील करते हुए कहा कि वैक्सीन न केवल कोरोना से लोगों के प्राणों ली रक्षा कर रही है बल्कि इससे कोविड की गंभीरता को भी कम करने में महत्वपूर्ण सहायता मिली है। वैक्सीनेशन से कोरोना संक्रमण के मामले भी कम किए जा सकेंगे। शिविर में कोविड- 19 टेस्ट, ब्लड प्रेशर, शुगर की भी जांच व मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में पंजीकरण की सुविधा भी थीं। इस दौरान शहर काजी अब्दुल मुस्तफा साहब,सलीम अशरफी, अंजुमन सदर जमील खान, सेकेट्री फैज मोहम्मद, कैशियर हाजी लियाकत अली,कैंप इंचार्ज खिजर खान, गुलाम रसूल, नायब सदर इनायत अली, इरशाद (भैयु), शरीफ खान, जाकिर खान, इकबाल छिपा, शाहिद लोहार, सिद्दीक नूरी, शाहिद अख्तर, फारूक गौरी,आदम खान, सलमान, सिद्दीक खान, मुर्तज़ा खान, ताहिर हुसैन, आरिफ अली आदि केबिनेट सदस्य सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जिला प्रशासन ने कोविड में अच्छा कार्य किया-गर्ग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

झुंझनूं। राज्य के तकनीकी शिक्षा. चिकित्सा और जनसंपर्क विभाग के राज्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने फेफड़ों में इन्फेक्शन से जान गंवाने वाले लोगों के मृत्यु प्रमाण पत्र में मृत्यु का कारण कोविड-19 लिखने के निर्देश दिए, भले ही उनकी आरटीपीसीआर जांच नहीं हुई हो। ताकि उन लोगों के परिजनों को भी राज्य सरकार की स्वास्थ्य बीमा समेत अन्य योजनाओं का लाभ और सहायता मिल सके। इससे पहले जिला कलक्टर उमरदीन खान ने उनके सामने जिले में कोविड की स्थिति विस्तार से रखी। डॉ. गर्ग ने जिला प्रशासन की पीठ थपथपाते हुए कहा कि जिला प्रशासन ने कोविड की स्थिति को संभालने में अच्छा कार्य किया है। राज्य सरकार ने भी सीमित संसाधनों और बिना केंद्र सरकार की सहायता के भी कोविड की दूसरी लहर पर नियंत्रण पा लिया है। लेकिन अगली लहर नहीं आए, इसके लिए बिल्कुल भी लापरवाही नहीं बरतनी है। ईश्वर ना करे कि तीसरी लहर आए, पर हमें तीसरी लहर की भी पूरी तैयारी रखनी है। सभी अधिकारीगण पूरी मुस्तैदी से कार्य करें। इसके लिए हमें संसाधन जुटाने होंगे, प्रबंधन करना होगा।

प्रेस कांफ्रेंस में वैक्सीन वेस्टेज के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह प्लांटेड खबर है। केंद्र सरकार से प्राप्त 1.80 करोड़ डोज में से 1.70 करोड़ वैक्सीन लग चुकी है, 2 लाख वैक्सीन आर्मी को दी है। ऐसे में वैक्सीन वैस्टेज होने का सवाल ही नहीं उठता।

बदलते वैश्विक परिदृश्य में ब्रिक्स की गतिशीलता

1 जून को ब्रिक्स के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की ऑनलाइन बैठक संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर प्रसाद ने किया। इसमें सभी सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया ।बदलते वैश्विक संरचना के साथ कई अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संगठन गतिशील हैं। जिसमें सभी नई आर्थिक संरचना के नव निर्माण के लिए प्रयासरत हैं। आज पूरा विश्व कोरोनावायरस संकट से परेशान है इसलिए सभी संगठनों में करोना महामारी का मुद्दा, जलवायु परिवर्तन, आतंकवादी गतिविधियों से निपटारा, एवं सतत विकास के लक्ष्य के मुद्दे समान रूप से चर्चा में रहते हैं। ब्रिक्स के इस बैठक में भी इन मुद्दों पर चर्चा की गई, जिनमें सहयोग एवं सामंजस्य से इन सभी मुद्दों को व्यवहारिक जामा पहनाने की सहमत भी जताई गई। इस संगठन की स्थापना एक ध्रुवीय वैश्विक संरचना के परिवर्तन के उद्देश्य हेतु हुई थी, जिसके पांच प्रमुख सदस्य- भारत, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका एवं ब्राजील हैं। ब्रिक्स सदस्य देशों की कुल जीडीपी 16.6 खरब अमेरिकी डॉलर है। जो किसी भी नव निर्माण एवं नव संरचना के कार्यक्रम को संचालित करने के लिए काफी है। इस संगठन के देश दुनिया के कुल आबादी का 41 फ़ीसदी(360 करोड़) का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन के सामने प्रमुख समस्या कोविड-19 के टीकाकरण की है। चीन के विदेश मंत्री श्री वांगी यी ने कहा चीन भारत के साथ इस महामारी से निपटने के लिए हर संभावित सहयोग करने के लिए तैयार है, परंतु इस सहमति के बावजूद जब अन्य प्रकार के विवाद चीन के आते हैं तो वह मुखर जाता है?। एक तरफ सहयोग की बात कर रहा है दूसरी ओर सीमा विवाद में उलझा रहता है। चीन इस संगठन में द्विपक्षीय विवादों को भी उठाता है?। जिसमें केवल उसके ही विवाद सम्मिलित नहीं होते बल्कि दक्षिण एशियाई देशों के कई विवादों को वह इस मंच में उठाता है , जिसका भारत ने सदैव विरोध किया है। ऐसे में क्या यह सभी उद्देश्यों पर सहमति है? चीन सदैव भारत को पड़ोसी राजनीति में ही उलझ आए रखना चाहता है। लद्दाख विवाद , लिपुलेखा , लिपियाधूरा विवाद हो या पाकिस्तान के आतंकवादी गतिविधियों को लेकर हो। यही कारण रहा कि जब 2017 में शंघाई सहयोग संगठन की सदस्यता भारत ने ली, उसी समय चीन ने पाकिस्तान को भी उस में सम्मिलित किया। एक और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद को खत्म करने की सहमति देता है दूसरी ओर यू एन ओ में इस संबंध में भी तो कर देता है। यह चीन का दोहरा रवैया है। इस सम्मेलन में सम्मिलित दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग मंत्री श्रुति नलेदी मंडीसा पंडोर ने कहा हमें टीकाकरण पर विचार करना चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए की सदस्य देशों के नागरिकों को जल्द से जल्द टीकाकरण हो । कोरोनावायरस की दूसरी लहर से सर्वाधिक प्रभावित भारत हुआ है ऐसे में भारत के सहयोग के लिए सभी सदस्य देशों को एकजुट होना चाहिए। रूस के विदेश मंत्री सरगेई लावरोव ने एवं ब्राजील के विदेश मंत्री कार्लोस फ्रैंको फ्रांका ने आतंकवादी गतिविधियों के उन्मूलन एवं सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की बात कही। इस महामारी के पश्चात सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की समस्या विकासशील देशों पर निश्चित रूप से आ सकती है ,क्योंकि इस दौर में सभी देशों के अर्थव्यवस्था का स्तर गिरा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है , जो भविष्यवाणी 2003 में गोल्डमैन चेंज कंपनी के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जिम ओ नील द्वारा ब्रिक्स सदस्य देशों के लिए की गई है क्या वह ऐसे में पूरी हो पाएगी? उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि 2050 तक यह देश विश्व अर्थव्यवस्था के इंजन साबित होंगे। यदि सभी देश सहयोग और सामंजस्य की रणनीति बनाकर प्रगति करें तो निश्चित रूप से यह सच साबित हो सकता है। वैश्विक परिदृश्य बदल गया है ।सभी देश अपने विचारधारा के दोनों को छोड़कर आर्थिक विकास और प्रगति की पहल कर रहे हैं। अपने आर्थिक हितों को देखते हुए एक देश कई संगठनों की सदस्यता लिए हुए हैं ,जिससे उसके आर्थिक हितों और व्यापारिक बाजार का साझा सहयोग हो सके। इस बदलती गतिशीलता का अनुसरण करते हुए वृक्ष को भी अपने उद्देश्य में परिवर्तन करना होगा। केवल उद्देश्यों में नहीं बल्कि रणनीतिक और सामरिक संरचनाओं में भी परिवर्तन करना होगा। चीन को भी यह समझना होगा कि आतंकवाद की समस्या सभी देशों को किसी न किसी रूप से प्रभावित करती है। इसका निपटारा सभी मिलकर ही कर सकते हैं। क्योंकि आज इस ग्लोबल दौर में सभी प्रकार के संगठन और व्यक्ति एक दूसरे से कनेक्ट हैं। सभी प्रकार के उद्देश्यों को चिन्हित करके जब सदस्य देश व्यवहारिक रूप पर लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत होंगे, तभी इस ग्लोबल दौर में ब्रिक्स और गतिशील बन सकेगा।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net
विचार
विकास कुमार

(लेखक रिसर्च स्कॉलर राजनीति विज्ञान विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक से है, यह उनके अपने विचार है)

अनाथ हुए बच्चों की पढ़ाई में पुरस्कृत शिक्षक करेंगे मदद

जयपुर @ जागरूक जनता। कोविड के कारण अनाथ हुए शिक्षकों के बच्चों की अब पुरस्कृत शिक्षक फोरम मदद करेगा। राज्य के राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पुरस्कृत शिक्षकों ने पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान के बैनर तले शिक्षकों के अनाथ हुए बच्चों की स्कूल शिक्षा में संबल देने की पहल की है। फोरम के महासचिव रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए ड्यूटी दे रहे फंटलाइन वारियर शिक्षक स्वयं कोरोना संक्रमित हो गए और उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। ड्यूटी के दौरान असामयिक जान गंवाने वाले शिक्षकों के बेसहारा बच्चों की स्कूल अध्ययन सामग्री का खर्च राज्य के राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मानित शिक्षक, पुरस्कृत शिक्षक फोरम की जिला इकाइयों के माध्यम से राज्य की पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान के बैनर के तजे उठाएंगे। शर्मा ने कहा कि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए राज्य के सभी जिलों में शिक्षकों ने ड्यूटी दी थी। ड्यूटी में घर.घर जाकर सर्वे, कोरोना पॉजिटिव केस कान्टेक्ट ट्रैकिंग, कोरोना रोकने के लिए आमजन में प्रचार प्रसार, रैपिड रेस्पोंस टीम के सदस्य, क्वॉरेंटाइन सेंटर में कार्य व जांच सैम्पलिंग आदि का कार्य किया था।

ANCHOR **कोरोना में लोगो के लिए बनी संकटमोचन**

कोमल ने सामाजिक सरोकारों से बनाई अनोखी पहचान

अंजलि माली @ जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। आज हम आपको सिरोही की एक ऐसी बेटी के संघर्ष की गाथा से रूबरू करवाएगें जिसकी जान कर आपको भी बेटियों पर गर्व हो व फर्क होगा। जी हा एक बेटी का सपना होता हैं अपने पिता की परछाई बनना। परंतु कभी कभी जीवन में अपनों का साया उठ जाता हैं और समय अपना खेल खेल जाता हैं। कहते हैं ना जीवन मे समय कभी एक जैसा नहीं रहता उतार चढ़ाव, सुख दुःख आते रहतें है। इसलिए जीवन मे हमेशा राह में मिलने वाली चुनोतियों को स्वीकार करते हुए उनसे पार पाने के लिए कर्तव्य के पथ पर अग्रसर रहना नितांत आवश्यक है ताकि हम अपने लक्ष्य पाने में सफल होंगे।

चुनोतियों को सहर्ष स्वीकार करना व उनसे निकलना ही जीवन है

जिंदगी की चुनौतियों का डटकर मुकाबला करने वाले जांबाज कभी हारते नहीं हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण शिवगंज की कोमल परिहार ने दिया हैं। यह एक ऐसा नाम हैं जिसने इन दिनों सोशल मीडिया पर अपने काम, अपनी लेखनी के जरिये हजारों लोगों को अपना प्रशंसक बना दिया हैं। कोमल ने हाल ही मे अपनी कानून की पढाई पूरी की हैं। और वर्तमान में वह समाज सेवा के कार्य में लगी हुई हैं। कोरोना की इस महामारी ने जहां एक ओर हमे अपनों से दूर कर दिया हैं, वही कोमल ने सभी के लिए मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाए। कोविड रोगियों को बेड उपलब्ध कराने और आक्सीजन तथा ब्लड भी उपलब्ध करवाने जैसी नेक पहल की। इस एक पहल व्हाट्सएप समूह में सिरोही शिवगंज व अनेक गांव से समाजसेवी जुडे हुए है। जिसके मार्फ़त सामाजिक सरोकारों के कार्यो में निरंतर अहम योगदान दिया जा रहा।

एबीवीपी को शिवगंज में दिलाई एक अनोखी पहचान

कोमल परिहार के निडर व्यक्तित्व का यह सफर सन 2012 में शिवगंज महाविद्यालय के छात्र संघ चुनाव से शुरू हुआ। और इतना ही नही कोमल 2015 में एबीवीपी की विभाग संयोजक बनी जो राजस्थान की प्रथम लडकी थी। यह पद पाना उनकी काबिलियत का ही बेहतरीन उदाहरण है। क्योकि समाज मे आज भी बेटियों और बेटों में भेदभाव के दृष्टिकोण से देखा जाता है। उन लोगो को कोमल जैसी बेटी से सीख लेनी होगी। क्योंकि वर्तमान परिपेक्ष्य में बेटियां किसी क्षेत्र में कमजोर नहीं है। बल्कि कुछ क्षेत्रों में तो पुरुषों के बराबर तो कुछ क्षेत्रों में पुरुषों से भी आगे निकल चुकी है बेटियां।

सोशल मीडिया पर दिन-दिन बन रही सबकी चहेती

कोमल ने अपने सादगीपूर्ण व्यक्तित्व से सभी को अपना प्रशंसक बना दिया हैं। कोमल परिहार के इंस्टाग्राम पर 22 हजार फॉलोवर्स हैं। जो कोमल की बातों से बहुत प्रेरणा ले रहे हैं। और उनसे प्रेरणात्मक सुझाव मांग रहे हैं। कोमल अपने फेसबुक अकाउंट पर भी हजारों लोगों की रोल मॉडल बनी हैं। साथ कई लोगो के लिए मार्गदर्शक की भूमिका में भी कार्य कर रहीं हैं। हर कोई अपनी ओर तभी आकर्षित होता है जब हम में कुछ काबिलियत हो या कुछ करने का जुनून कुछ ऐसा ही कोमल से जुड़े लोगों का कहना भी है, दीदी हमारे लिए एक हौसला है।

सबकी चहेती कोमल समाज सेवा में भी हैं आगे

इस भागदौड़ की जिंदगी में लोग पैसा कमाने से ऊपर उठ नहीं पाते। दूसरी तरफ कोमल परिहार अपना सबकुछ छोड़कर सामाजिक सरोकारों के कार्यों में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे रहीं हैं। साथ जी कई समाज सेवा से जुड़े संगठनों से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष योगदान दिया है। वही कोमल इससे पूर्व में भी मानव आस्था संस्थान से जुडी थी जो जाडे मे गरीब लोंगों तक भोजन तथा गरम कपडे पहुचाते थे। कोमल शिवगंज के लीओ क्लब की उपाध्यक्ष भी रह चुकी हैं। वर्तमान में वह कोविड रोगियों की पूर्ण सेवा में लगी हैं। साथ ही क्षेत्र में सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यो में अपनी अहम भागीदारी निभा रहीं हैं जो काबिले तारीफ़ है।

हाल ही में किया एक बडा सपना साकार

कोमल परिहार व उनके भाई कुनाल परिहार ने मिलकर पेट्रोलपंप शुरू करने के लिए ड्रॉ प्रकिया में भाग्य आजमाया, जिसके तहत पेट्रोलपंप स्वीकृत भी हुआ। कहते हैं ना कि ईश्वर भी उसी का साथ देता है जिसके मन मे कुछ करने का हौसला जुनून हो। कुछ ऐसा ही कोमल के साथ भी हुआ। नियमानुसार ड्रॉ प्रकिया के तहत पेट्रोल पंप खुल गया। जिसका नामकरण बजुरिया पेट्रोल पंप रखते हुए सिरोही विधायक संयम लोढा के आतिथ्य में पूर्ण विधिविधान से भूमि पूजन करके शुरू कर दिया है। भूमि पूजन के कार्यक्र म में कई नामी हस्तियों ने शिरकत करके कोमल का हौसला बढ़ाया।

बेटियों को कर रही हैं आगे बढने के लिए प्रेरित

कोमल अपने लेखन के जरिये तो सभी को कुछ करने के लिए प्रेरित कर ही रही हैं। साथ ही कोमल लडकियों की प्रतिभा को उजागर करने के लिए मंच भी दे रही हैं। 2019 में उडान नामक कार्यक्रम करवाया जिसमे हजारों लोग उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम में नारी शक्ति व पूर्व जिला प्रमुख पायल परसरामपुरिया से लेकर एबीवीपी की कई महिला पदाधिकारी उपस्थित रही थी। कोमल ने अपने कार्य और व्यक्तित्व के जरिये सभी को यह बता दिया हैं कि जज्बा, जोश और जुनून बुरे वक्त को भी सुनहरे अवसर में बदल सकते हैं। कोमल हर क्षेत्र में आगे हैं वह शिवगंज कोलेज की विकास समिति की सदस्य भी रह चुकी हैं, लडकिया किसी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं इसकी मिसाल कायम करने के लिए 2019 मे ही एम पी एल नाम से पहली बार महिलाओं के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन भी करवाया। जिसमे माली समाज की लडकियों ने बढ चढ कर भाग लिया। वास्तव मे कोमल माली समाज की वह प्रतिभा बन उभरी हैं जिस पर सम्पूर्ण माली समाज को गर्व हैं।

जागरूक खबरें

ईसीबी में "सूचना प्रोद्योगिकी वीक" का हुआ समापन

बीकानेर @ जागरूक जनता। इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर के कंप्यूटर साइंस विभाग एवं इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में "सूचना प्रोद्योगिकी वीक" का आज समापन हुआ। कार्यशाला संयोजक डॉ. ऋतुराज सोनी व प्रश्नोत्तरी समन्वयक चारू जैन ने बताया कि "सूचना प्रोद्योगिकी वीक" के अंतर्गत कंप्यूटर विज्ञान व आई.टी. से सम्बंधित शोधार्थियों, विद्यार्थियों व शिक्षकों के ज्ञानार्जन वृद्धि हेतु कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमे "ऑनलाइन टूल्स फॉर एजुकेशन" विषयक पांच दिवसीय कार्यशाला व "कंप्यूटर साइन्स" विषयक क्विज का मुख्यरूप से आयोजन किया गया। प्राचार्य जयप्रकाश भामू ने कार्यक्रम में ऑनलाइन शिक्षण के प्रमुख टूल्स व परीक्षा सम्बन्धी कार्यों का ऑनलाइन संचालन की तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के प्रतिभागियों को गूगल मीट गूगल क्लासरूम, सिस्को वेबैक्स एवं कैनवस टूल पर प्रशिक्षण दिया गया। विनोद चौधरी ने बताया कि कंप्यूटर विषयक क्विज में कुल 1276 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रमाण पत्र हेतु न्यूनतम आहर्ता 70 प्रतिशत अंक पाने वाले 1062 प्रतिभागियों ने सर्टिफिकेट के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता में 98% प्रतिशत अंक प्राप्त कर अजमेर इंजीनियरिंग कॉलेज की शुभांगी त्यागी ने प्रथम स्थान तथा महालिंगम कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग कॉलेज ऑफ टेक्नालजी, तमिलनाडु, की काव्या ने द्वितीय स्थान एवम स्वामी केशवानंद कॉलेज जयपुर की जाग्रति शर्मा को तृतीय स्थान मिल। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनिंदर नेहरा व डॉ. धनरूपमल नागर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन रजिस्ट्रार डॉ. मनोज कुड़ी ने दिया व मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. अजय चौधरी ने संबोधित किया।

आमजन को कोरोना के प्रति किया जागरूक

केशोरायपाटन @ जागरूक जनता। कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेष में कोविड-19 महामारी के संक्रमण की दूसरी लहर के प्रसार की श्रृंखला को तोड़ने के उद्देष्य से राज्य सरकार द्वारा सम्पूर्ण प्रदेष में लागू किये गये जन अनुषासन पखवाड़ा के तहत सुरेश कुमार रेगर अधिशाषी अधिकारी की अगुआई में नवदीप सिंह बग्गा कार्यवाहक सफाई निरीक्षक सहित पालिका टीम द्वारा अभियान चलाकर क्षेत्र में आमजन को कोरोना के प्रति जागरूक करने हेतु 5 ऑटो रिक्शा चलाये जा रहे। जिनमें कोविड-19 के संबंधित झिंगल्स एवं स्लोगन एवं अपील चलाई जाकर आमजन जागरूक किया जा रहा है साथ ही प्रत्येक ऑटो में पालिका कर्मचारी बेठे हुए है जिनके द्वारा रास्ते में बिना मास्क मिलने वाले व्यक्तियों को रोक कर उनको मास्क पहनने हेतु समझाईश की जा रही है। तथा पालिका टीम द्वारा सॉशल डिस्टेंसिंग की पालना करते हुये रेली/कोरोना रथ निकाला जाकर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डो में एवं मुख्य-मुख्य स्थानो पर 115 मास्क, 115 स्टीकर छिपकाये/ वितरित किये गयें। तथा उपखण्ड कार्यालय, मजिस्ट्रेट कार्यालय, डिप्टी ऑफिस, पुलिस थाना में कुल 6 लीटर सोडियम हायपोक्लोराईट का छिड़काव किया गया।

भारत जैन महामण्डल हुबली शाखा द्वारा वृक्ष रोपण कर गौसेवा का कार्य किया

हुबली @ जागरूक जनता। भारत जैन महामण्डल हुबली शाखा द्वारा परसापुर स्तिथ पांजरापोल गौशाला में वृक्षारोपण कर पर्यावरण दिवस मनाया, महामण्डल के कार्यदर्शी इन्दर जैन ने बताया की पिछले एक वर्ष के समय से पुरा विश्व वैश्विक महामारी कोविड से संघर्ष कर रहा है ।कोरोना की दुसरी लहर मे प्राण वायु (आक्सीजन) के लिऐ त्राहि -त्राही मची थी। यही हाल रहा तो आने वाले वर्षों मे हमे आक्सीजन हेतु प्राकृतिक रूप से निर्भर न रहकर सिलेंडर पर निर्भर होना पड सकता है इसी को ध्यान में रखते हुए भारत जैन महामडंल हुबली शाखा के प्रत्येक सदस्यों द्वारा को कम से कम एक पेड लगाने का निर्णय लिया जिसकी शुरुवात महामण्डल ने पांजरापोल गौशाल से की और आगे पुरे वर्ष तक शहर के अलग अलग कोनो में पेड़ पौधे लगाए जायेगे व उनकी देखभाल की जाएगी। साथ ही, जैन ने बताया की हम इस वर्ष को पर्यावरण सुरक्षा वर्ष के रूप में मनाएंगे जिसके तहत पुरे वर्ष शहर के अलग अलग कोनो में वृख लगाकर उनकी देखभाल भी करेंगे, वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ ही महामण्डल के सदस्यों ने कोरोना महामंत्री के बिच गौ सेवा का लाभ भी लिया व गौमाता को गुड़, केला, चारा खिलाया गया। इस अवसर पर महामण्डल के अध्यक्ष सुभाष डंक, कार्यदर्शी इन्दर जैन, कोषाध्यक्ष बाबूलाल जैन, प्रकाश दोषी, अक्षत संकलेचा सहित अन्य उपस्तिथ थे ।

पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह का 'विश्व पर्यावरण दिवस साहित्यिक महोत्सव' सम्पन्न

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन "विश्व पर्यावरण दिवस साहित्यिक महोत्सव" का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'पर्यावरण का प्रभाव' रखा गया। इस महोत्सव में कुछ विदेशी रचनाकारों सहित देशभर के रचनाकारों ने भाग लिया तथा दिए गए विषय पर आधारित अपनी उत्कृष्ट रचनाओं को प्रस्तुत कर, पर्यावरण प्रदूषण के कारण उत्पन्न होने वाले गंभीर संकटों के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस महोत्सव में समूह द्वारा सहयोग हेतु विशेष रूप से नीता शेखर (रांची, झारखंड) का चयन किया गया था। जिन्होंने अपने विशिष्ट सहयोग से ऑनलाइन 'विश्व पर्यावरण दिवस साहित्यिक महोत्सव' को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। समूह द्वारा महोत्सव में शामिल होने वाली विशिष्ट सहयोगी शख्सियत नीता शेखर जी सहित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को "पुनीत पर्यावरण प्रहरी" सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार जी ने महोत्सव में सम्मिलित रचनाकारों के पर्यावरण हित में किए गए अनूठे प्रयास की प्रशंसा की और भविष्य में भी रचनाकारों को पर्यावरण जागृति के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह इसी तरह आगे भी ऑनलाइन 'साहित्यिक महोत्सवों और प्रतियोगिताओं' के माध्यम से अपने सामाजिक दायित्वों को निभाता रहेगा तथा नए रचनाकारों को साहित्यिक मंच उपलब्ध करवा के साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा। इस महोत्सव में पर्यावरण के प्रभाव पर आधारित अपनी उत्कृष्ट रचनाएं प्रस्तुत करके लोगों को पर्यावरण के बारे में जागरूक करने वाले रचनाकारों में प्रमुख नाम नीता शेखर, मीता लुनिवाल, रामभरोस टोण्डे, संगीता सिंघल विभु, डॉ. ऋतु नागर, सुनीला गुप्ता, अनुपमा तोषनीवाल, निर्मला कर्ण, नवीन जोशी 'नवल', नीरज सिंह, सोमलता सुषमा, वाणी कर्ण, सरला सोनी "मीरा कृष्णा", किरन वर्मा, लीना खेरिया, राधा सोहाने रचनाकारों के रहे।

पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में नेत्र चिकित्सालय में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में देशना वीरा केंद्र के सदस्यों द्वारा अध्यक्ष सुनीता सिसोदिया के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस: भाविप का प्रकृति से जुडो अभियान

साईकिल रैली निकाल किया 29 कोरोना योद्धाओं का सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चितौड़गढ़। भारत विकास परिषद् द्वारा विष्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकृति से जुडिये अभियान के तहत् 36वीं मासिक साईकिल रैली निकालकर 29 कोरोना योद्धाओं का सम्मान मुख्य अतिथि नगर परिषद् आयुक्त रिकंल गुप्ता के मुख्य अतिथ्य, बालकिषन धूत परिषद् अध्यक्ष की अध्यक्षता व पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष कमल जैन, पूर्व अध्यक्ष डॉ. आई.एम. सेठिया, दिनेष खत्री, षिवप्रकाष पुंगलिया, कैलाष न्याति अनिल ईनाणी व अतुल सिसोदिया के विषिष्ठ आतिथ्य में प्रताप पार्क में सम्पन्न हुआ। परिषद् सचिव नवीन वर्डिया व कोषाध्यक्ष राजेष न्याति के अनुसार साईकिल रैली प्रताप पार्क से फव्वारा चौंक, कन्या आर्य गुरूकुल, गायत्री मन्दिर से सांवलिया चिकित्सालय होते हुए समापन प्रताप पार्क पर किया। मुख्य अतिथि रिकंल गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण चेतना के लिए जन चेतना जागृत करने की जरूरत है व इस कठिन समय में श्मषान की सारी क्रिया को सम्पन्न करने वाले सच्चे कोरोना योद्धाओं का सम्मान जन जन के लिये प्रेरणादायी है व परिषद् ने इस जन जागृति का बीडा उठाया है यह सराहनीय है। इस कार्यक्रम में शान्तिलाल भराडिया, भरत माहेष्वरी, डी.सी. पुरोहित, सुनील त्रिपाठी, राजेष पगारिया, रमेष ईनाणी, देवेन्द्र अरोडा, सीताराम मालीवाल, राकेष मंत्री, कृष्णगोपाल डाड, दिलीप वंगानी चान्दमल नन्दावत, सी.पी. सुखवाल, ब्रजेष मोदानी, एन.के. जोषी, जगदीष सोमानी, उमेष हेडा, रमेष खन्ना व महेष डागा आदि की उपस्थित में परिषद् अध्यक्ष बाल किषन धूत ने सभी का स्वागत कर परिषद् कार्यक्रमों की जानकारी दी व आभार सचिव नवीन वर्डिया एवं संचालन अनिल ईनाणी ने व्यक्त किया।

साहसी 29 कोरोना योद्धाओं का सम्मान

परिषद् अध्यक्ष धूत के अनुसार कोरोना से दिवंगत आत्मा को अस्पताल में सेवा देने वाले 6 कर्मचारी, मोक्षधाम में कार्य सम्पन्न करने वाले 18 नगर परिषद् कर्मचारी व 4 श्मषान प्रभारी व 1 लावारिष लाषों के दाह संस्कार करने वाले योद्धा का नगर परिषद् आयुक्त रिकंल गुप्ता, डॉ. आई.एम. सेठिया, पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष कमल जैन व अन्य अतिथियों ने स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र भेटकर अभिनन्दन किया।

75वां पोस्टर विमोचन व साईकिल रैली में बच्चों की भी सहभागिता

परिषद् कार्यक्रम संयोजन षिवप्रकाष पुंगलिया के अनुसार प्रभावी रैली में छोटे बच्चों में मास्टर लक्ष्य वजीरानी, भव्य वजीरानी, हार्दिक वंगानी, हितेष वंगानी, तनवी हासीजा, खुषी राणावत, मुस्कान राणावत, हिताक्षी वंगानी वरिष्ठजनों में दिनेष खत्री, कृष्णचन्द अग्रवाल, महेन्द्र जैन, महेष पुरोहित, चन्द्रकिषोर व्यास व चेतन गौड़ का उत्साह देखने लायक था। रैली में पर्यावरण चेतना के नारे लगाते हुए आमजन को प्रेरित करने का प्रयास किया।

नगर परिषद ने जारी किए आदेश

दिलीप पटेल बने सिरोही के ब्रांड एम्बेसडर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। सिरोही के विभिन्न पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों को बढ़ावा देने ओर जागरूकता अभियान के संबंध में शहर में प्रचार प्रसार करने के लिए नगर परिषद द्वारा दिलीप पटेल को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया है। दिनांक 29 अक्टूबर 2020 को नगर परिषद सिरोही मंडल की साधारण बैठक के प्रस्ताव में लिए गए निर्णय के अनुसार विधायक महोदय, संयम लोढ़ा, सभी पार्षदगण,अधिकारी की सर्व सम्मति से दिलीप पटेल सिरोही को ब्रांड एम्बेसडर बनाने का निर्णय लिया था जिसे परिषद द्वारा आधिकारिक पत्र जारी कर नियुक्त किया है। नगर परिषद सभापति महेंद्र मेवाड़ा, आयुक्त महेंद्र सिंह चौधरी उपसभापति जितेंद्र सिंघी की उपस्थिति में दिलीप पटेल को सिरोही नगर पालिका की ओर से ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया। इस मौके पर पार्षदगण मारूफ हुसैन, धनपत सिंह राठौड़, मगन मीना, सुधांशु गॉड, उत्तम पटेल, अनिल कुमार, अनिल सग्रवंशी भी उपस्थिति रहे। आपको बता दे कि दिलीप पटेल माउंट आबू के भी ब्रांड प्रोमोटर है और इनके द्वारा वहाँ पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे है। वहीं अब पटेल जल्द ही सिरोही में भी पर्यटन प्रचार प्रसार और जागरूकता अभियान शुरू करेंगे।

18 से 44 आयु वर्ग का टीकाकरण जल्द होगा शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश के 18 से 44 आयु वर्ग के लिए एक बार फिर से कोरोना टीकाकरण सुचारू होने जा रहा है। बुधवार से इस आयुवर्ग के लोगों के टीकाकरण के लिए टीकों की खेप पहुंचनी शुरू हो जाएगी। इसके बाद गुरुवार से यह टीकाकरण शुरू किया जा सकता है। मंगलवार से इस आयुवर्ग के लाभार्थियों के लिए स्लॉट बुकिंग शुरू कर दी गई है। वहीं वैक्सीन की कमी के चलते युवाओं का टीकाकरण प्रदेश में रोक दिया गया था, अब इस वैक्सीनेशन के लिए राज्य सरकार द्वारा एडवांस दी गई राशि के तहत 9 जून को वैक्सीन निर्माता कंपनियों से वैक्सीन मिलना शुरू हो जाएंगी। अलग-अलग खेपों में लगभग 12 लाख 70 हजार वैक्सीन प्रदेश को मिलेंगी।

यह रहेगा वैक्सीन का गणित

चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि ने कहा कि प्रदेश में 18 से 44 आयुवर्ग के लोगों के लिए कुल 30 लाख 57 हजार 720 वैक्सीन के लिए कोविशील्ड और कोवैक्सीन के लिए कंपनियों को राज्य सरकार के खर्चे पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की एडवांस राशि दी गई थी। इनमें से 24 लाख 49 हजार 380 डोज कोविशील्ड व 6 लाख 4 हजार 340 डोज कोवैक्सीन आनी थी। बुधवार को लगभग 12 लाख 70 हजार वैक्सीन मिलने जा रही हैं। प्राप्त वैक्सीन के अनुसार वैक्सीनेशन कार्यक्रम चलाया जाएगा।

कनिष्क बने प्रदेश संगठन मंत्री

चौमू @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज जिंदल की सहमति से एवं युवा प्रदेश अध्यक्ष सन्मति हरकारा के निर्देशानुसार प्रदेश महामंत्री राजेश अग्रवाल द्वारा कनिष्क गर्ग को प्रदेश संगठन मंत्री के पद पर मनोनीत किया गया उनके मनोनयन से सम्मेलन को अधिक मजबूती मिलेगी।

बाबा जयगुरुदेव महाराज की 9वीं पुण्य तिथि

घरों में मनाया भंडारा, लाखों को कराया भोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चौमू। देश-विदेश के करोड़ो लोगों को शाकाहारी सदाचारी नशामुक्त बनाने वाले विश्वविख्यात सन्त बाबा जयगुरुदेव महाराज की 9वीं पुण्यतिथि (भंडारा) पर्व 08 जून को मनाया गया। बाबा जयगुरुदेव महाराज ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी के दिन ही 116 वर्ष की उम्र में अपने निज धाम जाने की मौज की थी। बाबा जयगुरुदेव संगत राजस्थान के मिडिया प्रभारी मुकुट बिहारी ने बताया कि वैसे भंडारे का ये महापर्व प्रतिवर्ष बाबा जयगुरुदेव आश्रम उज्जैन, मध्यप्रदेश में पूज्य संत महाराज के सानिध्य में मनाया जाता है जिसमें लाखों की संख्या में भक्त पहुँचते है लेकिन इस वर्ष कोरोना महामारी के कारण राजस्थान और जयपुर जिला की संगत ने महाराज जी के आदेशानुसार सरकारी नियम के अंतर्गत अपने घरों में ही भंडारा पर्व मनाया। इस अवसर पर जयपुर में रजनी विहार आश्रम 200 फिट बाई पास पर गुरूजी की पूजा-वंदना (जयगुरुदेव नामध्वनि) करके दस हजार से अधिक लोगों को भोजन बनाकर वितरित किया गया। इस मौके पर सभी सत्संगी भाई-बहन प्रातः 7 बजे गुरु का पूजन किया और जयगुरुदेव नाम की ध्वनि अपने अपने घरों में की। पुरे राजस्थान में बाबा जयगुरुदेव जी महाराज की 9वीं पुण्य तिथि (भंडारा) पर एक लाख से अधिक असहाय एवं जरुरत मंद लोगों को भोजन कराया और सभी के घरों में बनाया हुआ भोजन प्रसाद अपने आस पास के लोगों को खिलाया और गायों को चारा भी खिलाया।

आगंतुकों के बैठने के लिए छांव में रखवाई कुर्सियां

सुशील अग्रवाल @ जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान व अग्रवाल युवा मंडल चौमू की ओर से बस स्टैंड, मोरिजा रोड, सर्किल, चौमू पर यात्रियों व आगंतुकों के बैठने के लिए पेड़ की छांव में कुर्सियां रखवाई गई। अखिल भारतीय अग्रवाल युवा मंडल के प्रदेश प्रवक्ता संदीप अग्रवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम अखिल भारतीय अग्रवाल युवा सम्मेलन पूर्वी राजस्थान के महामंत्री व अग्रवाल युवा मंडल चोमू के अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य मनीष गोयल, व पूर्वी राजस्थान उपाध्यक्ष व अग्रवाल युवा मंडल महामंत्री सीए शिव गुप्ता की पहल पर आयोजित किया गया। महामंत्री राजेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि युवा अग्रवाल सम्मेलन द्वारा कुर्सियों के अलावा, सफाई कर्मचारियों का कोरोना वॉरियर्स के रूप में मास्क, सैनिटाइजर भेंटकर व माला पहनाकर सम्मान किया गया। आपको बता दें अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन व अग्रवाल युवा मंडल समय-समय पर समाज सेवा के कार्य आयोजित करता रहता है पूर्व में भी इनके द्वारा राहगीरों को मास्क व सेनेटिसर आदि वितरित किये गए है। कार्यक्रम में समाज के घनश्याम बिडला, सुशील अग्रवाल, रमन अग्रवाल, विष्णु मोदी, राकेश अग्रवाल, सीए संदीप अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, कनिष्क गर्ग, प्रमोद गोयल आदि लोग उपस्थित रहे।

कब रुकेगी भोजन की बर्बादी?

जागरूक जनता
jagrukjanta.in
विचार
रमेश सर्राफ धमोरा

भोजन की कमी व दूषित भोजन खाने से प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और खाद्य और कृषि संगठन को दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों का नेतृत्व करने और पौष्टिक खाने के प्रति लोगों को जागरुक करने की जिम्मेदारी दी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 2018 में पहली बार खाद्य और कृषि संगठन के सहयोग से विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया था। इसके बाद पहली बार 7 जून 2019 में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाने लगा है।

इस बार हम तीसरा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार इससे खाद्य सुरक्षा लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई जा सकती है और विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों को भी ध्यान में लाया जा सकता है। इस दिन को मनाने के पीछे खाद्य सुरक्षा के प्रति लोगो को जागरूक करने का उद्देश्य था। जो खराब भोजन का सेवन करने की वजह से गंभीर रोगों के शिकार बन जाते हैं। रोटी, कपड़ा और मकान मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं मानी जाती है। जिसके बिना मनुष्य का जीवन बहुत मुश्किल है। इसमें रोटी सबसे महत्वपूर्ण है। क्योंकि रोटी के बिना तो मनुष्य जिन्दा भी नहीं रह सकता है। खाद्य सुरक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित किया जाना है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित और पौष्टिक भोजन मिल सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में हर दस में से एक व्यक्ति दूषित भोजन का सेवन करने से बीमार पड़ जाता है। जो कि सेहत के लिए एक बड़ा खतरा है। कोरोना महामारी के संक्रमण को देखते हुए इस बार विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस संक्षिप्त रूप में मनाया जाएगा। जिसमें लोगों को सेहत से जुड़े मुद्दों पर ऑनलाइन एक-दूसरे के साथ बातचीत करने का मौका मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व में अपने मन की बात कार्यक्रम में देश की जनता से बात करते हुए लोगों से खाने की बर्बादी रोकने की अपील की थी। उन्होने कहा कि ऐसा करना गरीबों के साथ अन्याय व समाजद्रोह है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि आपने कभी सोचा है कि हम जो जूठन छोड़ देते हैं। उससे हम कितने गरीबों का पेट भर सकते है? उन्होने कहा था कि इस पर सामाजिक जागरूकता बढनी चाहिए। भारत में हर वर्ष जितना भोजन तैयार होता है उसका एक तिहाई बर्बाद चला जाता है। बर्बाद जाने वाला भोजन इतना होता है कि उससे करोड़ो लोगों की खाने की जरूरत पूरी हो सकती है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में बढ़ती सम्पन्नता के साथ ही लोग खाने के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं। खर्च करने की क्षमता के साथ ही खाना फेंकने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। विश्व खाद्य संगठन के अनुसार देश में हर साल पचास हजार करोड़ रूपये का भोजन बर्बाद चला जाता है। एक ऑकलन के मुताबिक बर्बाद होने वाले भोजन की धनराशि से पांच करोड़ बच्चों की जिदगी संवारीं जा सकती है। इस संदर्भ में विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य अपव्यय को रोके बिना खाद्य सुरक्षा सम्भव नहीं है। इस रिपोर्ट में वैश्विक खाद्य अपव्यय का अध्ययन पर्यावरणीय दृष्टिकोण से करते हुए बताया है कि भोजन के अपव्यय से जल,जमीन और जलवायु के साथ साथ जैव-विविधता पर भी बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक हमारी लापरवाही के कारण पैदा किए जाने वाले अनाज का एक तिहाई हिस्सा बर्बाद कर दिया जाता है। देश में एक तरफ करोड़ो लोग खाने को मोहताज है। वहीं लाखों टन खाना प्रतिदिन बर्बाद किया जा रहा है।

हमारे देश में हर साल उतना गेहूं बर्बाद होता है, जितना आस्ट्रेलिया की कुल पैदावार है। नष्ट हुए गेहूं की कीमत लगभग 50 हजार करोड़ रुपये होती है और इससे 30 करोड़ लोगों को सालभर भरपेट खाना दिया जा सकता है। हमारे देश में 2.1 करोड़ टन अनाज केवल इसलिए बर्बाद हो जाता है। क्योंकि उसे रखने के लिए हमारे पास पर्याप्त भंडारण की सुविधा नहीं है। औसतन हर भारतीय एक साल में छह से 11 किलो अन्न बर्बाद करता है। साल में जितना सरकारी खरीदी का धान व गेहूं खुले में पड़े होने के कारण नष्ट हो जाता है। उतनी राशि से गांवो में पांच हजार वेयर हाउस बनाए जा सकते हैं। भारत में अनाज को अन्नदेव का दर्जा प्राप्त है। यही कारण है कि हमारे देश में भोजन झूठा छोडना या उसका अनादर करना पाप माना जाता है। मगर आधुनिकता के चक्कर में हम अपने पुराने संस्कार भूल गए हैं। हमारे यहां शादियों, उत्सवों या त्यौहारो में होने वाली भोजन की बर्बादी से हम सब वाकिफ हैं। इसके उपरांत भी हम इन अवसरों पर ढेर सारा खाना कचरे में फेंक है। कई बार तो घरों के आसपास फेंके गए भोजन से उठने वाली दुर्गंध एवं सड़ांध वहां रहने वालों के लिए परेशानी खड़ी कर देती हैं। शादियों में खाने की बर्बादी को लेकर भारत सरकार भी चिंतित है। खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि वह शादियों में मेहमानों की संख्या के साथ ही परोसे जाने वाले व्यंजनों की संख्या सीमित करने पर विचार कर रहा है। इस बारे में विवाह समारोह अधिनियम, 2006 कानून भी बनाया गया है। हालांकि इस कानून का कड़ाई से कहीं भी पालन नहीं किया जाता है।

खाने की बर्बादी रोकने की दिशा में देश में महिलाएं बहुत कुछ कर सकती हैं। महिलाओं को अपने घर के बच्चों में बचपन से यह आदत डालनी होगी कि जितनी भूख हो उतना ही खाना लो। एक-दूसरे से बांट कर खाना भी भोजन की बर्बादी को बड़ी हद तक रोक सकता है। भोजन की बर्बादी रोकने के लिए हमें अपनी आदतों को सुधारने की जरूरत है। धार्मिक लोगों एवं स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए। आज कल कई शहरो में समाजसेवी लोगो ने मिलकर रोटी बैंक बना रखा हैं। रोटी बैंक से जुड़े कार्यकर्ता शहर में घरो से व विभिन्न समारोह स्थलों से बचे हुये भोजन को एकत्रित कर जरूरत मंद गरीबो तक पहुंचाते हैं। इससे जहां भोजन की बर्बादी रूकती हैं वहीं जरूरत मंदो को भोजन भी उपलब्ध होता है। इस दिशा में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अभियान सोंचे, खाए और बचाए भी एक अच्छी पहल है। इसमें शामिल होकर की भोजन की बर्बादी रोकी जा सकती है। वर्तमान समय में समाज के सभी लोगों को मिलकर भोजन की बर्बादी रोकने के लिये सामाजिक चेतना लानी होगा। तभी भोजन की बर्बादी रोकने का अभियान सफल हो पायेगा। *(लेखक झुंझुनूं से है और ये उनके अपने विचार है)*

यूईएम यूनिवर्सिटी में हुआ वैक्सीनेशन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चौमू। निजी विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर कैंपस में आज वैक्सीनेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यूईएम द्वारा आयोजित वैक्सीनेशन कार्यक्रम यूनिवर्सिटी टीचर्स, स्टाफ व उनके परिवार के सदस्यों के लिए आयोजित किया गया।

उप निदेशक- प्रोजेक्ट संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया की यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित वेक्सिनेशन शिविर यूनिवर्सिटी वाईस चांसलर प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी की पहल पर आयोजित किया गया है, जिसका संपूर्ण खर्च यूनिवर्सिटी द्वारा अपने स्तर पर वहन किया गया है। वेक्सिनेशन शिविर में विद्यार्थियों, संस्था के कर्मचारियों के अलावा उनके परिवार के सदस्यों ने भी भाग लिया। प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी ने बताया की यूनिवर्सिटी का मुख्य उद्देश्य अच्छी शिक्षा, नौकरी के साथ साथ संस्था के विद्यार्थियों, कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा को ध्यान में रखना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अग्रवाल ने जानकारी दी की यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रोफेसर डॉ सत्यजीत चक्रबर्ती अच्छी शिक्षा के साथ साथ समाज सेवा के कार्यो में भी अग्रसर रहते है।

डॉ चक्रबर्ती ने घोषणा की है की UEM जयपुर अपने उन छात्रों की शिक्षा का खर्च वहन करेगा जिन्होंने महामारी के कारण अपने पिता / परिवार के कमाने वाले सदस्य को खो दिया है, और वित्तीय समस्या में हैं व यूईएम जयपुर अपने 10 छात्रों को एक सेमेस्टर की छात्रवृत्ति प्रदान करेगा जिनके पिता / परिवार के कमाने वाले सदस्य ने महामारी के कारण अपनी नौकरी खो दी है इसके साथ साथ श्वरू जयपुर अपने उन 10 पूर्व छात्रों को 1 लाख रुपये तक प्रदान करेगा, जिन्होंने महामारी के दौरान अपनी नौकरी खो दी है और वित्तीय संकट में हैं।

वेक्सिनेशन शिविर में यूनिवर्सिटी के डॉ आयुष यादव, प्रो उत्तम नरेंद्र, मृणाल कांति सरकार, शोभा शर्मा, पवन सिंह, नन्द किशोर यादव, त्रिलोक कुमार, भोलाराम, नंदकिशोर, राजेंद्र महतो, महावीर सिंह, भगबान दास, जय कुमार, मुकेश कुमार, रोहितास सिंह व हॉस्पिटल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जागरूक खबरें

प्रकृति के बिना मानव जीवन संभव नहीं है-टांक

नानण/ पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष पर ग्राम पंचायत नानण मे पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर युवा समाजसेवी सीताराम टाक नानण ने बताया कि मानव जीवन के लिए प्रकृति एवं ऑक्सीजन कितनी महत्त्वपूर्ण है, ये हमने कोरोना काल में भली भांति जान लिया है। इसलिए अब हमें पर्यावरण संतुलन के प्रति सतर्कता बरतते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा प्रकृति को स्वच्छ व हरित बनाए रखने के कार्यों में गति लानी होगी। प्रकृति प्रेमी व समाजसेवी महानुभावों का यह प्रयास अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा है। वृक्षारोपण कार्यर्
 म में सरपंच प्रतिनिधि जोधाराम पंवार, ग्राम विकास अधिकारी अक्षय टाक, निष्कर्ष क्लासेज के डायरेक्टर जितेन्द्रसिंह नानण, चेतन सैनी, विनोद सेन, विजय ओझा, प्रकाश पंवार, पंचायत सहायक महेश खोजा, विकास सेन, निंबाराम देवासी,भरत, कुशाल ,हिमांशु सहित ग्राम वासी उपस्थित थे।

विश्व हिन्दू परिषद :राष्ट्रीय बजरंग दल की कार्यकारिणी का विस्तार

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। विश्व हिंदू परिषद जोधपुर जिले के त्रिदिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में बजरंग दल पीपाड़ शहर प्रखंड की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जानकारी देते हुए राजुराम पटेल ने बताया कि जोधपुर जिले के चारो प्रखंड ने भाग लिया जिसमें पीपाड़ शहर,भोपालगढ़, बिलाड़ा, और बावड़ी के ई वर्ग के माध्यम से मिटिंग रखी जिसमें 52 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। ई वर्ग में जोधपुर प्रान्त के सह संयोजक विक्रम भाई ने बताया की कोरोनाकाल में किये गये कार्यो की समीक्षा की और कहा मानव सेवा से बढ़ कर कोई सेवा नही है विभिन्न सामाजिक कार्यो के साथ ई वर्ग में पीपाड़ शहर प्रखंड की नवीन दायित्वों की घोषणा की जिसमें संगठन की दृष्टि से विश्व हिंदू परिषद प्रखंड के अध्यक्ष ओमप्रकाश टाक, उपाध्यक्ष कन्हैयालाल सारस्वत,गिरधारीलाल गहलोत, प्रखंड मंत्री मोहनलाल सोनी,सह मंत्री अरविंद टाक, कालुराम जीनगर, सत्संग प्रमुख जगदीश सांखला, सह सत्संग प्रमुख माणक राम, बजरंग दल संयोजक चंद्रप्रकाश (सीपी) मारोटिया, सह संयोजक मुकेश हरिजन, रुपाराम चौरड़िया मातृशक्ति संयोजिका जय श्री वैष्णव, दुर्गा वाहिनी संयोजिका सीमा सोनी, सह संयोजिका प्रियंका सोनी, समरसता प्रमुख मुरली लखारा, सेवा प्रमुख नेमीचंद सांखला, धर्म प्रसार प्रमुख सत्यनारायण भाटी, धर्माचार्य संपर्क प्रमुख दिनेश प्रजापत, प्रचार प्रमुख करण सिंह घाचा, मठ मंदिर प्रमुख श्यामलाल गर्ग, एकल विद्यालय प्रमुख रघुवीर सोनी, रूपाराम, मेघवाल, रमेश चौकीदार के सहित सभी को नवीन दायित्वों के साथ बधाई प्रेषित की गई। सह मंत्री अरविंद टांक ने बताया कि संगठन के प्रमुख कार्यों में से एक है कि इस कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन में विभिन्न गरीब परिवारों को खाद्य किट उपलब्ध करवाना, जरूरत मंद लोगों तक खाना पहुंचाना, भीषण गर्मी के दौरान गायों के लिए खेलियों में पानी की व्यवस्था करवाना और अन्य पशु पक्षियों के साथ बेजुबान जानवरों के लिए भोजन की व्यवस्था जिसमें वानर सेवा, मोर, चिड़िया सहित विभिन्न पक्षियों के लिए सेवा भाव से दाना पानी की व्यवस्था। वर्षा ऋतु में पौधरोपण करना और अन्य सामाजिक कार्यों और राष्ट्र सेवा के साथ यह संगठन और इसके सभी कार्यकर्ता टीम के साथ सदैव तत्पर रहेंगे। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के संयोजक सीपी मारोटिया ने बताया की देश में युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है बजरंग दल देश के भटके हुए युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत कर देश की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य करता है और युवाओं को देश धर्म व संस्कृति के प्रति निष्ठा एव भक्ति का भाव भरता है। इस मौके पर समाजसेवी आदित्य कच्छावाह, तेजराज जांगिड़, पार्षद पीयूष शर्मा, मेहराम गहलोत, भाजयुमो के अतुलसिंह कच्छावाह, एबीवीपी के सीताराम, रामकिशोर टाक, महेन्द्र सिलारी, मनीष टाक, दिनेश टाक, दिलीप बोराणा, धनसा मुण्डेल, धनराज सेन, विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक संस्थानों ने बधाई प्रेषित की।

जरूरत मन्दों की सेवा से मिलता है पुण्य - ईओ फतेहसिंह मीणा

नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी ने जन्मदिन पर बांटे राशन किट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी फतेहसिंह मीणा ने अपने जन्मदिन को सादगी पूर्ण तरीके से मनाया। इस अवसर पर ईओ मीणा ने जरूरत मन्दों व गाड़िया लुहारों को राशन के किट वितरित किये।वहीं उन्होंने ने कहा कि जरूरत मन्दों की सेवा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन के चलते झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले गरीब परिवारों के लिए खाद्य सामग्री का संकट उत्पन्न हो गया है।इसलिए हमें जब भी इनकी सहायता के लिए अवसर मिले तो मदद के लिए आगे आना चाहिए।उन्होंने कहा कि वे अवसर मिलने पर जरूरत मन्दों की मदद के लिए हर सम्भव प्रयास करते हैं। ईओ फतेहसिंह मीणा ने अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर कस्बे के विभिन्न स्थानों पर पहुंच कर मेरे द्वारा निजी खर्चे पर जरूरत मन्दों को 20 से अधिक लोगों को राशन के किट उपलब्ध करवाये गये हैं।इस मौके पर जरूरत मन्दों ने राशन किट प्राप्त करते हुए ईओ मीणा को जन्मदिन की बधाई दी एवं ईश्वर से उनकी दीर्घायु की कामना की।शोशल मीडिया के माध्यम से भी बहुत से मित्रों व परिचितों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।इस दौरान सौरभ गर्ग,मुकेश सैनी सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

पानी नहीं मिलने से बालिका की मौत, बाल आयोग ने लिया प्रसंज्ञान

जयपुर @ जागरूक जनता। जालोर जिले के रानीवाड़ा थाना क्षेत्र के रोड़ा गांव की बालिका को पानी नहीं मिलने के कारण मौत की घटना को राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने गंभीरता से लिया है। बाल आयोग अध्यक्ष संगीता बेनीवाल ने बताया कि विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई कि एक वृद्धा अपनी 5 साल की नातिन (दोहिती) के साथ पैदल ही अपने रिश्तेदार के घर मिलने के लिए निकली थी। सुनसान कच्चे रास्ते में पानी नहीं मिलने से 5 साल की मासूम की तड़प-तड़प कर मौत हो गई। वृद्धा भी तेज गर्मी में बेहाल होकर बेहोश हो गई , जिसका उपचार रानीवाड़ा अस्पताल में चल रहा है। इस दिल दहला देने वाली घटना को आयोग ने गम्भीरता से लेते हुए प्रकरण की त्वरित जांच और कार्यवाही करवाने के लिए जिला कलेक्टर जालौर को निर्देश दिए हैं।

डॉ मेघना शर्मा ने रखे इतिहास विषयक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में विचार

पूरे विश्व को एक संयुक्त परिवार मानकर इतिहास लिखना होगा-गुलब्रांडसेंन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। शिवरती विद्यापीठ संस्थान एवम् तक्षशिला विद्यापीठ संस्थान,उदयपुर के सयुक्त तत्वाधान में इतिहास दर्शन व इतिहास लेखन के विभिन्न आयाम, विषय पर ऑनलाइन अंतर्राष्टीय वेबीनार संपन्न हुई जिसमें बीकानेर का प्रतिनिधित्व करते हुए एमजीएसयू की डॉ मेघना शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। प्रारम्भ मे वेबिनार का विषय प्रवर्तन करते हुए वरिष्ठ इतिहासकार प्रो. के. एस. गुप्त ने कहा की मराठा इतिहास बक्खर मे मिलता है, तो गुजरात का इतिहास रासो साहित्य (रासमाला) व आसाम के अहोम वंश के राजाओं का इतिहास हेतु चीन से मंगोल कुलीन विद्वानों से इतिहास लिखवाते थे, जिसको बूरिंज कहते है। अरब लेखकों द्वारा लिखा इतिहास को ईबर कहते है। मुस्लिम युग में इतिहास ग्रंथो को फारसी भाषा में तवारिख लिखने की परम्परा थी। संयोजक डॉ अजात शत्रु सिंह शिवरती ने कहा कि इतिहास नवीन आयाम वैश्विक दृष्टिकोण लेखकों को स्मरण कराया की अब जब सारे विश्व में प्रजातांत्रिक व लोकतांत्रिक व्यवस्था है, तो ऐतिहासिक तथ्यो को पारदर्शिता और विश्वसनीयता के साथ हमारे अतीत का इतिहास लिखा जाना चाहिए। इतिहास निष्पक्षता से लिखा जाना चाहिए।

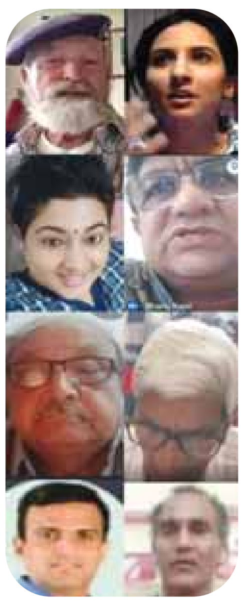

बीकानेर से इतिहासविद डॉ मेघना शर्मा ने कहा कि इतिहासकार टॉयानबी के अनुसार दो विश्व युद्धों के पश्चात विश्व मे सयुक्त राष्ट्र1945 मे बनने के यूरोप के प्राचीन सम्राज्यवाद का स्थान चीनी एवम् अमेरिका सम्राज्यवाद ने ले लिया। विश्व में परमाणु शस्त्रों की होड़, तकनीकी व औद्योगिकीकरण के साथ जैविक-रासायनिक अस्त्र शस्त्र के कारण सारी धरती पूंजीवादी व साम्यवादी ,राष्ट्रवादी प्रवर्तियो मे बंट गया है ऐसा प्रतीत होता है कि हमने इतिहास से कोई शिक्षा नहीं ली है, इसलिए अधीनायकवाद,उग्रराष्टवाद, आतंकवाद, जतियवाद, नस्लवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद तथा संप्रदाय वादी प्रवृत्तियां पुनः अपनी जड़े मजबूत करती जा रही है। वरिष्ठ पुरातत्ववेता डॉ ललित पांडे ने बताया कि आधुनिक काल मे भारतीयों मे इतिहास लेखन की जिज्ञासा जाग्रत करने का श्रेय अंग्रेजो को है जब वारेन हेस्टिंग्स ने रॉयल एशियाटिक सोसायटी बनाई ओर जेम्स प्रिंसप ने ब्राह्मी पढ़ी। नॉर्वे के इतिहासकार टोर गुलब्रांडसेंन ने कहा कि मध्य एशिया में मिश्र व मेसोपोटामिया तो भारत में सिंधु - हड़प्पा -सरस्वती - घाटी सभ्यताए जो अब पुरातत्ववेताओ के खोज का विषय रह गई है,अभी तक हम हड़प्पा लिपि हो अथवा मिश्र की हायरोग्लेल्फिक लिपि हो चाहे मेसोपोटामिया की क्यूनिफॉर्म लिपि हो इनको पढ़ना कठिन है।

स्वीडन की अंजना सिंह ने कहा कि प्रथम महायुद्ध के पूर्व सन 1914 मे अर्नोल्ड जोसफ टॉयानबी ने अपनी पुस्तक इतिहास एक अध्ययन दस खंडों में लिखी थी, इसमें विश्व कि प्राचीन सभ्यताओं का तुलनात्मक अध्ययन के साथ यह भविष्यवाणी की थीं, कि भारत की सभ्यता व चीन की सभ्यता ही सदियों से अभी तक भी उसी भूखंडों में अस्तित्व लिए हुए हैं, जबकि शेष सभ्यताएं यथा मिश्र, यूनान, रोम, ईरान की सभताए नष्ट हो गई है।

वेबीनार मे भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के इतिहासकार डॉ भानु कपिल ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि सूचना - तकनीकी युग में इतिहास लेखन के आयाम बदलते जा रहे है,अब तो इतिहास की अवधारणाएं उसके स्वरूप ,क्षेत्र तथा इसके शिक्षण के उद्देश्यों में भी बदलाव आया है। इतिहास लेखन की विधाओं पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन तक्षशीला विद्यापीठ संस्थान के निदेशक, एवम् वरिष्ठ इतिहासकार डॉ जी एल मेनारिया ने बताया कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय ब्रिटिश साम्राज्य की गलत नीतियों पर प्रतिकार करते हुए तिलक ने अपने भाषणों व लेखो मे ब्रिटिश सरकार को स्मरण कराया की जब भारत में अकाल पड़ा हुआ था,लाखो लोग पीड़ित थे उस दौरान सरकार ने करोड़ों रुपए एशो आराम पर खर्च किए थे , जिससे देश की जनता मे ब्रिटिश शासन के प्रति आक्रोश पैदा हुआ ,जब रोम जल रहा था तब वहा का राजा नीरो चेन की बांसुरी बजा रहा था।

वेबिनार में पाकिस्तान से अमरकोट राजपरिवार के तनवीर जी, अमरीका की मारिया के अतिरिक्त संपूर्ण भारतवर्ष से वरिष्ठ इतिहासकारों ने सहभागिता निभाई जिनमें डॉ अरविंदर सिंह, डॉ अल्पना दुभाषे ,डॉ रिंकू पुवाईया,डॉ बी पी भटनागर, प्रो. संजय स्वर्णकार, डॉ गिरीश नाथ माथुर, डॉ सीमा यादव, डॉ राजेंद्र नाथ पुरोहित, डॉ शारदा देवी, डॉ नाज़नीन ,डॉ अजय मोची, डॉ खिमारम काक, डॉ अरविंदर जोशी, डॉ पूर्णिमा त्रिवेदी, डॉ सूरजमल राव, डॉ विक्रमभाई , प्रो सुशीला शक्तावत, डॉ निमेष चौबीसा ,डॉ एस वी सिंह , डॉ नरेंद्र राठौड़, डॉ पूर्णिमा त्रिवेदी आदि प्रमुख हैं। अंत में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन बीकानेर की डॉ मेघना शर्मा द्वारा दिया गया।

हमारे लिए पेड़-पौधे, जंगल, नदियां, झीलें, जमीन, पहाड़ बहुत जरूरी हैं- राजपुरोहित

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका के तत्वधान में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान राठोलाई नाडी, रेलवे स्टेशन के पास एवं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय वार्ड नंबर 12 जोजरी नदी के पास उपखंड अधिकारी शैतान सिंह राजपुरोहित, पालिका अध्यक्ष समु देवी सांखला, उपाध्यक्ष अफसाना भाटी, अधिशाषी अधिकारी सुरेश चंद्र शर्मा के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया। उपखंड अधिकारी राजपुरोहित द्वारा आमजन से अपील की कि आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाने का प्रण लेना चाहिए जिससे हमे पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन मिल सके। पालिका अध्यक्ष समु देवी एवं उपाध्यक्ष अफसाना भाटी ने भी कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सीजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सबको इस महामारी के दौरान यह ज्ञात हुआ कि ऑक्सीजन की आवश्यकता क्या है इसलिए हम सब को सजग रहते हुए अधिक संख्या में पौधे लगाकर उसकी देखभाल करते हुए वातावरण को शुद्ध बनाना चाहिए। इस दौरान अधिशासी अधिकारी शर्मा ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला है। इस दौरान पार्षद पीयूष शर्मा, नरेंद्र कुमार शर्मा, मोहन राम मेघवाल, संतोष पंडित, चांद मोहम्मद, मो. मोहसिन गोरी, समाजसेवी सोहन राम सांखला, इस्माइल खान सिंधी, कैलाश टाक, संपत राज जिनगर, राजू खोकर, हनुमान भाटी, सीपी मारोटिया, सुरेंद्र टाक, कल्याण राम टाक, पालिका कर्मी अक्षय राजपुरोहित, विजय विश्नोई, शिवलाल सेन, प्रेम सिंह, नेमाराम, धर्मेंद्र सिंह खोजा, के अलावा अन्य पालिकाकर्मी के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एडवोकेट रमेश रावत के नेतृत्व में आजाद चौक में दिया गया सांकेतिक धरना

हाथों पर काली पट्टी बांधकर किया गया विरोध प्रदर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। जयपुर ग्रेटर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर सहित दो चेयरमैन व एक पार्षद को निलंबित किये जाने पर इसके विरोध में भाजपा जयपुर देहात उत्तर के जिला अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा के निर्देशानुसार भाजपा उत्तर मंडल कोटपूतली के मंडल अध्यक्ष एडवोकेट रमेश रावत के नेतृत्व में आजाद चौक कोटपूतली में सांकेतिक धरना देकर व हाथों पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया गया।एडवोकेट रावत ने अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को जानकारी देते हुए बताया कि मंडल के सभी 15 शक्ति केंद्रों पर भी विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया गया है।इस मौके पर जिला महामंत्री सुरेंद्र चौधरी,जिला मंत्री रविंद्र सिंह, शेखावत पूर्व मंडल अध्यक्ष उदय सिंह तंवर ,भाजयुमो के जिला मंत्री राजेंद्र रहीसा,मंडल मंत्री प्रमोद शर्मा,मंडल कोषाध्यक्ष पवन गोयल,शक्ति संयोजक हंसराज रावत,भाजपा युवा नेता विक्रम कसाना, विकास जांगल, सुरेश मेहरा, रामलाल एडवोकेट, मुकेश सैनी, कल्लू सैनी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महापौर व पार्षदों को दुर्भावना से निलंबित करने का भाजपा ने किया विरोध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। जयपुर ग्रेटर नगर निगम के कमिश्नर के साथ कथित अभद्र व्यवहार और मारपीट के मामले में देर रात तीन भाजपा पार्षदों के साथ निलंबित की गई महापौर सौम्या गुर्जर के मामले में अब भाजपा राज्य की गहलोत सरकार के खिलाफ हमलावर हो गई है। प्रदेश भाजपा ने इसे तानाशाही कदम उठाते हुए आंदोलन की चेतावनी दे डाली है, साथ ही इस मामले को भाजपा अब कोर्ट जाने की तैयारी में है। बताया जाता है कि निलंबन के खिलाफ भाजपा की ओर से कोर्ट में अपील दायर की जा सकती है।

जयपुर ग्रेटर नगर निगम की मेयर सौम्या गुर्जर व तीन अन्य पार्षद को राज्य सरकार द्वारा अनैतिक तरीके से निलंबन के विरोध मैं देहात जिला दक्षिण के महामंत्री धनराज सोलंकी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष महेन्द्र सिंह कच्छवाह, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राम किशोर भूतड़ा के नेतृत्व में राज्य सरकार के खिलाफ उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन करते हुए, सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा महामहिम राज्यपाल के नाम मेयर सौम्या गुर्जर तथा तीनों पार्षदों को बहाल करने के लिए ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर मंडल महामंत्री आदित्य कच्छवाह, दिनेश दवे, मनोहर सोनेल, सोशल मीडिया प्रभारी अरविन्द सोनेल, पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम टाक, बंशीलाल जीनगर, जयनारायण जांगिड़ संजय अरोड़ा, मगराज पुरोहित, गजेंद्रसिंह राजपुरोहित, पार्षद धर्मेंद्र सोनी, कैलाश सेन, अकरम, पार्षद प्रतिनिधि जेठाराम मारोटीया, रामकिशोर कच्छवाह, कल्याण टाक,अतुल कच्छावाह, खिवराज जीनगर, बजरंग दल संयोजक सीपी मारोठिया, देवाराम जांगिड़, असलम छीपा, दिनेश सोलंकी, जीतू सैनी, उदाराम टाक, जगदीश टाक सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ये है पूरा मामला

जयपुर ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर और पार्षदों ने कमिश्नर यज्ञमित्र देव सिंह पर बीवीजी कंपनी से सांठगांठ के आरोप लगाए थे, जिसके बाद कमिश्नर ने ज्योति नगर थाने में मेयर पर अभद्र भाषा बोलने और पार्षद पारस जैन सहित कुछ पार्षदों पर मारपीट करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद यूडीएच मिनिस्टर शांति धारीवाल ने डीएलबी में पद स्थापित आरए एस अधिकारी रेणु खंडेलवाल को पूरे मामले की जांच सौंपी थी। आरएएस अधिकारी रेणु खंडेलवाल की जांच के आधार पर स्वायत शासन विभाग ने देर रात महापौर सहित तीन पार्षदों को निलंबित कर दिया था। डीएलबी ने राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 (6) के तहत तुरंत प्रभाव से मेयर और तीन अन्य पार्षदों के निलंबन और पद से हटाने के आदेश जारी कर दिए। सौम्या गुर्जर के अलावा पार्षद अजय सिंह चौहान, पारस जैन और शंकर शर्मा को निलंबित किया गया है।

आवाज फाउंडेशन चलायेगा एक पेड़ पूर्वजों के नाम अभियान

चौमू @ जागरूक जनता। जहाँ एक तरफ़ कोरोना की वजह से ओक्सीजन की कमी महसूस हो रही है वही शहर के युवाओं द्वारा चलाए जा रहे आवाज़ फ़ाउंडेशन ने एक राहत भरा अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत आवाज़ फ़ाउंडेशन ने तय किया है की कोई भी 1 पेड़ लगाते हुए सेल्फ़ी फ़ाउंडेशन के मोबाइल नम्बर 9829466426 पर भेजते है तथा साथ में आपके पूर्वज का नाम भेजते है तो फ़ाउंडेशन द्वारा आपके पूर्वज का नाम ट्री गार्ड पर लिखते हुए एक पीपल या बड़ या नीम का पेड़ अवश्य लगाया जाएगा। आवाज़ फ़ाउंडेशन के सदस्य CA दयानन्द देव ने बताया की फ़ाउंडेशन द्वारा यह अभियान अगले 1 वर्ष के लिए चलाया जाएगा। सदस्य CA शंकर लाल यादव ने बताया की इस महामारी ने हमें प्रकर्ति का महत्व समझा दिया है तथा अब हमें आने वाली पीढ़ी को सुनहरा भविष्य देने के लिए पेड़ अवश्य लगाने चाहिए। गोरतलब है की आवाज़ फ़ाउंडेशन पहले से एक शाम बेज़ुबानो के नाम अभियान चला रहा है जिसके तहत फ़ाउंडेशन के सभी सदस्य हर शनिवार शाम का समय बेज़ुबानो की सेवा में बीता रहे है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की इस फ़ाउंडेशन से पढ़ी लिखी पीढ़ी जैसे CA, वकील, डॉक्टर, अध्यापक आदि ज़्यादा जुड़े हुये होना इस बात को प्रदर्शित करता है की कोरोना ने हर किसी इंसान को प्रकर्ति का महत्व समझा दिया है।

ANCHOR | पीएम कुसुम योजना

सनअल्फा एनर्जी ने राजस्थान में सबसे बड़े सौर संयंत्र (सोलर पावर प्लांट) को सफलतापूर्वक चालू किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

लखनऊ। सनअल्फा एनर्जी ग्रुप ने PM-KUSUM (प्रधान मंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा और उत्थान महाभियान) योजना के तहत भारत के सबसे बड़े सौर संयंत्र (सोलर पावर प्लांट) को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। इस योजना का उद्देश्य भारत में किसानों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है, साथ ही नॉन फॉसिल फ्यूल्स स्रोतों से बिजली की स्थापित क्षमता को 2030 तक 40त्न तक बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता का सम्मान करना है, जो कि नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन (आईएनडीसी) के हिस्से के रूप में है। .

इस 2MW (AC) संयंत्र, SAP एनर्जी के निवेशकों ने इस योजना के तहत कुल 5MW परियोजनाओं के लिए सनअल्फा एनर्जी ग्रुप को ग्राउंड माउंट सौर ऊर्जा संयंत्रों और बिजली ट्रांसमिशन में उनके डिजाइन और निर्माण विशेषज्ञता के लिए नियुक्त किया। इस योजना के तहत कम से कम 25 वर्षों की अवधि के लिए ग्रिड को बिक्री के लिए जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के साथ पावर परचेस एग्रीमेंट (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस योजना में संयंत्र एक्सेक्यूशन के लिए नोडल एजेंसी राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरआरईसीएल) है।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के माननीय ऊर्जा मंत्री डॉ बुलाकी दास कल्ला ने कहा, यह इस बंजर और अनुत्पादक भूमि के सभी किसानों के लिए बहुत गर्व की बात है, जिस पर कुसुम योजना के तहत यह सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। इस सोलर पावर प्लांट के माध्यम से वे आय के कुछ अन्य स्त्रोतों को और बढ़ाने का प्रयास कर पाएंगे। 2019-20 के बजट में, हमारी राज्य सरकार ने इस योजना के तहत 2600 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का निर्णय लिया था। यह संयंत्र इसी योजना की बस एक शुरुआत है।

सनअल्फा एनर्जी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक परियोजनाओं में से एक इस पहली योजना को चालू करने के लिए बहुत खुश है। यह न केवल किसानों को आय का एक नया स्त्रोत प्रदान करेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार भी पैदा करेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को विकसित करने में मदद भी करेगा सनअल्फा एनर्जी के सह-संस्थापक और सीईओ राघव मित्तल ने कहा। सनअल्फा एनर्जी ग्रुप एक पुरस्कार विजेता प्रीमियम सोलर PV डिज़ाइनर और उच्च गुणवत्ता वाले सौर ऊर्जा संयंत्रों का निर्माता है। यह इनोवेटिव एंड-टू-एंड समाधानों के माध्यम से मूल्य बनाने के साथ ग्राहकों की सेवा करने पर केंद्रित है। सनअल्फा एनर्जी ग्रुप इस वित्तीय वर्ष में एक स्वस्थ ऑर्डर बुक के साथ और आगे बढ़ने की उम्मीद कर रहा है।

सनअल्फा एनर्जी के सह-संस्थापक और निदेशक पुनीत गोयल ने कहा, सनअल्फा ग्रुप को इस महत्वपूर्ण अवसर का हिस्सा बनने पर गर्व है, जहां केंद्र और राज्य दोनों सरकारों ने इसे सफल बनाने के लिए समर्थन और सहयोग किया है। हम नीति निर्माताओं और कॉरपोरेट्स के दृष्टिकोण के साथ मिलकर आगे बढ़ने और सोलर एनर्जी को निवेशक समुदाय के और करीब लाने के लिए तत्पर हैं।

सनअल्फा एनर्जी समूह के बारे में

सनअल्फा एनर्जी एक सौर कंपनी है जो भारत भर में औद्योगिक, कमर्शियल और आवासीय उपभोक्ताओं को CMC (व्यापक रखरखाव अनुबंध) सेवाओं के साथ संपूर्ण EPC (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) सेवाएं प्रदान करती है। जयपुर, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, अहमदाबाद और सिंगापुर के कार्यालयों के साथ, सनअल्फा एनर्जी निजी उपभोक्ताओं के लिए अत्याधुनिक सोलर प्रौद्योगिकी को पेश करने और बढ़ावा देने के द्वारा सोलर फोटोवोल्टिक उद्योग में तकनीक के साथ सबसे आगे बढ़ रही है।

राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ कोरोना योद्धा सेवा सम्मान समारोह

हर वर्ग के सहयोग से ही कोरोना जैसी महामारी पर होगी जीत-यादव

नगरपालिका कार्यालय में स्वच्छता सेनानियों का किया गया अभिनन्दन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। कोरोना वैश्विक महामारी की दूसरी लहर में राज्य सरकार द्वारा लगाये गये लॉकडाउन एवं जारी की गई गाईडलाईन की प्रभावी अनुपालना के लिए क्षेत्र में स्थानीय विधायक एवं राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों में मेरा गाँव,मेरी जिम्मेदारी एवं कस्बे में मेरा शहर,मेरी जिम्मेदारी अभियान का संचालन किया गया था।जिसके तहत ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर कमेटियों का गठन कर लॉकडाउन की प्रभावी अनुपालना करवाई गई। जिससे क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहे संक्रमण से निजात भी मिली है।

लॉकडाउन को प्रभावी बनाने में पुलिस प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों,पंचायती राज प्रतिनिधियों, जन प्रतिनिधियों, समाजसेवी, सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनी एवं सहायिकाओं का भरपुर सहयोग मिला है। साथ ही इस दौरान स्वच्छता कर्मियों से लेकर सभी कार्मिकों ने कोरोना को नियंत्रित करने में अपना निरन्तर योगदान प्रदान किया।जिनका अभिनन्दन किये जाने के लिए क्षेत्रीय विधायक एवं राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव द्वारा कोरोना योद्धा सेवा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।इसी क्रम को जारी रखते हुए स्थानीय नगरपालिका मंडल के सहयोग से सोमवार को कस्बा स्थित पालिका कार्यालय में स्वच्छता सेनानियों का सम्मान व अभिनन्दन किया गया।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस मौके पर नगर पालिका कोटपूतली के सफाई कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र,मास्क,सैनेटाईजर एवं राज्यमंत्री यादव की ओर से 500 रूपयों की नकद राशि भेंटकर सम्मानित किया गया।इस दौरान राज्यमंत्री यादव ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग के सक्रिय सहयोग से ही कोरोना जैसी वैश्विक महामारी पर जीत सम्भव है।जिस प्रकार चिकित्साकर्मियों ने अग्रिम मोर्चे पर आकर कोरोना से लड़ाई में अपना सहयोग दिया।उसी प्रकार की भूमिका स्वच्छता कर्मियों ने भी निभाई है।वहीं अध्यक्षता करते हुए पालिकाध्यक्ष पुष्पा सैनी ने कहा कि हम सभी को कड़ी से कड़ी जोड़कर आपदा एवं विपदा के इस समय में कार्य करना चाहिये।ताकि महामारी को पराजित किया जा सके।स्वच्छता सेनानियों ने अपनी कर्तव्यनिष्ठा व समर्पण भाव के साथ जनमानस के बीच रहकर सेवा कार्यों का कीर्तिमान स्थापित किया है। इस मौके पर नगरपालिका अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष छीत्तरमल सैनी, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि एडवोकेट दुर्गा प्रसाद सैनी,बाबूलाल धोबी,सौरभ गर्ग,सुरेश यादव सहित पालिका कार्मिक,वार्ड पार्षद एवं स्वच्छता कर्मी मौजूद रहे।

अजमेर ख्वाजा साहब की दरगाह

अमीन पठान दरगाह कमेटी के चौथी बार बन सकते हैं चेयरमैन

दिल्ली में होगी चुनाव और बजट को लेकर 15 व 16 जून को बैठक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। अमीन पठान दरगाह कमेटी के चौथी बार भी चेयरमैन बन सकते हैं। कमेटी के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के चुनाव और बजट को लेकर कमेटी की बैठक 15 और 16 जून को नई दिल्ली में होगी। दरगाह नाजिम अशफाक हुसैन ने बैठक का एजेंडा जारी कर दिया है।

कमेटी की दिल्ली में होने वाली बैठक केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलात मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी के सानिध्य में होगी। बैठक में इस बार कमेटी के 9 में से आठ सदस्य ही शामिल होंगे। कारण, पिछले दिनों कमेटी के एक सदस्य मिस्बाह उल इस्लाम का कोरोना से इंतकाल हो चुका है। इसकी वजह से सदस्य का एक पद रिक्त है।

माना जा रहा है कि ये आठों ही मेंबरान में से चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव होगा। प्रबल संभावनाएं यही जताई जा रही है कि एक बार फिर अमीन पठान ही चेयरमैन पद पर आने वाले हैं । इसके पीछे मुख्य वजह यही है कि पठान के कार्यकाल मे कमेटी ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। सोलह खंबा टायलेट ब्लाक के साथ ही अन्य विकास कार्य कराए हैं। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री नकवी के साथ मजबूर रिश्ते हैं।

कमेटी सूत्रों के अनुसार अलबत्ता वाइस चेयरमैन किसी और को बनाया जा सकता है। इस दौड़ में राजस्थान के एक मेंबर सहित अन्य मेंबर भी दौड़ में बताए जा रहे हैं। इस बैठक में चेयरमैन अमीन पठान, वाइस चेयरमैन सैयद बाबर अशरफ, सदस्य शाहिद रिजवी, सपात खान, मुनव्वर खान, फारूक आजम, वसीम अहमद आदि शामिल होंगे। नाजिम अशफाक हुसैन ने बताया कि सभी मेंबरों तक बैठक का एजेंडा भेजा जा चुका है। कमेटी का सालाना बजट में इस बैठक में ही पेश होगा।

दरगाह कमेटी की चुनाव की बैठक पूर्व में भी समय-समय पर दिल्ली के अलावा इंदौर आदि शहरों में भी हो चुकी है।

किसान अब 31 अगस्त तक जमा करा सकेंगे रबी फसली ऋण

जयपुर @ जागरूक जनता। कोविड 19 की दूसरी लहर के चलते परेशान किसानों को सरकार ने राहत दी है। किसानों को रबी सीजन 2020-21 में वितरित फसली ऋण को चुकाने में हो रही परेशानी के कारण ऋण अदायगी की तारीख को 30 जून से बढ़ाकर 31 अगस्त 2021 कर दिया गया है। इस संबंध में सहकारिता विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने दिए थे निर्देश

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोविड के कारण किसानों को फसल सीजन रबी 2020-21 के अल्पकालीन फसली ऋणों के भुगतान की अंतिम तिथि को 31 अगस्त तक बढ़ाने के निर्देश दिए थे। विभाग की ओर से जारी इन निर्देशों के बाद अब 1 सितम्बर 2020 से 31 मार्च 2021 तक फसली ऋण लेने वाले लाखों किसानों को फायदा मिलेगा।

पहले भी बढ़ाई गई थी तारीख

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी मुख्यमंत्री गहलोत ने खरीफ 2020 के अल्पकालीन फसली ऋणों की वसूली तारीख को 31 मार्च 2021 से 30 जून 2021 तक बढ़ाने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद खरीफ 2020 के फसली ऋण चुकाने की तिथि को 31 मार्च 2021 से बढ़ाकर 30 जून 2021 अथवा खरीफ फसली ऋण लेने की तिथि से एक वर्ष, जो भी पहले हो तक बढ़ा दी गई थी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इस संबंध में दिए गए निर्देशों के क्रम में भी ऋण चुकाने की तिथि में अधिकतम एक वर्ष की बाध्यता को समाप्त कर दिया है।

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड यूनिट कोटपूतली सीमेंट सयंत्र में मनाया गया 48 वां विश्व पर्यावरण दिवस

जल के बिना नहीं की जा सकती जीवन की कल्पना-तिवारी

जैव विविधता पर आयोजित हुई चित्रकला एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड युनिट कोटपूतली सीमेंट सयंत्र में 48 वां विश्व पर्यावरण दिवस वर्चुअल मिटिंग के द्वारा आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि यूनिट हैड सुनील कुमार तिवारी ने कहा कि जल ही जीवन है।जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

उन्होंने कहा कि कोटपूतली सीमेंट सयंत्र में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विश्व स्तरीय प्रयास किए जा रहे हैं।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कम्पनी परिसर में जल के उपयोग का 30 प्रतिशत कम धोहन करेंगे।तिवारी ने मोहनपुरा,कम्पनी व आवासीय परिसर तथा आसपास के क्षेत्र में सरकारी भवनों पर किए गए वर्षा जल संरक्षण के बारे में भी बताया।कंपनी के के.वी.रेडी कारपोरेट पर्यावरण विद ने संयत्र एवं कॉलोनियों के सभी लोगों से जल की उपयोगिता को कम करने पर जोर दिया।एन.रवि कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष तकनीकी ने वायु प्रदूषण से मुक्ति,पर्यावरण प्रदुषण की रोकथाम, जल संरक्षण एवं सघन वृक्षारोपण करने की अपील की।नवनीत जेटली उपाध्यक्ष कार्मिक एवं प्रशासन ने सीएसआर द्वारा पर्यावरण संरक्षण में किए गए कार्यों की जानकारी दी। योगेश मल्होत्रा यूनिट वित हैड, मनोहर लाल लाहौटी उपाध्यक्ष माइन्स,संजय मंत्री उपाध्यक्ष ने जैव विविधता पर उठाये गये कदमों के बारे में अवगत कराया।उन्होंने पर्यावरण प्रबंधन हेतु किये जा रहे विभिन्न प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए भविष्य में प्रदुषण नियत्रण एवं पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में कंपनी के द्वारा किये जाने वाले उपायों के बारे में भी बताया।प्रवीण पांडया पर्यावरण सेल के मैनेजर ने पर्यावरण के क्षेत्र में वर्ष भर किये गये कार्यो एंव उपलब्धियों के बारे में बताया।

अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान प्रवीण पाण्डया प्रबंधक पर्यावरण ने कंपनी के द्वारा पर्यावरण के बचाव के लिए किये गये कार्यो की जानकारी दी।साथ ही जैव विविधता बचाव के बारे में कोटपूतली सीमेंट वर्क्स द्वारा किये गये अध्ययन के बारे में भी बताया।संयत्र द्वारा जैव विविधता पर उठाये गये कदमों के बारे में भी अवगत कराया।इस दौरान कम्पनी परिसर में पौधारोपण भी किया गया।वहीं संयत्र एवं कॉलोनियों के सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवार के लोगों द्वारा जैव विविधता पर चित्रकला एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

जयपुर महापौर सौम्या एवं पार्षदगणों के निलम्बन का हो रहा विरोध

एडवोकेट सुरेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पार्षदों ने राज्यपाल के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा जयपुर ग्रेटर नगर निगम की महापौर सौम्या गुर्जर सहित तीन पार्षदों को निलम्बित किये जाने को लेकर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश का माहौल है।इसके विरोध में जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा के निर्देशानुसार जिला महामंत्री एडवोकेट सुरेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा को ज्ञापन सौंपा।

अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि ज्ञापन के दौरान पूर्व चैयरमैन महेन्द्र सैनी,पार्षद प्रमोद गुरूजी, पार्षद प्रतिनिधि मुखिया पायला,विजय आर्य,एडवोकेट उदयसिंह तंवर,देवेन्द्र आर्य आदि मौजूद रहे।

ज्ञापन में लिखा है कि राज्य सरकार के स्वायत्त शासन विभाग द्वारा इस सम्बंध में जारी आदेश नगर पालिका अधिनियम 2009 के विरुद्ध है।जो कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बिना सुनवाई का मौका दिये निलम्बित नहीं किया जा सकता।राज्य सरकार द्वारा इस सम्बंध में राजनैतिक द्वेषता के साथ एक तरफा कार्यवाही की गई है।जिससे प्रतीत होता है कि राज्य सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है।ज्ञापन में उपरोक्त निलम्बन के आदेश को तुरन्त वापस लेने की मांग की गई है।

कोटपूतली एएसपी कार्यालय को भेंट की गई वाटर डिस्पेंसर मशीन

14 राजकीय कार्यालयों में भेंट की वाटर डिस्पेंसर मशीन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। कोरोना वैश्विक महामारी में आम लोगों को जागरूक करने के लिए राजस्थान में सबसे पहले मेरा गाँव-मेरा शहर व मेरा शहर-मेरी जिम्मेदारी अभियान की शुरुआत करने वाले जांबाज अधिकारी कोटपूतली एएसपी को बजाज वेलफेयर ट्रस्ट एवं गौरत्न से सम्मानित गौ सेवक व बजाज वेलफेयर ट्रस्ट के संरक्षक रामेश्वर प्रसाद बजाज की ओर से भीषण गर्मी के चलते वाटर डिस्पेंसर मशीन भेंट की गई है।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान ट्रस्टी महेश बजाज,राहुल बजाज, समाजसेवी द्रवेश मामोड़िया,आर.के. ग्रुप के रोहिताश भड़ाना,पार्षद प्रतिनिधि रामवतार गुर्जर व गौतम शर्मा आदि मौजूद रहे।वहीं बजाज वेलफेयर ट्रस्ट के ट्रस्टी व समाजसेवी बजाज व मामोड़िया ने कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी में आम लोगों को जागरूक करने के लिए राजस्थान में सबसे पहले मेरा गाँव मेरी जिम्मेदारी व मेरा शहर मेरी जिम्मेदारी अभियान की शुरुआत करने वाले जांबाज अधिकारी कोटपूतली एएसपी रामकुमार कस्वां का सराहनीय योगदान रहा है।जिसके चलते कोरोना पोजेटिव केसों में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि कोविड -19 महामारी में कार्य कर रहे कार्मिकों को गर्म पानी की आवश्यकता पड़ती है ऐसे में वाटर डिस्पेंसर मशीन से तुरंत गर्म पानी की सुविधा मिल पाएगी। ट्रस्ट के संरक्षक रामेश्वर प्रसाद बजाज की ओर से अभी तक 7 राजकीय कार्यालयों में एवं ट्रस्टी राहुल बजाज की ओर से 7 राजकीय कार्यालयों में कुल 14 वाटर डिस्पेंसर मशीन भेंट की जा चुकी हैं।इस मौके पर कोटपूतली एएसपी रामकुमार कस्वां ने समाजसेवीयों को प्रंशसा पत्र देकर सम्मानित करते हुए उनका आभार प्रकट किया।

अंजुमन ए ईस्लाम कमेटी के तत्वाधान में वेक्सिनेशन शिविर आयोजित

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। अंजुमन-ए-इस्लाम कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को अंजुमन परिसर में सदर शोएब खान लाला की विशेष उपस्थिति में वेक्सिनेशन शिविर का आयोजन किया गया। राजकीय चिकित्सालय के डॉ. मंसूर अहमद खान के नेतृत्व में चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा कोरोना से बचाव अभियान अंतर्गत टीकाकरण लगाने का कार्य किया गया। इस अवसर पर नगर की सभी मस्जिदों के पेश इमामों एवं समाजजनो को टीकाकरण से लाभान्वित किया गया। टीकाकरण की शुरुआत सदर शोएब लाला ने वेक्सिन की पहली डोज लगवा कर की साथ ही शहर काजी आबिद हुसैन, अंजुमन नायब सदर हाजी ख्वाजा हुसैन, घोड़ा देह बाबा सा. उर्स कमेटी से यूसुफ खान (मच्छी वाले), पेश इमाम मो. इमरान, मो. फारूख निजामी, कमर आलम, मो. सईद मेव, यूसुफ निजामी, ताज मोहम्मद, आदि नगर की सभी मस्जिदों के पेश इमामों ने वेक्सिन की पहली डोज लगवाई। इस दौरान सलाम मुल्तानी, पप्पू पठान, भोला मिस्त्री, सलीम ठेकेदार, असलम ठेकेदार, शरीफ खान, जाकिर सेठ जी, जकी अहमद (गुड्डा भाई) आदि समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद थे एवं चिकित्सा विभाग की टीम से नर्सिंग ऑफिसर अकील अहमद, मनीष तोलंबिया, जीएनएम निलेश टेलर द्वारा वेक्सिनेशन किया गया। यह जानकारी अंजुमन कमेटी के प्रवक्ता खुर्शीद एजाजी ने दी। अंजुमन कमेटी के सदर शोएब लाला ने समाजजनो एवं आमजन से अपील की है की वे ज्यादा से ज्यादा वेक्सिनेशन करवाए।

रीट भर्ती 2021 के फॉर्म री-ओपन करवाने और परीक्षा तिथि जारी करने की मांग

जयपुर @ जागरूक जनता। रीट परीक्षा के फॉर्म री-ओपन करवाए जाने के साथ ही परीक्षा तिथि जारी करने की मांग को लेकर बेरोजगार युवाओं ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले प्रदर्शन कर रहे युवाओं का कहना था कि प्रदेश के 16 लाख से अधिक अभ्यार्थी परीक्षा की तिथि घोषित किए जाने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन यहां अभी तक परीक्षा के फॉर्म ही री-ओपन नहीं हो सके हैं। जिससे अभ्यार्थियों में आर ोश पैदा हो रहा है। हाथों में अपनी मांग से संबंधित तख्तियां लेकर प्रदर्शन कर रहे इन अभ्यार्थियों का कहना था कि यदि बोर्ड ने उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया तो उन्हें आंदोलन करने पर मजबूर होना पड़ेगा।

क्षेत्रीय विधायक एवं राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने रविन्द्र को दी बधाई

राजस्थान रणजी क्रिकेट टीम में कोटपूतली के रविन्द्र चयनित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम खेड़ा निहालपुरा निवासी 19 वर्षीय युवा खिलाड़ी रविन्द्र पुत्र बैयाराम वर्मा का राजस्थान रणजी क्रिकेट टीम अन्डर-19 (2021-22) के लिए 9 वें नम्बर पर ऑल राउन्डर खिलाड़ी के रूप में चयन हुआ है।ग्रामीण परिवेश के एक गरीब परिवार से आने वाले रविन्द्र क्षेत्र से रणजी में चयनित होने वाले प्रथम खिलाड़ी हैं।उन्होंने यह उपलब्धि विगत दिनों गोवा में आयोजित हुए रणजी कैम्प प्लेयर सलेक्शन टुर्नामेंट में हांसिल की।

इस उपलब्धि पर क्षेत्रीय विधायक एवं राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए रविन्द्र को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें प्रेषित की।उल्लेखनीय है कि विगत दिनों रविन्द्र का टी-20 सीसीएल अन्डर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए भी चयन हुआ था।इस मौके पर आयोजित स्वागत एवं अभिनन्दन समारोह में शिरकत करते हुए राज्यमंत्री यादव ने प्रतिभावान युवा खिलाड़ी को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए जीवन में कड़ी मेहनत,समर्पण व दृढ़ इच्छा शक्ति से आगे बढ़ने की बात कही थी।वहीं राज्यमंत्री यादव ने कहा था कि ग्रामीण क्षेत्र की युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार हर तरह से प्रयासरत है।

रविन्द्र लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट प्रतियोगिता में 66.67 की औसत से रन बनाकर टी-20 की नेशनल टीम में भी चयनित हो चुके हैं।गोवा में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में रविन्द्र ने 89.56 की औसत से रन बनाकर रणजी में अपना स्थान बनाया।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि रविन्द्र की इस उपलब्धि से ग्रामवासियों में खुशी की लहर है।रविन्द्र ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों सहित माता-पिता व कोच को दिया है।